SysAdmin Notes for RHCSA

Somenath Sinha

August 2017

Contents

| ı | Ins | talling RHEL Server | 2 |
|---|------|---|----|
| 1 | Usir | ng Essential Tools | 3 |
| | 1.1 | Man Command | 3 |
| | 1.2 | Understanding Globbing and Wildcards | 4 |
| | 1.3 | Understanding Globbing and Wildcards | 4 |
| | 1.4 | Understanding I/O Redirection and Pipes | 5 |
| | | 1.4.1 I/O Redirection | 5 |
| | | 1.4.2 Piping | 5 |
| | 1.5 | Using I/O Redireciton and Piping | 5 |
| 2 | Ess | ential File Management Tools | 7 |
| | 2.1 | Understanding Linux File System Layout | 7 |
| | 2.2 | Finding Files | 7 |
| | 2.3 | Understanding Links | 8 |
| | 2.4 | Working with Links | 8 |
| | 2.5 | Working with tar | 9 |
| 3 | Wor | king with Text Files | 11 |
| | 3.1 | Understanding Regular Expressions | 11 |
| | 3.2 | Using common text tools | 11 |
| | | 3.2.1 cat | 11 |
| | | 3.2.2 less | 11 |
| | | 3.2.3 Head and Tail | 12 |
| | | 3.2.4 cut | 12 |
| | | 3.2.5 sort | 12 |
| | | 3.2.6 tr | 13 |

| | 3.3 | grep | 13 |
|---|-----|--|----|
| | | 3.3.1 wc | 14 |
| | | 3.3.2 grep -l | 14 |
| | | 3.3.3 grep -i | 14 |
| | | 3.3.4 grep -R | 15 |
| | | 3.3.5 grep -v | 15 |
| | 3.4 | sed and awk basics | 15 |
| | | 3.4.1 sed | 15 |
| | | 3.4.2 awk | 16 |
| 4 | Con | necting to a RHEL Server | 18 |
| | 4.1 | Connecting to a Server with SSH | 18 |
| | 4.2 | RSA Key fingerprint and known hosts | 18 |
| | 4.3 | sshd_config | 18 |
| | 4.4 | Understanding SSH keys | 19 |
| | | 4.4.1 Client authentication without password | 19 |
| | 4.5 | Using SSH Keys | 20 |
| | | 4.5.1 Copying SSH keys | 20 |
| | | 4.5.2 Copying files to a server securely using SSH | 21 |
| 5 | Man | naging Users and Groups | 22 |
| | 5.1 | Understanding the need for Users | 22 |
| | 5.2 | User Properties | 22 |
| | | 5.2.1 Username | 22 |
| | | 5.2.2 UID | 23 |
| | | 5.2.3 GID | 23 |
| | | 5.2.4 GECOS or comment field | 23 |
| | | 5.2.5 Home Directory | 23 |
| | | 5.2.6 Default Shell | 23 |
| | 5.3 | Creating and Managing Users | 23 |
| | | 5.3.1 Adding users | 23 |
| | 5.4 | Understanding Group Membership | 24 |
| | 5.5 | Creating and Managing Groups | 24 |

| | | 5.5.1 | groupadd | 24 |
|---|-----|---------|---|----|
| | | 5.5.2 | Adding users to a group | 24 |
| | 5.6 | User a | and Group configuration files | 25 |
| | 5.7 | Manag | ging Password properties | 25 |
| | | 5.7.1 | passwd | 25 |
| | | 5.7.2 | chage | 26 |
| 6 | Con | necting | g to a LDAP Server | 27 |
| | 6.1 | Under | standing LDAP | 27 |
| | | 6.1.1 | /bin/login | 27 |
| | | 6.1.2 | ldd | 27 |
| | | 6.1.3 | PAM config file syntax | 28 |
| | 6.2 | Telling | your server where to find the LDAP Server | 29 |
| | | 6.2.1 | nscd | 29 |
| | | 6.2.2 | nss-pam-ldapd | 29 |
| | | 6.2.3 | pam_ldap | 29 |
| | | 6.2.4 | authconfig-gtk | 30 |
| | | 6.2.5 | Switching to an LDAP user | 30 |
| | 6.3 | Under | standing Automount | 30 |
| | | 6.3.1 | Server selection for auto-mounting | 31 |
| | | 6.3.2 | Samba server's CIFS protocol to automount | 31 |
| | 6.4 | Config | juring Automount | 32 |
| | | 6.4.1 | NFS Server Automounting | 33 |
| | 6.5 | Config | juring NFS and Automount | 33 |
| | | 6.5.1 | yum search | 33 |
| | | 6.5.2 | Creating an NFS Server | 33 |
| | | 6.5.3 | Starting the NFS server | 34 |
| | | 6.5.4 | Automounting NFS | 34 |
| | 6.6 | Modify | ring nslcd Configuration | 35 |
| | | 6.6.1 | Naming Services LDAP Client Daemon | 35 |
| | | 6.6.2 | /etc/nslcd.conf | 36 |
| 7 | Man | aging | Permissions | 37 |

| | 7.1 | Underst | anding Ownership: Users, Groups and Others | 37 |
|---|----------|----------|---|----|
| | | 7.1.1 F | Permissions | 37 |
| | | 7.1.2 | Ownership | 38 |
| | 7.2 | Changir | ng file ownership | 38 |
| | | 7.2.1 | chgrp | 38 |
| | | 7.2.2 | chown | 38 |
| | 7.3 | Underst | anding Basic Permissions | 39 |
| | 7.4 | Managir | ng Basic Permissions | 39 |
| | | 7.4.1 | chmod | 39 |
| | 7.5 | Underst | anding Special Permissions | 40 |
| | 7.6 | Managir | ng Special Permissions | 41 |
| | | 7.6.1 F | Finding a file with a particular set of permissions | 41 |
| | | 7.6.2 | Setting Group ID for a directory | 42 |
| | | 7.6.3 | Sticky Bit | 43 |
| | | 7.6.4 L | Lowercase 's' or 't' vs Uppercase in permissions | 44 |
| | 7.7 | Underst | anding ACLs | 44 |
| | | 7.7.1 N | Mount options | 44 |
| | | 7.7.2 | Commands | 45 |
| | 7.8 | Managir | ng ACLs | 45 |
| | | 7.8.1 h | nistory | 47 |
| 8 | Con | fiaurina | Networking | 48 |
| | 8.1 | - | anding NIC Naming | 48 |
| | | | Network Device Naming Schemes | 48 |
| | 8.2 | | ng NIC Configuration with ip Command | 48 |
| | | _ | show commands | 49 |
| | | | p addr add | 49 |
| | | , | p route add | 50 |
| | 8.3 | ' | Network Configuration persistently | 50 |
| | - | _ | Hostname | 51 |
| | 8.4 | | anding Network Manager | 51 |
| | _ | | letwork Manager utilities (nmcli_nmtui) | 52 |
| | | | | |

| | | 8.5.1 | nmcii | 52 |
|----|---|---|---|--|
| | | 8.5.2 | nmtui | 53 |
| | 8.6 | Unders | standing Routing and DNS | 53 |
| | | 8.6.1 | Default route | 53 |
| | | 8.6.2 | DNS | 54 |
| | 8.7 | Config | uring Routing and DNS | 54 |
| | 8.8 | Unders | standing Network Analysis Tools | 55 |
| | 8.9 | Using | Network Analysis Tools | 55 |
| | | 8.9.1 | ping | 56 |
| | | 8.9.2 | traceroute | 56 |
| | | 8.9.3 | host | 56 |
| | | 8.9.4 | dig | 57 |
| | | 8.9.5 | Physical network problems | 58 |
| | | | | |
| II | Op | eratin | g RHEL Servers | 60 |
| ^ | Man | I | 7****** | ~ 4 |
| 9 | IVIAII | aging i | Processes | 61 |
| 9 | 9.1 | | standing Jobs and Processes | 61 |
| 9 | | Unders | | |
| 9 | | Unders | standing Jobs and Processes | 61 |
| 9 | 9.1 | Unders 9.1.1 Manag | standing Jobs and Processes | 61 61 |
| 9 | 9.1 | Unders 9.1.1 Manag | jobs | 61 61 |
| 9 | 9.1 | Unders 9.1.1 Manag | jobs | 61 61 63 |
| 9 | 9.1 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 | jobs | 61 61 63 64 |
| 9 | 9.19.29.3 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders | jobs | 61 61 63 64 64 |
| 9 | 9.19.29.39.4 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders | jobs | 61 61 63 64 64 64 |
| 9 | 9.19.29.39.4 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders Unders 9.5.1 | jobs | 61 61 63 64 64 64 65 |
| 9 | 9.19.29.39.49.5 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders Unders 9.5.1 Monito | jobs | 611 611 63 64 64 65 65 |
| 9 | 9.19.29.39.49.59.6 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders Unders 9.5.1 Monito | jobs | 61 61 63 64 64 65 65 |
| 9 | 9.19.29.39.49.59.6 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders Unders 9.5.1 Monito Sendir 9.7.1 | jobs | 61 61 63 64 64 65 65 66 67 |
| 9 | 9.19.29.39.49.59.69.7 | Unders 9.1.1 Manag Getting 9.3.1 9.3.2 Unders Unders 9.5.1 Monito Sendir 9.7.1 Unders | standing Jobs and Processes jobs ging Shell Jobs g process information with ps Getting PID of a process Seeing Parent and Child process relation standing Memory Usage standing Performance Load uptime Command uring System Activity with top g Signals to processes kill command | 61 61 63 64 64 65 65 66 67 |

| | | 9.9.2 | Ch | ıan | ıgin | g N | ice | ne | SS | froi | m c | com | ıma | and | lin | е | | | ٠ | - | | | 68 | , |
|----|------|---------|-------|---------|-------|-------|------|------|------|------------|-----|------|-----|-----|-----|---|--|-------|-------|---|--|------|----|---|
| 10 | Man | aging S | Sof | twa | are | | | | | | | | | | | | | | | | | | 70 |) |
| | 10.1 | Unders | star | ndii | ng l | Met | a F | 'ac | :ka | ge | На | ndl | ers | | | | | | | | | | 70 |) |
| | 10.2 | Setting | g up | o Yı | um | rep | osi | tor | ies | . . | | | | | | | | | | | | | 70 |) |
| | | 10.2.1 | yu | m ı | rep | olist | t. | | | | | | | | | | | | | | | | 70 |) |
| | | 10.2.2 | 2 Cu | usto | om | Rep | oos | ito | ry | | | | | | | | | | | | | | 70 |) |
| | 10.3 | Using t | the | yu | ım d | com | ıma | ากต | . k | | | | | | | | | | | | | | 71 | |
| | | 10.3.1 | yu | m s | sea | ırch | | | | | | | | | | | | | | | | | 71 | |
| | | 10.3.2 | 2 yu | m i | inst | all | | | | | | | | | | | | | | | | | 72 | |
| | | 10.3.3 | 3 yu | m I | list | | | | | | | | | | | | | | | | | | 73 | |
| | | 10.3.4 | l yu | m į | pro | vide | es | | | | | | | | | | | | | | | | 73 | |
| | | 10.3.5 | yu | m ı | rem | iove | | | | | | | | | | | | | | | | | 74 | |
| | 10.4 | Using I | rpm | n q | uer | ies | | | | | | | | | | | | | | | | | 75 | , |
| | | 10.4.1 | Ins | stal | llinç | j a Ι | oca | al r | 'n | n file | е | | | | | | | | | | | | 77 | , |
| | | 10.4.2 | 2 rep | poc | que | ry | | | | | | | | | | | | | | | | | 78 | ; |
| | | 10.4.3 | B Dis | spl | ayir | ng ii | nfo | rm | atio | on a | abo | out | а р | ack | kag | е | | | | | | | 78 | ; |
| 11 | Worl | king wi | ith ' | Vir | rtua | al M | acl | hin | nes | 3 | | | | | | | | | | | | | 80 |) |
| | | Introdu | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 80 | , |
| | | 11.1.1 | CF | - ⊃U | Vir | tual | iza | tio | n S | Sup | poi | rt . | | | | | | | | | | | 80 | , |
| | 11.2 | Manag | ging | ال ل | bvir | rt ar | nd I | ΚV | ′M | | | | | | | | | | | | | | 81 | |
| | 11.3 | Using | virs | sh . | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 82 | , |
| | | 11.3.1 | Vir | rsh | CO | mm | and | ds | | | | | | | | | | | | | | | 82 | , |
| | 11.4 | Using | virt- | -ma | ana | ıger | | | | | | | | | | | | | | | | | 83 | , |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | | eduling | _ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 84 | |
| | 12.1 | Cron v | vs a | t. | | | | | | | | | | | | • | | • | • | | | | 84 | |
| | | 12.1.1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 84 | , |
| | | 12.1.2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 84 | |
| | 12.2 | Unders | | | _ | | | | | | | | | | | | | | | | | | 84 | |
| | | 12.2.1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 85 | , |
| | | 12.2.2 | 2 Ot | hei | r cr | on (| con | fig | file | es . | | | | | | | | | | | | | 85 | , |
| | | 12.2.3 | crc | on. | d | | | | | | | | | | | | | | | | | | 86 | j |

| | 12.3 | Scheduling with cron | 86 |
|----|------|--|-----|
| | 12.4 | Using at | 87 |
| | | 12.4.1 Scheduling using at | 87 |
| | | 12.4.2 atq | 88 |
| | | 12.4.3 Removing jobs from atq | 88 |
| 13 | Con | figuring Logging | 90 |
| | 13.1 | Understanding rsyslogd and journald logging | 90 |
| | | 13.1.1 Sharing logging information | 91 |
| | 13.2 | Integrating rsyslogd and journald | 91 |
| | | 13.2.1 rsyslog | 91 |
| | | 13.2.2 journald | 92 |
| | 13.3 | Configuring rsyslog logging | 92 |
| | 13.4 | Working with journald | 92 |
| | | 13.4.1 journalctl | 92 |
| | 13.5 | Understanding logrotate | 93 |
| | 13.6 | Configuring logrotate | 94 |
| | | 13.6.1 Checking avialable hard disk space | 95 |
| 14 | Man | aging Partitions | 96 |
| | 14.1 | Understanding Disk Layout | 96 |
| | 14.2 | Creating Partitions | 97 |
| | | 14.2.1 fdisk | 97 |
| | 14.3 | Understanding File System Differences | 99 |
| | 14.4 | Making the File System | 100 |
| | | 14.4.1 mkfs | 100 |
| | 14.5 | Mounting the Partition Manually | 101 |
| | | 14.5.1 umount | 101 |
| | 14.6 | Understanding /etc/fstab | 102 |
| | 14.7 | Mounting partitions via /etc/fstab | 103 |
| | | 14.7.1 Managing xfs file systems using xfs_ commands | 104 |
| | 14.8 | Understanding Encrypted Partitions | 105 |
| | 14.9 | Creating a LUKS Encrypted Partition | 105 |

| | | 14.9.1 Formatting the new partition | 106 |
|-----|-------|--|------|
| | 14.10 | Dealing with "Enter root password for maintenance mode" | 108 |
| 15 | Man | aging LVM Logical Volumes | 109 |
| | 15.1 | Why use LVM | 109 |
| | 15.2 | Understanding LVM Setup | 109 |
| | 15.3 | Creating an LVM Logical Volume | 110 |
| | | 15.3.1 Creating a Physical Volume | 113 |
| | | 15.3.2 Creating a Volume Group | 113 |
| | | 15.3.3 Creating a Logical Volume | 113 |
| | | 15.3.4 Creating a File system on the LV | 114 |
| | 15.4 | Understanding Device Mapper and LVM Device Names | 115 |
| | 15.5 | Understanding LVM resize operations | 115 |
| | | 15.5.1 Extending the File System | 115 |
| | | 15.5.2 Shrinking the File System | 115 |
| | 15.6 | Growing an LVM Logical Volume | 115 |
| | | 15.6.1 Creating a new logical volume in an extended partition to add to the VC | 3116 |
| | | 15.6.2 Extending the Volume Group | 118 |
| | | 15.6.3 Extending the LV and the File System | 118 |
| | 15.7 | Shrinking an LVM logical Volume | 120 |
| | | 15.7.1 Reduce both File system and LV in a single step | 120 |
| III | Pe | rforming Advanced System Administration Tasks | 122 |
| | | | |
| 16 | | aging the Kernel | 123 |
| | | Understanding the Modular Structure of the Kernel | 123 |
| | 16.2 | Working with Kernel Modules | 123 |
| | | 16.2.1 Viewling loaded Kernel Modules | 124 |
| | | 16.2.2 Modprobe | 125 |
| | 16.3 | Modifying the Kernel module behavior through modprobe | 125 |
| | | 16.3.1 Setting kernel module parameters on older Linux versions | 126 |
| | 16.4 | Tuning kernel behavior through proc | 127 |
| | 16.5 | Using sysctl | 128 |

| | | 16.5.1 sysctl command | 128 |
|----|------|--|-----|
| | 16.6 | Updating the kernel | 129 |
| 17 | Usin | g Kickstart | 130 |
| | 17.1 | Understanding Kickstart Usage | 130 |
| | 17.2 | Creating a Kickstart file | 130 |
| | | 17.2.1 Installation Scripts | 131 |
| | 17.3 | Using the Kickstart file for Automatic installations | 131 |
| | 17.4 | Using Kickstart files in fully automated data-centers | 131 |
| 18 | Man | aging and Understanding the Boot Procedure | 133 |
| | 18.1 | Boot Procedure Generic Overview | 133 |
| | 18.2 | Understanding Grub2 | 133 |
| | | 18.2.1 Booting in emergency mode | 134 |
| | 18.3 | Modifying Grub2 Parameters | 134 |
| | 18.4 | Understanding Systemd | 135 |
| | | 18.4.1 Unit file | 135 |
| | 18.5 | Managing Services in a systemd Environment | 135 |
| | | 18.5.1 Service files | 136 |
| | | 18.5.2 systemctl | 136 |
| | | 18.5.3 Targets | 137 |
| | | 18.5.4 Wants | 137 |
| | | 18.5.5 Viewing Currently Loaded Targets | 139 |
| | 18.6 | Understanding systemd Targets | 140 |
| | | 18.6.1 Services related to targets | 141 |
| | 18.7 | Switching between systemd Targets | 141 |
| | | 18.7.1 Switching to another target from an operational environment | 142 |
| | | 18.7.2 Selecting target from Grub Boot menu | 142 |
| | | 18.7.3 Emergency mode | 143 |
| 19 | Δnnl | ving Essential Troubleshooting Skills | 144 |

Part I Installing RHEL Server

Using Essential Tools

1.1 Man Command

man followed by keyword yields the manual page of that command.

\$ man ls

man followed by option **-k** (for keyword) and then followed by a *keyword* yields a list of all the commands containing that keywork and a brief description of that command.

```
$ man -k day
   daylight (3)
                       - initialize time conversion information
   dysize (3)
                       - get number of days for a given year
   daylight (3p)
                       - set timezone conversion information
   gettimeofday (2)
                       - get / set time
   gettimeofday (3p)
                       - get the date and time
   motd (5)
                       - message of the day
   Net::Time (3pm)
                       - time and daytime network client interface
   settimeofday (2)
                       - get / set time
10 Time::HiRes (3pm)
                       - High resolution alarm, sleep, gettimeofday, interval timers
```

The numbers next to the commands indicate which seciton of the man pages the command belongs to (based on their functionality). The actual section that the commands belong to can be determined by the use of

s man man-pages

The relevant sections for SysAdmins are Section 1, 5 & 8. The sections are:

| Section Number | Deals with | Description |
|-------------------|--|--|
| 1 | Commands (Programs) | Those commands that can be executed by the user from within a shell. |
| 2 | System calls | Those functions which must be performed by the kernel. |
| 3 | Library calls | Most of the libc functions. |
| 4 | Special files (devices) | Files found in /dev. |
| 5 | File formats and conventions | The format for /etc/passwd and other human-readable files. |
| 6 | Games | |
| 7 | Overview, conventions, and miscellaneous | Overviews of various topics, conventions and proto- cols, character set standards, and miscellaneous other things. |
| 8 | System management commands | Commands like mount(8), many of which only root can execute. |

To filter down the output of the **man -k** command, we can use **grep** to obtain only the relevant parts of the result on the basis of the appropriate section number in the man-pages.

This can be achieved using the pipe which feeds the output of the first command to the input of the second command.

```
$ man -k day | grep 3
daylight (3) - initialize time conversion information
dysize (3) - get number of days for a given year
daylight (3p) - set timezone conversion information
gettimeofday (3p) - get the date and time
Net::Time (3pm) - time and daytime network client interface
Time::HiRes (3pm) - High resolution alarm, sleep, gettimeofday, interval timers
```

1.2 Understanding Globbing and Wildcards

* - Indicates any string.

? - Indicates any single character.

 $\boldsymbol{[\cdot\cdot\cdot]}$ - Indicates any character provided within brackets.

[!···] - Indicates any character NOT provided within brackets.

[a-f] - Indicates any character provided within the range of a to f.

1.3 Understanding Globbing and Wildcards

| \$ Is a* | - | Lists all files and folders (including contents of each folder) that start with "a" |
|-------------|---|--|
| \$ Is *a* | - | Lists all files and folders that contain the string "a". |
| \$ ls -d a* | - | Shows all files and folders that start with "a" but excludes the contents of each individual folder. |
| \$ Is ??st* | - | Lists all files and folders that have "st" as the 3^{rd} and the 4^{th} character in their name. |
| \$ [a-f] | - | Indicates any character provided within the range of a to f. |

1.4 Understanding I/O Redirection and Pipes

1.4.1 I/O Redirection

File Descriptors:

STDIN - 0 - Standard Input - Represents the "file" for the Standard Input Device (generally Keyboard).

STDOUT - 1 - Standard Output - Represents the "file" for the Standard Output Device (generally the Monitor).

STDERR - 2 - Standard Error - Represents the "file" for the Standard Output Device (also, generally the Monitor).

Redirection:

STDIN - < - Feeds the file to the right of the "<" as input to the command on the left.

STDOUT - > - Stores the output of the command to the left of the ">" to the file indicated on the right. *OVERWRITES* the mentioned file.

 $\textbf{STDOUT} \quad \text{-} \quad >> \quad \text{-} \quad \text{Stores the output of the command to the left of the "} >> \text{" to the}$

file indicated on the right. APPENDS the mentioned file.

STDERR - 2 > - Redirects the errors from the command mentioned on the left to the file on the right. *OVERWRITES* the mentioned file.

- 1 *mail* is a simple command used to send messages. The command expects the message to terminate with a ".", so we feed it directly to the command, instead of providing any input.
- 4 The STDERR is redirected to tty6 (a virtual terminal connected to the host). Can also be diverted to a file if needed, such as an errorLog.

1.4.2 Piping

The command \$ ps aux shows us the overview of all the running processes on the host. However, it's too long to view all at once. In such situations, or wherever we need to feed the output of the first command to the input of the second command, we use the pipe operator. The command would then be \$ ps aux | less.

The difference in the usage of the piping and redirection operators is that Pipe is used to pass output to another program or utility, while Redirect is used to pass output to either a file or stream.

1.5 Using I/O Redireciton and Piping

```
$ ps aux | awk '{print $2}'

$ ps aux | awk '{print $2}' | sort

$ ps aux | awk '{print $2}' | sort -n
```

The second column (\$2) of the \$ ps aux command contains the Process ID (PID), and if we only want to filter the output such that only the PID is shown, we simply use the **awk** filtering utility.

If we want to sort the output of the command, we use the **sort** utility, but it generally sorts as a string. To sort the output as a number, we use the option **sort -n**.

If you expect lots of errors for a particular command, but want to discard all errors and only see the output when successful, then simply redirect the STDERR to /dev/null, which is a special device that discards all data written to it, i.e., a dustbin for data.

```
1  $ find / -name "*.rpm"
2  $ find / -name "*.rpm" 2> /dev/null
```

The first command shows all output including errors, but the second command discards all errors and shows the rest.

```
some_command > /dev/null 2> &1
```

The above code redirects STDOUT to /dev/null thus destroying the output, and also redirects the STDERR (2>) to STDOUT (&1). Essentially, it discards all output - useful when we don't need the output but only need the command to execute.

```
1  $ ls / > file_list.txt
2  $ sort < file_list.txt > file_list_sorted.txt
```

The above command stores the contents of the root directory in *file_list.txt*. Then, the second command uses both input and output redirection! The input of the sort command is fed from *file_list.txt* and the corresponding output sent to *file_list_sorted.txt*.

Essential File Management Tools

2.1 Understanding Linux File System Layout

| root (/) | - | Contains all other directories. |
|----------|---|--|
| /boot | - | Contains everything the system needs to start up |
| /usr | - | Contains program files |
| /etc | - | Contains configuration files |
| /home | - | Contains a user's files |
| /mnt | - | Used to manually mount devices |
| /media | - | Devices like optical discs get auto-mounted on the media directory |

Unlike other OSs, the linux files system is designed as such that multiple devices can be mounted on the same file system hierarchy. Thus, it's possible to mount devices remotely as well!

2.2 Finding Files

The **find** command is used to find a file within a folder and its subdirectories. When the starting point of the search is the root directory (/) then find will search the entire file system. While the utility is extremely thorough, this may cause delays due to remote devices on the network mounted on the file system.

```
find / -name "passwd"
```

If you're trying to find the location of a binary file, a better command would be **which** command, as it directly shows the location of the binary, but be careful as it only works with binaries.

\$ which passwd
2 /usr/bin/passwd

Contrastingly, the command **whereis** not only gives us the locaiton of the binary, but the location of the complete environment of the binary!

Another similar utility is called **locate** which shows all files that have the string provided to it in its name. Note, however, that locate operates on a database, that must be updated (especially after the creation of a new file) to show relevant results.

```
1  # touch sinha
2  # ls
3  sinha
4  # locate sinha
5  /usr/share/vim/vim74/keymap/sinhala-phonetic_utf-8.vim
6  /usr/share/vim/vim74/keymap/sinhala.vim
7  # updatedb
8  # locate sinha
9  /home/somu/Documents/sinha
10  /usr/share/vim/vim74/keymap/sinhala-phonetic_utf-8.vim
11  /usr/share/vim/vim74/keymap/sinhala.vim
```

2.3 Understanding Links

inode - An inode is a datastructure that describes a file system object such as a file or a directory, containing both the disc block locations as well as the attributes of the file system object. The inodes are identified by their inode number.

Consequently, for us to access the files/directories, we need to be able to provide a name to the inodes, which are called hardlinks. A file may have more than one hardlink. Note that each hardlink is simply a different name provided tot he same inode. Ths, all hardlinks to the same file/directory have the same inode number. Hardlinks are one-directional only, i.e., the hardlink itself knows which inode it points to, but the inodes only know the total number of hardlinks that are associated with it, and not which exact ones are pointing to it. Since hardlinks point to some inode, they always need to stay on the same partition as the inode.

A symbolic link on the other hand, points to a hardlink instead of an inode. As such, it has a different inode number than the one that the hardlink points to. Thus, the hardlink and symbolic link can be on different partitions as well. It can even exist across servers. Whenever a hardlink is deleted, however, all the symbolic links pointing to it are rendered invalid.

2.4 Working with Links

The \ln command is used to create both hardlinks and symbolic links. To create a symbolic link, we need only add the -s option. The -i option of the ls command shows us the inode number.

```
# ln /etc/hosts computers
```

[#] ls -il /etc/hosts computers

```
3 8388733 -rw-r--r-. 2 root root 158 Jun 7 2013 computers
4 8388733 -rw-r--r-. 2 root root 158 Jun 7 2013 /etc/hosts
   # ln -s computers newcomputers
   # ls -il /etc/hosts computers newcomputers
   8388733 -rw-r--r-. 2 root root 158 Jun 7 2013 computers
   8388733 -rw-r--r-- 2 root root 158 Jun 7 2013 /etc/hosts
   27604468 lrwxrwxrwx. 1 root root 9 Sep 7 19:26 newcomputers -> computers
10 # rm -f computers
# ls -il /etc/hosts newcomputers
12 8388733 -rw-r--r-. 1 root root 158 Jun 7 2013 /etc/hosts
13 27604468 lrwxrwxrwx. 1 root root 9 Sep 7 19:26 newcomputers -> computers
14 # exit
15 exit
16 $ ln /etc/shadow mydata
17 ln: failed to create hard link 'mydata' => '/etc/shadow': Operation not permitted
18 $ ls -l /etc/shadow
    ----- 1 root root 1375 Sep 5 21:04 /etc/shadow
```

When the hardlink *computers* to the inode associated with /etc/hosts is deleted, the associated symbolic link of *newcomputers* becomes invalid.

Finally, RHEL 7 onwards, a user may only create a link to a file/directory that it at least has a read permission to. Thus, any user won't be able to create a link to /etc/shadow as it has no permissions for anybody.

2.5 Working with tar

tar stands for Tape Archive. The command is most commonly used to make backups of files by storing them in archives. Some of the options of tar are:

```
typically has an extension of .tar
        create
-C
                             show contents of the archive.
-t
        show contents -
-X
        extract
                             compress the archive using gzip. Typically has an extension of .tgz
-Z -
        file
        verbose
-V -
                             tell us what the utility is doing.
                             option to indicate the name of the archive file.
-f
        file
                         - indicates where the archive is to be extracted.
-C
        location
```

```
$ tar -cvf /root/etc.tar /etc
```

The above command creates the etc.tar archive in the /root directory and puts the contents of /etc in that archive. Note that the file etc.tar has a .tar extension only because we provided it, and not because Linux mandates it (unlike windows). Thus, sometimes we may run across tar archives that don't have an extension and are hard to detect. So, in that case we use the file command, which tells us the type of a particular file.

```
$ file /root/etc.tar
2 /root/etc.tar: POSIX tar archive (GNU)
```

Note that the .tar archive only puts all the files of teh /etc directory in the file tar.etc, but doesn't actually compress anything. To enable compression the -z option of the tar command must be used.

\$ tar -czf /root/etc2.tgz /etc

Before extracting the contents of a tar file, we might want to see its contents, which can be done using the -t option of the tar command. NOTE: Some older versions of tar may require the -z option to enable working with gzip archives, even when simply using the archive and not creating it.

s tar -tvf /root/etc2.tgz

To actually extract the archive, we use -x option. To indicate the location where we want the extracted files to reside, we include the -C option. If this option is not present then the files will be extracted in the present directory.

s tar -xvf /root/etc2.tgz -C /tmp

To extract only one file from the archive, we can simply provide the name of the file at the very end.

\$ tar -xvf /root/etc2.tgz -C / etc/wgetrc

NOTE that in the above command, we use the relative path etc/wgetrc because of the fact that the archive stores a relative file path for easy extraction in any folder.

Working with Text Files

3.1 Understanding Regular Expressions

| Character | Definition | Example | Result |
|-----------|--|--------------|----------------------|
| ^ | Start of a string | ^abc | abc, abcdef, abc123 |
| \$ | End of a string | abc\$ | abc, blahabc, 456abc |
| | Any character except newline | a.c | abc, aac, a2c |
| | Alteration | 1 8 | 1,8 |
| {} | Explicit quantity of preceding character | ab{2}c | abbc |
| [] | Explicit set of characters to match | a[bB]c | abc, aBc |
| () | Group of characters | (123){3} | 123123123 |
| * | Null or more of the preceding character | ab*c | ac, abc, abbbbbc |
| + | One or more of the preceding character | ab+c | abc, abbbbc |
| ? | Null or one of the preceding character | ab?c | ac, abc |
| 170000010 | | livelessons® | |

Figure 3.1: RegEx Cheat Sheet

3.2 Using common text tools

3.2.1 cat

The cat command prints the entire content of a file on to the terminal.

3.2.2 less

Sometimes the cat command is unsuitable, like in the case of extremely large files. In such cases, like the /var/log/messages, the default system log file, using cat won't work as the majority of the messages would scroll past fast. For such cases, less is a better utility. Search functionality is exactly the same as in the case of vim.

3.2.3 Head and Tail

Head

The head command by default shows us the first 10 lines of a text file. To see more or less lines, the -n option can be used.

```
1 $ head -n 20 file.txt
```

Tail

The tail command by default shows us the last 10 lines of a text file. To see more or less lines, the -n option can be used.

```
$ tail -n 5 file.txt
```

Combination of head and tail

The combination of these two commands can enable the viewing of text in between specific line numbers. The command below shows lines 16-20 of file.txt

```
s head -n 20 file.txt | tail -n 5
```

3.2.4 cut

With the cut utility, we can print out a specific column form a text file. It assumes the columns are separated by Tabs. Which specific column is to be printed is set by using the -f option. For example, to only print the first column of a text file, we say:

```
$ cut -f 1 cities
```

To provide a different delimiter, such as ":" we use the -d option followed by the delimiter of our choice.

```
$ cut -f 1 -d : /etc/passwd
```

3.2.5 sort

This command sorts the input provided in the order of the ASCII table. That means numbers first, captial letters next and finally the lower case letters.

```
1 $ cut -f 1 -d : /etc/passwd | sort
```

To sort on the basis of a specific criteria:

- Sort on the basis of actual numberical value, instead of treating a number as a string.
- -f Sort in a case insensitive manner.

3.2.6 tr

The tr command replaces certain characters with certain other characters. Thus, it's frequently used in conjunction with pipes to modify the output of a command.

```
$ echo hello | tr a-z A-Z

HELLO

$ echo hello | tr [:lower:] [:upper:]

HELLO
```

3.3 grep

grep is a filtering utility that only prints those lines that contain a certain expression matching the pattern provided by a *RegEx*.

```
$ ps aux | grep tracker
1
        10450 0.0 0.4 469796 9000 ?
                                          SN1 10:06
                                                     0:00
  somu
   → /usr/libexec/tracker-miner-user-guides
       10465 0.0 0.6 536856 12012 ? Sl
                                              10:06
                                                     0:00
  SOMII
   → /usr/libexec/tracker-store
       10611 0.0 0.7 779816 13108 ? SNl 10:06
                                                     0:00
  SOMII
   somu 10614 0.0 0.5 469800 9632 ?
                                        SN1 10:06
                                                     0.00
   → /usr/libexec/tracker-miner-apps
  somu 10615 0.0 0.7 710160 13204 ?
                                          SN1 10:06
                                                     0:00
   → /usr/libexec/tracker-miner-fs
  root 17396 0.0 0.0 112644 968 pts/0
                                          R+ 13:49
                                                     0:00 grep --color=auto
   \hookrightarrow tracker
```

Another use for grep is searching files. The syntax is grep <filename-pattern> <search-directory>.

To avoid errors notifying "is a directory", simply redirect errors to /dev/null.

```
$ grep lisa * 2> /dev/null
group:lisa:x:1001:
gshadow:lisa:!::
passwd:lisa:x:1001:1001::/home/lisa:/bin/bash
passwd-:lisa:x:1001:1001::/home/lisa:/bin/bash
```

```
6 services:na-localise 5062/tcp # Localisation access
7 services:na-localise 5062/udp # Localisation access
```

- 9 shadow-:lisa:password:17414:0:99999:7:::

3.3.1 wc

Counts the number of words, lines and characters.

- -l Counts the number of lines
- -w Counts the number of words
- -m Counts the number of characters
- -c Counts the number of bytes
- -L Counts the length of the longest line

To see the number of matched lines using grep, simply use:

3.3.2 grep -I

Grep by default returns the name of the matching file followed by the matching lines. This output can be made more readable by grep -1 which lists all the files in the directory that matches the criteria.

3.3.3 grep -i

The -i flag turns the grep command case-insensitive!

```
8 passwd:lisa:x:1001:1001::/home/lisa:/bin/bash
9 services:ltctcp 3487/tcp # LISA TCP Transfer Channel
10 services:ltcudp 3487/udp # LISA UDP Transfer Channel
11 services:na-localise 5062/tcp # Localisation access
12 services:na-localise 5062/udp # Localisation access
```

3.3.4 grep -R

The usage of the -R flag puts grep in recursive mode, where the utility searches for the file in each subfolder as well.

```
$ grep -iR lisa * 2> /dev/null
group:lisa:x:1001:
lvm/lvm.conf:  # If using external locking (type 2) and initialisation fails, with
passwd:lisa:x:1001:1001::/home/lisa:/bin/bash
Binary file pki/ca-trust/extracted/java/cacerts matches
Binary file pki/java/cacerts matches
...
```

3.3.5 grep -v

Grep with a -v flag excludes the matching results. Here we can exclude the lines containing "Binary" using:

```
$ grep -iR lisa * 2> /dev/null | grep -v Binary
   alternatives/jre_openjdk/lib/security/nss.cfg:handleStartupErrors =
     \hookrightarrow ignoreMultipleInitialisation
3 alternatives/jre_openjdk_exports/lib/security/nss.cfg:handleStartupErrors =
     14-1236-16
   brltty/fr-abrege.ctb:word civilisation
   brltty/fr-abrege.ctb:word civilisations 14-1236-16-234
brltty/fr-abrege.ctb:word généralisation 1245-1345-16
brltty/latex-access ctb: 1245-1345-16
   brltty/latex-access.ctb: brailleTranslator.capitalisation = "6dot"
   brltty/latex-access.ctb:
9 passwd:lisa:x:1001:1001::/home/lisa:/bin/bash
10 same.d/canon_pp.conf:# Set a default initialisation mode for each port. Valid modes are:
11 services:ltctcp 3487/tcp # LISA TCP Transfer Channel
12 services:ltcudp
                            3487/udp
                                                      # LISA UDP Transfer Channel
```

3.4 sed and awk basics

3.4.1 sed

sed is an old utility that's used to process text. Many of it's functionalities can now be done using grep itself.

sed q

To see the first two lines of a file using sed we use:

```
sed 2q /etc/passwd
root:x:0:0:root:/root:/bin/bash
bin:x:1:1:bin:/bin:/sbin/nologin
```

sed -n

The -n flag makes sed print no output unless the p flag is also provided. Here, we use a Regular Expression " $\hat{r}oot$ " to match only a certain part of the text and then the p flag to print only if that criteria is matched.

The above result could also be obtained with grep "^root" /etc/passwd.

Substitution with sed

Sed can be used to substitute text within a file using the s parameter. It's used as :

```
$ cat names
2 Somu
   Arpi
4 Neha
   Santy
   Debu
   $ sed -i 's/Santy/Dickwad/g' names
   $ cat names
   Somn
10
   Arpi
11
   Neha
12
   Dickwad
   Debu
```

The -i flag asks the modifications to be made in place. Otherwise the output (changed text) would've simply been displayed to the screen and then need to be redirected to a file for storage.

3.4.2 awk

awk is another utility that is especially useful when working with text files. It excels at operations like cutting out information.

Cutting out information using awk

For certain operations, the awk command is a lot more powerful than the cut utility. In the example below cut has a hard time recognizing the second field, while awk has no problem whatsoever!

```
$ ps aux | grep 'gdm'
   root 1117 0.0 0.1 480248 4688 ? Ssl 09:20 0:00 /usr/sbin/gdm
           1333 0.8 1.2 328524 47220 tty1 Ssl+ 09:20 0:43 /usr/bin/X :0
   root
    \  \, \hookrightarrow \  \, /\text{run/gdm/auth-for-gdm-bgrBZH/database -seat seat0 -nolisten tcp vt1}
   root 1718 0.0 0.1 528944 5848 ? S1 09:20
                                                      0:00 gdm-session-worker
    gdm 1737 0.0 0.1 458088 4152 ? Sl 09:20
                                                       0:00 ibus-daemon --xim
    \hookrightarrow --panel disable
   gdm 1741 0.0 0.1 373560 5424 ? S1 09:20
                                                       0:00 /usr/libexec/ibus-dconf
            1745 0.0 0.2 438152 7772 ?
                                          Sl 09:20
                                                       0:00 /usr/libexec/ibus-x11
   somu 12218 0.0 0.0 112664 972 pts/0 R+ 10:47
                                                      0:00 grep --color=auto gdm
  $ ps aux | grep 'gdm' | cut -f 2
   root 1117 0.0 0.1 480248 4688 ? Ssl 09:20
                                                      0:00 /usr/sbin/gdm
10
           1333 0.8 1.2 328524 47220 tty1 Ssl+ 09:20
  root
                                                      0:43 /usr/bin/X :0
11
    → -background none -noreset -audit 4 -verbose -auth
    → /run/gdm/auth-for-gdm-bgrBZH/database -seat seat0 -nolisten tcp vt1
  root 1718 0.0 0.1 528944 5848 ? Sl 09:20 0:00 gdm-session-worker
    n/gam-passworaj
1737 0.0 0.1 458088 4152 ? Sl 09:20
                                                      0:00 ibus-daemon --xim
   gdm
13
    \hookrightarrow --panel disable
        1741 0.0 0.1 373560 5424 ? S1 09:20
                                                      0:00 /usr/libexec/ibus-dconf
14
   gdm
           1745 0.0 0.2 438152 7772 ?
                                          Sl 09:20
                                                      0:00 /usr/libexec/ibus-x11
    \,\hookrightarrow\,\, -\text{-kill-daemon}
        12226 0.0 0.0 112664 968 pts/0 R+ 10:48
   somu
                                                      0:00 grep --color=auto gdm
   $ ps aux | grep 'gdm' | awk '{ print $2 }'
   1333
   1718
   1737
   1741
23
   1745
   12248
```

Connecting to a RHEL Server

4.1 Connecting to a Server with SSH

To connect to a server we use the ssh command. The Syntax is: ssh <server-ip>.

```
1 $ ssh 192.168.152.129
2 somu@192.168.152.129's password:
3 Last login: Mon Nov 13 12:37:26 2017 from 192.168.152.128
```

The default SSH port is **22**. To connect to SSH on a different port (common when server is exposed to the internet), is ssh -p <port-number> <server-ip>. Note that *if root login is disabled on the server*, we must also provide the username to login as. The syntax then becomes: ssh -p <port-number> <username>@<server-ip>.

```
$ ssh -p 2022 sander@ldap.rhatcertification.com
```

4.2 RSA Key fingerprint and known hosts

Upon each new connection the ssh daemon shows us the RSA key fingerprint of the host to verify if we're connecting to the right computer. If so, the host is added to a list of known hosts permanently, in ~/.ssh/known_hosts.

When the key fingerprint of the server doesn't match the Key fingerprint on record, the system warns us from connecting! This may occur when the server has been reinstalled on the same IP address. Thus, the new key fingerprint won't match the old one. To fix this, simply remove the old entry from ~/.ssh/known_hosts.

4.3 sshd_config

The details of the method of connection to a server is stored in the **sshd_config** file, located in /etc/ssh/sshd_config.

Some of the options are:

| Option | Description | Default Value |
|-----------------|--|---------------|
| Port | The port number which is used for SSH on that server | 22 |
| PermitRootLogin | Whether an user is allowed to login as root user via SSH | yes |

If the root login on the server via SSH is disabled, it generally makes the server a little bit more secure!

4.4 Understanding SSH keys

To initiate the ssh connection, the **SSHD** service on the server is contacted by the client. In order to confirm it's identity, the server responds with it's own /etc/ssh/ssh_host.pub public key to the client. When the client's user has verified the key of the server, the public key fingerprint gets stored in the clients ~/.ssh/known_hosts file. Finally, the user is asked for the password to log on to the server.

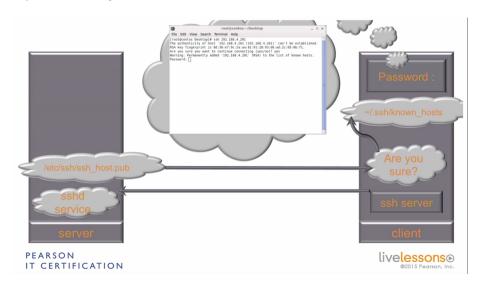


Figure 4.1: Server Authentication procedure

4.4.1 Client authentication without password

The client can also prove it's identity without a password by the use of a public key that it provides to the server. The private key of the user is stored in the home directory of the user ~/.ssh/id_rsa. A packet encrypted with the private key is sent to the server which knows the user's public key. Some complex calculations based on this is performed on the authentication token sent from the client and if the identity is confirmed, then the user is logged in without needing a password.

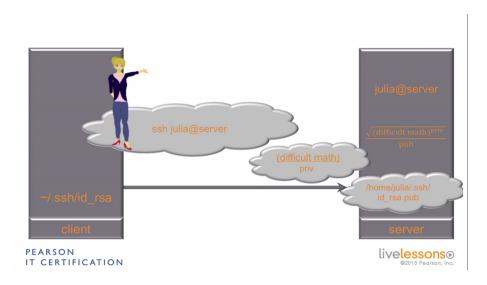


Figure 4.2: Public Key Client Authentication without password.

4.5 Using SSH Keys

SSH keys can be used to authenticate an user instead of a password. The private-public key pair can be generated using the ssh-keygen utility.

```
$ ssh-keygen
   Generating public/private rsa key pair.
3 Enter file in which to save the key (/home/somu/.ssh/id_rsa):
4 Enter passphrase (empty for no passphrase):
5 Enter same passphrase again:
6 Your identification has been saved in /home/somu/.ssh/id_rsa.
7 Your public key has been saved in /home/somu/.ssh/id_rsa.pub.
8 The key fingerprint is:
9 SHA256:OC5uEHnAgJvzFEcOulfL1YSygT/YF5UtL9lweTfPDAc somu@vmPrime.somusysadmin.com
   The key's randomart image is:
10
    +---[RSA 2048]----+
11
    | ..==. ooo .E. |
12
    |. ..++0.00+ + 0.0|
13
    | o.oo+++o..B . *o|
    |+ ...===. 0 0 +|
    | +. o +oS .
    | .. . .
18
19
20
    +---[SHA256]----+
```

4.5.1 Copying SSH keys

The SSH keys generated on the client now have to be copied to the server which requires authentication. This can be done using ssh-copy-id.

While previous versions of ssh-copy-id didn't support specifying a port number, RHEL 7 onwards this feature is supported.

```
$ ssh-copy-id -p 2022 sander@ldap.rhatcertification.com
```

In case the public key is not recognized, it is possible to specify the public key using the ssh-copy-id -i <publicKeyFile.pub> flag.

4.5.2 Copying files to a server securely using SSH

Files can be copied to a server using SSH connection using the scp (secure copy) utility.

NOTE that the directory on which the file has to be copied to on the server, (in this case the directory) has to be specified for the copy to be successful. Otherwise, scp just creates a local copy of the file with the name of the server as the filename.

Also, if the port has to be specified, the flag is -P which is in capital unlike ssh and ssh-copy-id.

Managing Users and Groups

5.1 Understanding the need for Users

User accounts are not just to ensure that different people use resources with accountability and resource management. Several processes also have to execute with permissions given to them by their respective user accounts.

For example, the apache web server's processes and services execute under the permissions given to the apache account. This account doesn't have root privileges, which ensures that in case of security breaches of the apache user account, the culprit doesn't gain access to any critical resources that only an administrator or the root account should have access to.

5.2 User Properties

5.2.1 Username

A typical user info in the /etc/passwd file consists of the login information of several users, each with the following details:-somu:x:1000:1000:Somu:/home/somu:/bin/bash. Here, Somu is the username, the x in the second field references that a password has been stored for that username in the /etc/shadow file. The file contains the (one-way) encrypted password as well as several password related information such as password expiration dates, etc. Since the /etc/shadow file is only readable by the root user, it minimizes the security risk. Generally, only real user accounts need a password and system users (accounts used by processes to execute) don't.

/etc/shadow

While the /etc/shadow file contains the password of an user in an encrypted format, if the user account is new and doesn't yet have any password assigned to it, then the entry for it in /etc/shadow looks like:

- \$ cat /etc/shadow | grep lisa
- 2 lisa:!!:17485:0:99999:7:::

The second entry (!!) is where the encrypted password is usually stored. The double exclamation indicates that the *lisa* account hasn't set up a password yet.

5.2.2 UID

Each user on the system is setup with a unique UserID (UID). The root has a UID of 0, and normal users start with an UID of 1000 onwards. There are a total of 64,000 UIDs available for 2.4 kernels, and 4 billion for 2.6 kernels.

5.2.3 GID

On Linux, every user must be the member of at least one group, which is known as the **primary group** of the user, stored in the /etc/passwd file. On RHEL, that primary group has the same name as the username and the user is the only member of that group by default (i.e., private group). The list of Groups is stored in a file called /etc/group.

5.2.4 GECOS or comment field

This is a comment field that can contain anything the admin deems necessary. It generally contains information that makes the identification of each user easier.

5.2.5 Home Directory

The home directory refers to the location where the user is allowed to store files. For services, this folder is important because it defines the directory where the service can read and write files. While for regular users the home directory is typically inside /home, for services, they can be anywhere.

5.2.6 Default Shell

This is the shell (or command) that is executed on login of the user. The default value is /bin/bash.

5.3 Creating and Managing Users

5.3.1 Adding users

The default command for adding users on RHEL is useradd.

| Option | Description |
|--------|---|
| -е | Expiration date in the format YYYY-MM-DD. Sets the date on which the user account will be disabled. |
| -c | Comment that sets the contents of the GECOS field. |
| -s | Sets the default shell of the user. For example, a C programmer can use a shell such as TCSH. |

```
$ sudo useradd -c "New Test User" -s /bin/tcsh -e 2017-12-31 laura
[sudo] password for somu:

$ # To verify the addition of the new user

$ tail -n 1 /etc/passwd

$ laura:x:1001:1001:New Test User:/home/laura:/bin/tcsh
```

id command

The id command prints the real and effective user information.

5.4 Understanding Group Membership

Groups are especially useful to enable users to share files with one another. These groups may be additional groups known as secondary groups.

The /etc/passwd file doesn't contain any reference to the secondary groups that the user is a part of, even though the /etc/group file lists that user as a member. Thus, the best way to obtain the groups the user is a part of is by using the id command.

```
$ id lisa
2 uid=1002(lisa) gid=1002(lisa) groups=1002(lisa), 5009(sales)
```

5.5 Creating and Managing Groups

5.5.1 groupadd

The groupadd command is used to add a new group.

| Option | Description |
|--------|-------------------------------|
| -g | Specify the GID of the group. |

5.5.2 Adding users to a group

A user can be added to a group by directly editing the /etc/group file, or by| using the moduser command.

usermod

| Option | Description |
|--------|---|
| -g | Force assign the GID as the new default group of the user. |
| -G | Erase older list of supplementary groups and assign the given groups as the supplementary group of he user. |
| -a | Add the given group to the list of groups for the user. |

Adding a user to a group using the usermod command is shown below.

```
$ sudo usermod -aG account laura
$ sudo usermod -aG 5010 lisa
$ tail -n 1 /etc/group
$ account:x:5010:laura,lisa
```

5.6 User and Group configuration files

Some of the important configuration files are:

| Option | Description |
|----------------------|---|
| /etc/passwd | Contains several details of the user, other than the password. |
| /etc/shadow | Contains the password hash and password properties for the user. |
| /etc/group | Contains the names of all the groups along with a list of all users in them. |
| /etc/login.defs | Contains the values (definitions) of several parameters used to create the user, such as password max days, min days, etc. |
| /etc/default/useradd | Contains the default values for several useradd parameters. |
| /etc/skel | When a user's home directory is created, the contents of /etc/skel is copied there, with the appropriate group of the user. |

5.7 Managing Password properties

The user *root* can manage the password properties using two commands:

5.7.1 passwd

| Option | Description |
|--------|--|
| -d | Delete the current password. |
| -1 | Lock the current password. |
| -u | Unlock the current password. |
| -е | Expire the current password - force user to change password during next login. |
| -x | Set the maximum lifetime of the password. |
| -n | Set the maximum lifetime of the password. |
| -w | Set days before expiration the user is warned. |
| -i | Set days after expiration the user account becomes inactive. |

Locking and Unlocking passwords

```
$ sudo passwd -1 laura
2 Locking password for user laura.
3 passwd: Success
   $ su - laura
5 Password:
   su: Authentication failure
   $ sudo cat /etc/shadow | grep laura
8 laura:!!$6$0zDhsJet$q2...KRVKv8D2.:17486:0:99999:7::17531:
   $ sudo passwd -u laura
10 Unlocking password for user laura.
   passwd: Success
   $ sudo cat /etc/shadow | grep laura
   laura:$6$0zDhsJet$q2...KRVKv8D2.:17486:0:999999:7::17531:
   $ su - laura
   Last login: Thu Nov 16 13:40:45 IST 2017 on pts/0
   $ whoami
   laura
```

When an account is locked, the password hash for that user in the /etc/shadow file is prefixed with a !! to render it invalid and prevent authentication from succeeding (unless the root logs in as that user, which requires no password prompt).

5.7.2 chage

| Option | Description |
|--------|--|
| -1 | List all password aging information. |
| -E | Set the account expiration date. |
| -m | Set the maximum lifetime of the password. |
| -M | Set the maximum lifetime of the password. |
| -W | Set days before expiration the user is warned. |
| -I | Set days after expiration the user account becomes inactive. |

Setting the account expiration date

```
sudo chage -E 2017-12-31 laura
[sudo] password for somu:

[somu@cliServer ~]$ sudo cat /etc/shadow | grep laura

laura:$6$0zDhsJet$q2...KRVKv8D2.:17486:0:99999:7::17531:

$ sudo chage -l laura

Last password change : Nov 16, 2017

Password expires : never

Password inactive : never

Account expires : Dec 31, 2017

Minimum number of days between password change : 0

Maximum number of days between password change : 99999

Number of days of warning before password expires : 7
```

The string 17531 represents the account expiration date in epoch time (seconds since Jan 1 1970).

Connecting to a LDAP Server

6.1 Understanding LDAP

LDAP is an easy way to provide centralized authentication from a server. This way, many computers can be connected to a single LDAP server and the user accounts (and permissions) have to be set up only once!

LDAP stands for *Lightweight Directory Access Protocol*. It connects us to a hierarchical directory server. In the hierarchy (e.g., server.rhatcertification.com), there are top level domains such as *.com*, subdomain (rhatcertification) and leaf objects (lisa). Even though the structure is similar to DNS, the notation of LDAP is different. For every container object, we write $dc=\langle objectName \rangle$ ($dc \rightarrow Domain Component$) and for leaf objects, it becomes $cn=\langle objectName \rangle$ ($cn \rightarrow Common Name$). The complete format then becomes cn=lisa, dc=rhatcertificaton, dc=com.

An important part of connecting to an LDAP server is the **base context**. The base context, like the search domain of DNS, is the starting point where our client should look for objects. In this case, the base context is dc=rhatcertification,dc=com. Thus, for logging in to a server, the *cn*(lisa) is searched for within the base context.

6.1.1 /bin/login

The login service is used whenever the user requires authentication to connect to anything.

6.1.2 Idd

The 1dd command (List Dynamic Dependencies) prints all the shared libraries required by a program.

- 1 \$ ldd /bin/login
- 2 linux-vdso.so.1 => (0x00007ffc333e3000)
- 3 libpam.so.0 => /lib64/libpam.so.0 (0x00007f85cad8a000)
- 4 libpam_misc.so.0 => /lib64/libpam_misc.so.0 (0x00007f85cab86000)
- 5 libaudit.so.1 => /lib64/libaudit.so.1 (0x00007f85ca95d000)
- 6 libselinux.so.1 => /lib64/libselinux.so.1 (0x00007f85ca736000)
- 7 libc.so.6 => /lib64/libc.so.6 (0x00007f85ca373000)

- 8 libdl.so.2 => /lib64/libdl.so.2 (0x00007f85ca16e000)
- 9 libcap-ng.so.0 => /lib64/libcap-ng.so.0 (0x00007f85c9f68000)
- 10 libpcre.so.1 => /lib64/libpcre.so.1 (0x00007f85c9d06000)
- 1 /lib64/ld-linux-x86-64.so.2 (0x0000558e5f0bd000)
- 12 libpthread.so.0 => /lib64/libpthread.so.0 (0x00007f85c9ae9000)

The PAM library shown above (libpam) is akin to a plugin that adds additional functionality to the login utility (as well as several others). PAM stands for *Plugable Authentication Modules*. The configuration files for the authentication module is stored in /etc/pam.d directory. The /etc/pam.d/login is the configuration file for login utility.

6.1.3 PAM config file syntax

The PAM config files are each named after the services that require the usage of PAM. For example, the config file for the *login* service is called /etc/pam.d/login. Each file lists a bunch of rules in the syntax: <service-type> <control> <module-path> <arugments>.

Service Type

| Service Type | Description |
|--|--|
| auth account password session | Deals with user authentication via password (or other means like keys). Non-authentication based account management. Updating the authentication token of the user. Modules listed here are used for setup/cleanup of a service for the user. |

PAM Module Controls

| Control | Description |
|-----------------------|---|
| requisite required | Immediately causes failure when the module returns a status that isn't 'success'. If the service returns a non-success status, then the operation fails ultimately, but only after the modules below it are invoked. This is to prevent a person with malicious intent from gaining knowledge of which module failed. |
| sufficient | If a <i>sufficient</i> module returns a 'success' status, the other modules below it that are also a part of 'sufficient' management group will not be invoked. In case of failure, another module listed 'sufficient' in the stack below it must succeed for the operation to succeed. |
| optional | Only causes failure if the rule stack contains only optional modules and all fail. |
| include substack | For the given service type, include all lines of that type from the provided configuration file. Same as <i>include</i> but when <i>done</i> and <i>die</i> actions are evaluated, they only cause |
| Judgiaon | skipping of the substack. |

The login config file in /etc/pam.d contains the line:

auth substack system-auth

NOTE: the entry for pam_Idap requires that the host should be able to use LDAP, which requires pam_ldap to be installed, and authconfig-tui to be executed.

The system-auth file has rules for the common login procedure for any any process that deals with user authentication. This file in turn contains the lines:

```
1authsufficientpam_unix.so nullok try_first_pass2...3authsufficientpam_ldap.so use_first_pass
```

The line auth sufficient pam_unix.so tells the system to look at the System login local authentication mechanism (pam_unix.so). If that is not successful, the system is instructed to use the LDAP PAM mechanism (in pam_ldap.so). Thus, the login process is contacting an LDAP server and trying to verify if the user account exists on that server.



Figure 6.1: LDAP Authentication

Next, the LDAP configuration file (/etc/nslcd.conf) is read, which contains the URI of the LDAP Server (ldap://server.rhatcert.com). Finally, the client is able to connect to the LDAP server where is a LDAP hierarchy that it can log into.

6.2 Telling your server where to find the LDAP Server

6.2.1 nscd

The Naming Service Cache Daemon needs to be installed to configure the connection of a server to an external LDAP server. It is the part of the OS that caches the information from external authentication mechanisms on the local machine.

6.2.2 nss-pam-ldapd

This sets up the local name resolution and local authentication and connects it to LDAP services.

6.2.3 pam_ldap

The libraries needed to make the local authentication aware of LDAP services.

6.2.4 authconfig-gtk

authconfig is an utility used to setup the server for external authentication. There are several variations of it, such as authconfig, authconfig-tui and authconfig-gtk (GUI based).

LDAP Search Base DN

The search base DN consists of Domain Components (dc) with commas as separators. Example: dc=rhatcertification.com,dc=com.

LDAP Server

The server needs to have a matching certificate to the one that the client receives on connection. This is only possible with a domain name, and not an IP address. The reason for this is the server name has to match the one in the certificate and the certificate can only have one name associated to it.

TLS Certificate

The use of a Transport Layer Security (TLS) certificate is important because unless it's used, the LDAP password is sent across the network unencrypted, which makes the entire system vulnerable. We also need to download the TLS certificate from the server (e.g., ftp://server.rhatcertification.com/pub/slapd.pem).

6.2.5 Switching to an LDAP user

The user can switch to an LDAP user just as easily as a local user using:

\$ su - <ldap_username>

6.3 Understanding Automount

While it's possible to have the LDAP users use local directories on the server, generally an NFS hosts the home directories of these users. Thus, we have to automount the home directories of these users as if they're part of the local file system.

Let us consider a system where automounting is enabled, and the user wants to access a folder /data/files. If the folder /data is hosted on a remote file system and monitored by the automount process (called **autofs**), then there will have a file called /etc/auto.master containing the line:

/data /etc/auto.data

The /etc/auto.master file only shows that the automount process recognizes the /data directory as an automount directory. This merely states that the mounting details for the data folder is present in its own file called /etc/auto.data. That file will contain:

files -rw nfsServer:/data

The files directory is a subdirectory of the /data directory, and thus when the /files directory needs to be accessed, an NFS mounting operation needs to occur, with read write access on the nfsServer's (hostname) /data directory. Even though the user will be working on the NFS server, he/she will have no inkling of this happening behind the scene.

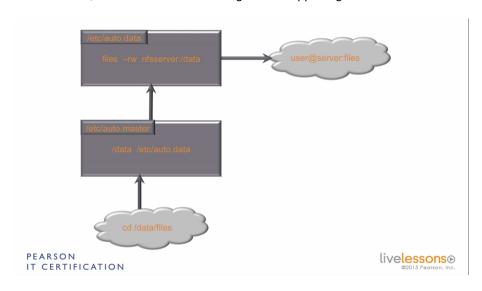


Figure 6.2: NFS Automount

6.3.1 Server selection for auto-mounting

Primarily two types of servers can accomplish the auto-mounting of home directories for LDAP users - NFS and Samba servers. In case of NFS server, the files will only be available on the local network. For access through the Internet, a Samba server has to be used.

6.3.2 Samba server's CIFS protocol to automount

Let us consider an LDAP user *Idapuser1* who has his home directory configured to /home/guests/ldapuser1 in his user properties. When the user logs in, there will be a system call to go to the home directory for the users, which in turn calls autofs to mount the file system. It'll consult the /etc/auto.master file to find:

/home/guests /etc/auto.guests

If anyone wants to visit that directory, the process should consult the /etc/auto.guests file, containing the mounting details with the UNC (Universal Naming Convention) path of the actual Samba server on the internet.

```
-fstype=cifs,username=ldapusers,password=password\
://server.rhatcertification.com/data/&
```

So, if anyone goes to * (i.e., any directory in /data/guests), like /home/guests/ldapuser1 or /home/guests/ldapuser2 and so on, a CIFS (Common Internet File Sharing protocol, which uses Server Message Block [SMB, Used by Samba]) mount needs to occur, specified by fstype=cifs, with the given username and password. The address of the server is then provided.

What is of particular importance here is the matching of * and &. While the * wildcard selects whatever folder the user tried to enter, the & in the address is replaced with the corresponding text from user. Thus, if the user visits /home/guests/ldapuser1, the * is replaced with ldapuser1 and a matching folder is searched for on the server.

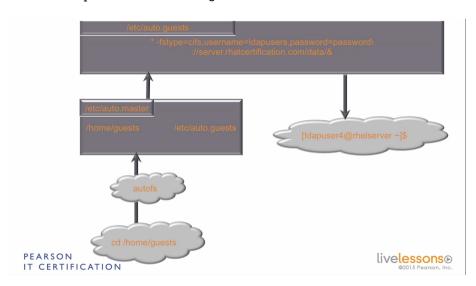


Figure 6.3: Samba Automount

6.4 Configuring Automount

To use automount, the *automount service* in the **autofs** package needs to be installed. The primary configuration file is /etc/auto.master. To automount the /etc/guests folder from a Samba server, we just need to specify in the file that:

/home/guests /etc/auto.guests

Now we can add the mount options in its own individual file *auto.guests*, such that quick mounting and unmounting is possible.

Configuration on the Samba Server

The Samba server containing the data directory needs to have the following configuration in its /etc/samba/smb.conf:

```
1  [data]
2  comment = LDAP Users  home directories
3  path = /home/guests
4  public = yes
5  writable = no
```

6.4.1 NFS Server Automounting

In the case of a NFS mounted directory, the auto.guests file would look like:

```
* -rw nfsServer.domain.com:/home/guests/&
```

In case of either servers, the syntax remains the same. First we provide the name of the directory (*), then the mounting options (e.g., -rw in case of NFS) and finally the path to the real directory that has to be mounted on the local file system from that server.

6.5 Configuring NFS and Automount

6.5.1 yum search

The yum utility provides a searching function that searches the name, description, summary and url of all the packages available for a keyword.

```
# yum search nfs
  Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
  Loading mirror speeds from cached hostfile
   * base: mirror.digistar.vn
   * extras: mirror.dhakacom.com
   * updates: mirror.digistar.vn
   libnfsidmap.i686 : NFSv4 User and Group ID Mapping Library
   libnfsidmap.x86_64 : NFSv4 User and Group ID Mapping Library
   libnfsidmap-devel.i686 : Development files for the libnfsidmap library
   libnfsidmap-devel.x86_64 : Development files for the libnfsidmap library
   nfs-utils.x86_64 : NFS utilities and supporting clients and daemons for the kernel NFS
   nfs4-acl-tools.x86_64 : The nfs4 ACL tools
13
   nfsometer.noarch : NFS Performance Framework Tool
   nfstest.noarch : NFS Testing Tool
```

6.5.2 Creating an NFS Server

The **nfs-utils** package is needed to setup an NFS server. The NFS configuration file is called /etc/exports. It specifies which file systems are exported to remote hosts (from the NFS server's perspective) and provides their respective mounting options. The contents of the *exports* file has to follow the syntax:

```
/data *(rw,no_root_squash)
```

Here, /data is the name of the directory to be hosted on the NFS, with read/write permissions from all (*) IP addresses on the local network (since NFS only works on the local network). In cases it's not desirable to have the local machine's administrator act as the admin of the NFS server, then the way to perform this is called root squashing. In our case, we turn it off as we want the root user to retain administrative privileges on the NFS server as well.

6.5.3 Starting the NFS server

To start the service corresponding to the NFS server, we use the systemctl command.

```
s systemctl start nfs
```

In case the service fails to start, the following command can provide hints about what went wrong:

```
# systemctl status -1 nfs
2 nfs-server.service - NFS server and services
3 Loaded: loaded (/usr/lib/systemd/system/nfs-server.service; disabled; vendor preset:
4 Active: active (exited) since Tue 2017-11-21 10:00:04 IST; 24s ago
5 Process: 3178 ExecStart=/usr/sbin/rpc.nfsd $RPCNFSDARGS (code=exited, status=0/SUCCESS)
   Process: 3173 ExecStartPre=/bin/sh -c /bin/kill -HUP 'cat /run/gssproxy.pid'
    7 Process: 3172 ExecStartPre=/usr/sbin/exportfs -r (code=exited, status=1/FAILURE)
   Main PID: 3178 (code=exited, status=0/SUCCESS)
   CGroup: /system.slice/nfs-server.service
10
11 Nov 21 10:00:04 ldapserver.somuvmnet.local systemd[1]: Starting NFS server and

→ services...

  Nov 21 10:00:04 ldapserver.somuvmnet.local exportfs[3172]: exportfs: Failed to stat

→ /data: No such file or directory

13 Nov 21 10:00:04 ldapserver.somuvmnet.local systemd[1]: Started NFS server and services.
```

Now we can see the mounting status of the NFS server hosted at localhost, using the showmount -e localhost command. Further, the NFS folder can be mounted manually using the mount command.

```
# showmount -e localhost
Export list for localhost:

/data *
# mount localhost:/data /mnt/nfs
# ls /nfs
localNFSfile1 localNFSfile2 localNFSfile3
```

6.5.4 Automounting NFS

For automounting NFS, we create a new entry in auto.master for a file /etc/auto.nfs:

1 /mnt/nfs /etc/auto.nfs

This file contains the following mounting details:

```
files -rw localhost:/data/
```

Thus, when the user enters the *files* directory within the *nfs* directory, he'll find the same files as in the /data directory of localhost.

```
1  # cd nfs
2  # ls
3  # ls -lha
4  total 0
5  drwxr-xr-x. 2 root root 0 Nov 21 11:59 .
6  drwxr-xr-x. 3 root root 17 Nov 21 11:59 .
7  # cd files
8  # ls
9  nfs1 nfs2 test1
10  # cd ..
11  # ls
12  files
```

Note that the /nfs/files directory isn't actually created before the user tries to enter the *files* directory.

6.6 Modifying nslcd Configuration

6.6.1 Naming Services LDAP Client Daemon

The nslcd is a service that connects the local file system to the external LDAP server. The status of the nslcd can be checked using:

```
$ systemctl status nslcd
nslcd.service - Naming services LDAP client daemon.
Loaded: loaded (/usr/lib/systemd/system/nslcd.service; enabled; vendor preset: disabled)
Active: active (running) since Mon 2017-11-20 12:03:06 IST; 5h 59min ago
Process: 1108 ExecStart=/usr/sbin/nslcd (code=exited, status=0/SUCCESS)
Main PID: 1151 (nslcd)
CGroup: /system.slice/nslcd.service
1151 /usr/sbin/nslcd
```

/etc/nsswitch.conf

For every LDAP user, their identity needs to be known to the local system. This is based on the configuration stored in /etc/nsswitch.conf. In this file, there is a line:

```
passwd: files sss ldap
```

This represents the order in which the sources of user account are searched for user related information. sss is an older service no longer used by RHEL-7. Finally, it looks for the information in LDAP using nslcd.

PAM using nslcd

PAM is responsible for the actual authentication system that ensures the LDAP server is known to the authentication mechanism. This entire process is achieved using *nslcd*.

6.6.2 /etc/nslcd.conf

This file contains the information stored by using the authconfig-gtk command and has options to configure the nslcd such that the LDAP server can be connected to and used.

| Option | Description | Example Value |
|---------------|---|-------------------------------------|
| uri | The Uniform Resource Identifier of the LDAP Server. | ldap://server.rhatcertification.com |
| base | The base context of the LDAP Server | dc=rhatcertification,dc=com |
| ssl | Whether to use SSL/TLS. If start_tls is given, via the use of StartTLS, an insecure connection is upgraded to a secure one. | start_tls |
| tls_cacertdir | Location of the downloaded certificate of the LDAP Server. | /etc/openldap/cacerts |

In case of any problems with using LDAP, the $\sqrt{\sqrt{\log/\text{messages}}}$ file may contain hints that may indicate what's wrong.

Chapter 7

Managing Permissions

7.1 Understanding Ownership: Users, Groups and Others

The permissions for any file/folder in Linux can be viewed by using 1s -1:

```
$ cd /home
2  $ ls -l
3  total 4
4  drwx----- 3 lisa lisa    78 Nov 15 21:32 lisa
5  drwx---- 3 1002 sales    78 Nov 15 21:36 rogue
6  drwx---- 19 somu somu 4096 Nov 20 19:33 somu
7  drwx---- 5 2002 101 128 Nov 19 23:36 testUsr
```

The format of the output is:

```
<Permissions> <link-count of a file/no of files in directory> <owner> <group-owner> <file-size> <date & time of last modification> <file-name>
```

7.1.1 Permissions

The first character in the permissions section, is the file type. The following file types are the most common:

| Notation | Description | |
|----------|--------------------|--|
| d | A directory | |
| - | A regular file | |
| 1 | A symlink/softlink | |

The rest of the permissions section is divided into three parts: the user's permissions, the group's permissions and other's permissions. The first 3 characters after the first one represents the user's permissions, the next 3 the group's and the final the other's. The possible values of these are:

| Notation | Description |
|----------|--|
| r | Read the file/directory |
| w | Write to the file/directory |
| x | Execute the file/Access to the directory |
| - | Permission NOT granted |

7.1.2 Ownership

In linux, every file and directory (which is a *special* kind of file has an owner, as well as an associated group-owner. The owner is the user who created the file (unless specifically changed). The filesystem defines the permission set for the **owner**, the associated **group** and the rest of the users, called **others**.

While determining what set of permissions a user has to a file, linux first checks if the user is the owner. If so, the associated permissions are applied. If not, linux checks to see if the user belongs to the group which owns the file. If so, the group permissions on the file are granted. If both of these fail, then the user is determined to be 'other' and the appropriate permissions applied. Of course, this requires the algorithm to be exit-on-match.

7.2 Changing file ownership

Let us consider a directory /data with the following structure:

The user 'root' has rwx permissions (all), while the group 'root' as well as others have only 'rw' (read/execute) permissions. None of them can write to the files in either of these directories by default.

7.2.1 chgrp

Now, it's reasonable to assume that everyone in sales should have write access to the sales directory, while everyone in accounts department should have write access to the group directory. Thus, we set these permissions using the chgrp command and setting the appropriate groups as the group-owner of these directories.

```
1  # 1s -1
2  total 0
3  drwxr-xr-x. 2 root root 6 Nov 21 14:50 account
4  drwxr-xr-x. 2 root root 6 Nov 21 14:50 sales
5  # chgrp sales sales
6  # chgrp account account
7  # 1s -1
8  total 0
9  drwxr-xr-x. 2 root account 6 Nov 21 14:50 account
10  drwxr-xr-x. 2 root sales 6 Nov 21 14:50 sales
```

The syntax for chgrp is chgrp <group> <file/directory>.

7.2.2 chown

The HoDs of these individual groups should be assigned as the owners of these directories. To assign them as such, we use the chown command.

```
1  # chown lori account
2  # chown lisa sales
3  # ls -1
4  total 0
5  drwxr-xr-x. 2 lori account 6 Nov 21 14:50 account
6  drwxr-xr-x. 2 lisa sales 6 Nov 21 14:50 sales
```

The syntax for the chown command is : chown <user> <file/directory>. To change both the user and the group at once, the syntax becomes : chown <user>:<group> <file/directory>.

7.3 Understanding Basic Permissions

| Permission | Files | Directories |
|------------|---|--|
| r | Opening and outputting a file. | List files in a directory. The user can't read all files in that directory. For that, he needs read access on the individual files. |
| w | Modify contents of the file | Modify contents of the directory, i.e., add, delete, move, etc. files in that directory. |
| х | If the contents of the file is executable, the user can execute it. | User can cd into the directory. |

The fact that no file on a linux system has an executable permission by default is one of the core factors that makes th OS so secure. For example, even if a user were to get an email attachment with malware, it won't be able to run without execute permissions!

7.4 Managing Basic Permissions

7.4.1 chmod

The chmod command is used to change the permissions for a file/directory in linux. The user is represented by the letter u, the group by the letter g and others by o. The permissions themselves are represented by:

| Permission | | Value |
|------------|---|-------|
| r | = | 4 |
| w | = | 2 |
| X | = | 1 |

In absolute mode, the individual permissions are added for each category of owner (r/g/o) and then provided to the chmod command to alter the permissions. Each category receives a value from the following table, representing a set of permissions.

| Value | Permissions | | Breakdown |
|-------|-----------------------|-----|-----------|
| 7 | Read, Write & Execute | rwx | (4+2+1) |
| 6 | Read & Write | rw- | (4+2) |
| 5 | Read & Execute | r-x | (4+1) |
| 4 | Read only | r | (4) |
| 3 | Write & Execute | -wx | (2+1) |
| 2 | Write only | -w- | (2) |
| 1 | Execute only | x | (1) |
| 0 | None | | (0) |

So, the syntax of chmod becomes: chmod <val> <filename>. An alternative method of applying permissions (called *relative mode*) is directly adding or subtracting permissions in the format:

```
chmod u<+-><rwx>,g<+-><rwx>,o<+-><rwx> <file-name>
```

```
$ chmod 750 myFile
$ chmod u+x,g-r,o-wx myFile2
$ chmod 0-x myFile3
```

Now, in our example, we want the HoD to have all permissions, the group to have rw permissions and others to have no access. Then we can set it using:

```
1  # ls -l
2  total 0
3  drwxr-xr-x. 2 lori account 6 Nov 21 14:50 account
4  drwxr-xr-x. 2 lisa sales 6 Nov 21 14:50 sales
5  # chmod 760 account
6  # chmod g+w-x,o-rx sales
7  # ls -l
8  total 0
9  drwxrw----. 2 lori account 6 Nov 21 14:50 account
10  drwxrw----. 2 lisa sales 6 Nov 21 14:50 sales
```

The permissions can also be set at once using chmod 760 account sales.

7.5 Understanding Special Permissions

| Permission | Permission Symbol | | Files | Directories |
|--------------------|-------------------|---|---|--|
| Set User ID | u+s | 4 | Run executable file as Owner | _ |
| Set Group ID | g+s | 2 | Run executable file with permissions of Group-Owner | Inherit group ownership to all newly created items in the folder. |
| Sticky Bit | +t | 1 | _ | Allows to delete files in the directory only if user is the owner or parent-directory-owner (or root). |

SetUID: This is a special case where we grant the file special permission to be executed by any group or others (that have execution permission on the file) as if the owner of the file were running it. So, the file executes with the same permission set as that of the owner.

SetGID: This is a special case where we grant the file special permission to be executed by any user or others (that have execution permission on the file) as if the group-member

of the file were running it. So, the file executes with the same permission set as that of the group.

Both SetUID and SetGID are dangerous permissions when applied to file and should be avoided if possible!

Sticky Bit: While it has no effect when applied on a file, when applied to a directory, especially in case of shared directories, one user cannot delete the file of another user (owner of the file), unless the user is owner of the directory or root.

7.6 Managing Special Permissions

Let us consider a shell script resides in the home directory of user *lisa* that deletes everything on the system:

```
#!/bin/bash
cecho "Hi, do you wanna play a game?!"
read
rm -rf /
```

Generally, whenever a non-admin is going to execute this script, the only thing that'll be deleted would be user files (in directories the user has write access to), specifically the user home directory and the shared directories where the user has write access.

```
1  # chmod u+s game
2  # ls -l | grep game
3  -rwsr--r--  1 root root 77 Nov 22 19:48 game
```

However, if the file were to be executed with the UID of an admin user, with root access, the rm -rf / command would cause critical damage. This is why both SetUID and SetGID are so dangerous!

7.6.1 Finding a file with a particular set of permissions

The find command is capable of finding a bunch of files where the permission set matches a format. We do this by:

```
# find / -perm /4000
   find: '/proc/2998/task/2998/fd/6': No such file or directory
   find: '/proc/2998/task/2998/fdinfo/6': No such file or directory
    find: '/proc/2998/fd/6': No such file or directory
   find: '/proc/2998/fdinfo/6': No such file or directory
    /usr/bin/fusermount
    /usr/bin/su
    /usr/bin/umount
    /usr/bin/chage
10
    /usr/bin/gpasswd
11
    /usr/bin/sudo
12
    /usr/bin/newgrp
13
    /usr/bin/chfn
14
    /usr/bin/chsh
   /usr/bin/staprun
```

```
16  /usr/bin/mount
17  /usr/bin/pkexec
18  /usr/bin/crontab
19  /usr/bin/passwd
20  /usr/sbin/pam_timestamp_check
21  /usr/sbin/unix_chkpwd
22  /usr/sbin/usernetctl
23  /usr/lib/polkit-1/polkit-agent-helper-1
24  /usr/lib64/dbus-1/dbus-daemon-launch-helper
25  /usr/libexec/abrt-action-install-debuginfo-to-abrt-cache
26  /home/lisa/game
```

Only special files are given this privilege, such as the /usr/bin/passwd binary executable. This is the files that enables us to change the password for a user. Now, to accomplish this the password has to be stored in an encrypted form in the /etc/shadow file with the following permissions:

```
# ls -l /etc/shadow
2 -----. 1 root root 1122 Nov 25 16:55 /etc/shadow
```

Thus, the *passwd* binary needs the root user privileges to make the /etc/shadow file temporarily editable by itself.

7.6.2 Setting Group ID for a directory

Let us consider the following scenario. User lisa is a member of the *account* group and the folder /data has the following permissions:

```
1  #ls -l
2  total 0
3  drwxrwx---. 2 lori account 6 Nov 25 17:35 account
4  drwxrwx---. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
5  # su - lisa
6  Last login: Sat Nov 25 17:31:57 IST 2017 on pts/0
7  $ cd /data/account/
8  $ touch lisa1
9  $ ls -l
10  total 0
11  -rw-rw-r--. 1 lisa lisa 0 Nov 25 17:35 lisa1
```

The file /data/account/lisa1 has it's group owner set to the personal group of lisa. This means that the other members of the group account don't have write permission to that file. This is not acceptable in a shared group folder where multiple users have to edit the same file.

```
1  $ su - laura
2  Password:
3  Last login: Thu Nov 16 13:42:44 IST 2017 on pts/0
4  $ cd /data/account
5  $ echo "Added a line" >> lisa1
6  -bash: lisa1: Permission denied
```

This is why **Set group id** for a folder is so useful - so that each file created by the user in that directory, is by default editable by all the users in that group!

```
# ls -1
   total 0
3 drwxrwx---. 2 lori account 19 Nov 25 17:35 account
   drwxrwx---. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
   # chmod g+s account
   # ls -l
   total 0
   drwxrws---. 2 lori account 19 Nov 25 17:35 account
9 drwxrwx---. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
10 # su - lisa
11 Last login: Sat Nov 25 17:35:39 IST 2017 on pts/0
12 $ cd /data/account
13 $ touch lisa2
14 $ ls -l
15 total 0
16 -rw-rw-r--. 1 lisa lisa 0 Nov 25 17:35 lisa1
17 -rw-rw-r--. 1 lisa account 0 Nov 25 17:45 lisa2
18  $ echo "line added by lisa" >> lisa2
19 $ su - laura
20 Password:
21 Last login: Sat Nov 25 17:41:55 IST 2017 on pts/0
$ cd /data/account
$\frac{1}{23}$ echo "line added by laura" >> lisa2
24 $ cat lisa2
25 line added by lisa
26 line added by laura
```

7.6.3 Sticky Bit

When the sticky bit has been set the user can only delete a file if he/she's the owner of the file or the owner of the directory. This makes it invaluable in cases of shared directories, where each user needs write access to all files, and thus automatically gets the permission to delete any file he can write to!

In the case of the *account* directory, the owner of the file lisa1 is lisa. Thus, the user laura can't delete it.

```
# ls -1
   total 0
   drwxrws---. 2 lori account 32 Nov 25 17:45 account
   drwxrwx---. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
   # ls -l account
6 total 4
                             0 Nov 25 17:35 lisa1
    -rw-rw-r--. 1 lisa lisa
    -rw-rw-r--. 1 lisa account 39 Nov 25 17:46 lisa2
   # chmod +t account
10 # ls -l
11 total 0
drwxrws--T. 2 lori account 32 Nov 25 17:45 account
13 drwxrwx---. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
14 # su - laura
15 Last login: Sat Nov 25 17:53:25 IST 2017 on pts/0
16 $ cd /data/account
17 $ ls -l
18 total 4
19 -rw-rw-r--. 1 lisa lisa
                             0 Nov 25 17:35 lisa1
20 -rw-rw-r--. 1 lisa account 39 Nov 25 17:46 lisa2
```

```
$ rm -f lisa1
21
   rm: cannot remove 'lisa1': Operation not permitted
22
23
    $ su - lori
24
   Password:
   $ cd /data/account
25
   $ rm -f lisa1
26
   $ ls -l
27
   total 4
    -rw-rw-r--. 1 lisa account 39 Nov 25 17:46 lisa2
```

However, the user laura is able to delete it as she's the owner of the (parent) folder account.

7.6.4 Lowercase 's' or 't' vs Uppercase in permissions

The uppercase in case of Set UserID/ Set GroupID/ Sticky Bit indicates that that particular user/group or others don't have execute permissions on that directory. If however, they do have execute permissions then the 'S'/T' is converted to lowercase, to indicate that there is an 'x' hidden behind the 's' or 't'.

```
# mkdir test
   # ls -l
   total 0
   drwxrws--T. 2 lori account 19 Nov 25 17:57 account
   drwxrws--T. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
   drwxr-xr-x. 2 root root 6 Nov 25 18:15 test
   # chmod 3770 *
   # ls -l
   total 0
10 drwxrws--T. 2 lori account 19 Nov 25 17:57 account
11 drwxrws--T. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
12 drwxrws--T. 2 root root 6 Nov 25 18:15 test
   # chmod o+x,g-x test
13
   # ls -1
14
   total 0
15
   drwxrws--T. 2 lori account 19 Nov 25 17:57 account
   drwxrws--T. 2 lisa sales 6 Nov 25 17:26 sales
17
   drwxrwS--t. 2 root root 6 Nov 25 18:15 test
```

An example of a folder with sticky bit set by default is / tmp where all users must be allowed to write files, but we don't want users to delete the files of other users.

7.7 Understanding ACLs

Access Control Lists are a way to permit allocation of permissions to a file/directory to more than one user or group. Normally, a file has only one user who is owner and only one group with a certain permission set. With ACLs it's possible to set different set of permissions to different groups/users! They can also be used to setup the default permissions for all newly created files/directories for any directory.

7.7.1 Mount options

To actually user ACLs, the **acl mount** options must be set. This can be done using either of /etc/fstab or **systemd**.

tune2fs for Ext file systems

tune2fs is an utility that lets us set adjustable file system parameters for the default Ext file system of RHEL/CentOS 7. This makes it possible to put the mount options *not* in a seperate file, but make it a property of the file system itself. Thus, if the file system is ever migrated to another server, the properties will be moved with it and not need to be set up again!

XFS

In XFS, there is no need for mounting options as it's a default mount option.

7.7.2 Commands

There are two primary commands to use ACLs: **setfacl** - (Set File Access Control Lists) and **getfacl** - (Get File Access Control Lists) are the two commands used to work with ACLs.

```
setfacl -m g:sales:rx /data/account
```

The critical part of this command is the part g:sales:rx which tells us that the group sales is getting the read and execute permissions. To allow read & write permissions for the user lisa we can use: u:lisa:rw.

Default ACL

After setting any ACL we also need to set up a default ACL that'll handle all items that we're going to create later in the future in that folder. This is done by specifying a d (default) in the setfacl command:

```
$ setfact -m d:g:account:rx /data/account
```

7.8 Managing ACLs

Let us consider a case where the account group needs read only access to the sales directory and vice versa. Of course we don't want to grant any access to others. Now, we need to assign a secondary group to the *sales* and *account* directory without removing their respective primary groups. This can be done using ACLs.

When the ACLs haven't been setup yet, the getfacl command shows the same information as the ls -l command.

```
# getfacl account
file: account
owner: lori
group: account
flags: -st
user::rwx
group::rwx
other::---
```

The flags: -st parameter shows us whether the SetUID, SetGID and Sticky Bit are set, in that order (sst). Since the GID is set, as is the sticky bit, but not the UID, the flags shows up as -st.

Note that the ACLs are copying over the current permission settings to the ACL. Thus, before setting ACLs, we need to ensure our permissions are exactly the way we want them to be. If we try to change the permission settings after creating the ACLs, we will end up in a mess.

| Option | | Description |
|----------|--------|--|
| -m -R | - - | Modify, followed immediately by what needs to be modified. Recursive, i.e., apply to all files currently in the directory. |

To set the sales group to have read access on the account folder and to check the permissions, we use:

```
1
   # setfacl -R -m g:sales:r account
2
   # getfacl account
3
   file: account
4
   owner: lori
5
   group: account
6
   flags: -st
   user::rwx
   group::rwx
   group:sales:r--
10
   mask::rwx
   other::---
```

This only takes care of the items already present in the *account* directory, but not the new files that will be created in it. For that, we need to setup a default ACL. NOTE that default ACLs do no need to be applied recursively.

```
# setfacl -m d:g:sales:r account
1
    getfacl account
    file: account
    owner: lori
5
    group: account
6
    flags: -st
    user::rwx
    group::rwx
9
    group:sales:r--
   mask::rwx
10
   other::---
11
   default:user::rwx
12
   default:group::rwx
13
   default:group:sales:r--
14
   default:mask::rwx
15
    default:other::---
```

The default ACL for the user, groups, etc are created from the current permission settings of the directory. If we make a directory in it, the following will be the ACL for it:

```
# cd account/
# mkdir 2017
# getfacl 2017
file: 2017
owner: root
group: account
```

```
flags: -s-
s user::rwx
g group::rwx

group:sales:r--
in mask::rwx
cother::---
default:user::rwx
default:group::rwx
default:group:sales:r--
default:mask::rwx
default:other::---
```

Now, if we were to make a new file in this directory, we get the following ACL for it: (Note that a file, by definition, can't have any default settings unlike directories, since they are leaf objects that can't have any children to apply the default permissions).

```
# cd 2017/
touch testFile

# getfacl testFile

file: testFile

owner: root

group: account

user::rw-

group::rwx #effective:rw-

group:sales:r--

mask::rw-
other::---
```

Note that the mask has become active. This is because in case of files, we never want to grant execute permissions by default. So, even though in the POSIX permission, the group is granted rwx permission set, the mask of rw- is superimposed on it, and the union of the two, (i.e., rw-) is the effective permissions on the file for the owner group.

Thus, we need to remember that whenever we set ACLs on a directory we need two commands: one to set the ACL for the existing files, and the other for the default ACLs for the new files that can be created in the directory. Contrastingly, ACLs need to be set with only one command in case of files (when manually setting them to a file; inheritance of ACLs is automatic).

7.8.1 history

The history command shows us all the commands that were executed on the terminal (since last boot).

Chapter 8

Configuring Networking

8.1 Understanding NIC Naming

A Network Interface Card (NIC) is the physical hardware connecting the host machine to the network. In older versions of RHEL, the naming convention was simpler, with the Ethernet interface named simply as *eth0*. In RHEL 7, there are 3 different naming schemes available.

8.1.1 Network Device Naming Schemes

| Scheme | Description | Example | |
|--------------------|---|---|-------------------------------------|
| BIOS Nam- ing | Based on Hardware properties of the Network card. | $\begin{array}{ c c c c }\hline \textbf{em}[1-N]\\ \textbf{p6p5}\\ \end{array}$ | Embedded NICs PCI Slot-6, Port-1 |
| Udev Nam- ing | Classical Naming Scheme with Interface number. | $oxed{Eth N}$ - $examp$ | ole: eth0, eth1 |
| Physical Naming | Same as BIOS Naming | | |
| Logical Naming | . <vlan> and :<alias></alias></vlan> | | |

The entire purpose to the NIC naming scheme is to make it easier to identify the hardware NIC associated with an interface for cases where multiple NICs are available at a server.

8.2 Managing NIC Configuration with ip Command

An important feature of the ip command is all data is lost with interface is reset. However, it's extremely useful as it allows us to test certain settings on NICs. The syntax of the ip command is: ip <options> <object> <command>

| Object | _ | Description |
|--------|---|--|
| | | <u> </u> |
| | | Network status information |
| addr | - | Set network addresses |
| route | - | Helps manage routing table on the system |

To get the help for any option and object, simply replace the command with the text "help". For example, to get help about the ip addr command, we need to type ip addr help.

8.2.1 show commands

ip link show

This command displays the device attributes, and can be followed by a device name to only view the details for that device/interface. Can be used to find the available interface names and the associated MAC addresses.

```
$ ip link show

1: lo: <LOOPBACK,UP,LOWER_UP> mtu 65536 qdisc noqueue state UNKNOWN mode DEFAULT qlen 1

link/loopback 00:00:00:00:00 brd 00:00:00:00:00

2: ens33: <BROADCAST,MULTICAST,UP,LOWER_UP> mtu 1500 qdisc pfifo_fast state UP mode

DEFAULT qlen 1000

link/ether 00:0c:29:d6:73:d0 brd ff:ff:ff:ff

3: virbr0: <NO-CARRIER,BROADCAST,MULTICAST,UP> mtu 1500 qdisc noqueue state DOWN mode

DEFAULT qlen 1000

link/ether 52:54:00:a5:7f:97 brd ff:ff:ff:ff

4: virbr0-nic: <BROADCAST,MULTICAST> mtu 1500 qdisc pfifo_fast master virbr0 state DOWN

mode DEFAULT qlen 1000

link/ether 52:54:00:a5:7f:97 brd ff:ff:ff:ff:ff
```

ip addr show

ip addr show command shows us the current (network) address information. Based on the interface name, we can find its specific information only as well, in which case the command has to be followed by the name of the interface.

```
1 $ ip addr show ens33
2 2: ens33: <BROADCAST,MULTICAST,UP,LOWER_UP> mtu 1500 qdisc pfifo_fast state UP qlen 1000
3 link/ether 00:0c:29:d6:73:d0 brd ff:ff:ff:ff
4 inet 90.0.16.117/21 brd 90.0.23.255 scope global dynamic ens33
5 valid_lft 3037sec preferred_lft 3037sec
6 inet6 fe80::2b85:fb69:3b97:ec5f/64 scope link
7 valid_lft forever preferred_lft forever
```

Note that the inet address is the IPv4 address whereas inet6 refers to the IPv6 address.

ip route show

```
$ ip route show
default via 90.0.16.1 dev ens33 proto static metric 100
90.0.16.0/21 dev ens33 proto kernel scope link src 90.0.16.117 metric 100
192.168.122.0/24 dev virbr0 proto kernel scope link src 192.168.122.1
```

So, in this case, we have a default route which sends everything through the ip address 90.0.16.1.

8.2.2 ip addr add

This command is used to add an IP address to a device. Note that while adding a new IP address, the address must always be followed by the Subnet Mask, as otherwise the default value of 42 is applied, which doesn't make sense.

```
# ip addr add dev ens33 10.0.0.10/24
# ip addr show ens33
2: ens33: <BROADCAST,MULTICAST,UP,LOWER_UP> mtu 1500 qdisc pfifo_fast state UP qlen 1000
link/ether 00:0c:29:75:5a:36 brd ff:ff:ff:ff
inet 90.0.18.206/21 brd 90.0.23.255 scope global dynamic ens33
valid_lft 3587sec preferred_lft 3587sec
inet 10.0.0.10/24 scope global ens33
valid_lft forever preferred_lft forever
inet6 fe80::ba08:1835:69e5:e9e9/64 scope link
valid_lft forever preferred_lft forever
```

This is one of the improvements of ip over ifconfig which was incapable of setting/showing multiple IP Addresses for the same device. ifconfig is obsolete. To see the network statistics (as shown in ifconfig command), the command is:

8.2.3 ip route add

This command is used to add a new route.

```
# ip route add 20.0.0.0/8 via 192.168.4.4
```

However, all settings using the ip command are temporary and thus will be reset with every reboot. To makes these settings permanent, we need to provide this info in an appropriate configuration file to be loaded during each boot.

8.3 Storing Network Configuration persistently

The network configuration is stored in /etc/sysconfig/network-scripts directory. There are several configuration files for each interface. The configuration file for the *ens33* interface is called ifcfg-ens33. The script looks like:

```
1 TYPE=Ethernet
2 PROXY_METHOD=none
3 BROWSER_ONLY=no
4 BOOTPROTO=none
5 DEFROUTE=yes
6 IPV4_FAILURE_FATAL=no
7 IPV6INIT=yes
```

```
8 IPV6_AUTOCONF=yes
9 IPV6_DEFROUTE=yes
10 IPV6_FAILURE_FATAL=no
11 IPV6_ADDR_GEN_MODE=stable-privacy
12 NAME=ens33
13 UUID=1909bf04-c383-4aa0-afce-d774be49d3d4
14 DEVICE=ens33
15 ONBOOT=yes
16 HWADDR=00:OC:29:D6:73:D0
17 MACADDR=00:OC:29:D6:73:D0
18 IPADDR=192.168.4.44
19 PREFIX=24
20 GATEWAY=192.168.4.2
21 DNS1=8.8.8.8
```

The BOOTPROTO can be set to *dhcp* if DHCP is required. The *ONBOOT="yes"* sets that the NIC should be switched on during boot. The HWADDR property specifies the MAC address. IPADDR can be specified as IPADDR0 and thus more than one ip addresses can be specified as IPADDR1, IPADDR2, and so on.

8.3.1 Hostname

In the /etc directory, there is a file called **hostname** which contains the hostname of the machine we're working on. In earlier versions of RHEL, this information used to be stored in /etc/sysconfig/network/.

Another important file that isn't used anymore is /etc/resolv.conf. This file is autogenerated by the Network Manager, the most important part of the system that handles network configuration.

8.4 Understanding Network Manager

The Network Manager is the part of the OS that manages the NIC. There are three different ways of changing the network configuration on the NIC: using the ip command, the nmcli command and the Network Manager TUI (Text User Interface).

```
# ip addr add dev ens33 10.0.0.10/24
# nmcli con add con-name ens33 ifname ens33 type ethernet ip4 10.0.0.13/24
```

When the ip addr add command is used, the ip address is added directly to the physical NIC, which can start using it immediately. However, this data is impersistent since the information is not managed by any service. So, a reboot or even a simple bringing down of the interface erases the data. This is why the information needs to be stored in /etc/sysconfig/network-scripts/ifcfg-ens33.

So, when either the nmcli or the Network Manager TUI is used to configure the network settings, the Network Manager service ensures the data is stored in the above file and is thus available after every boot or interface restart.

The ip command is used for temporary changes only, while the Network Manager is used for persistent changes.

8.5 Using Network Manager utilities (nmcli, nmtui)

The nmcli tool controls the Network Manager from the command line. Just like the ip command, its syntax is nmcli <options> <object> <command>. The objects are like subcommands as in the case of ip command. The most important object is the **connection(c)**.

A network interface is just an interface with some connection associated with it. A connection is however, an abstract layer lying on top of the interface. The concept is that every Network interface has a default connection, but we can add a testing connection as well. We can then switch between these connections using the network manager utilities.

8.5.1 nmcli

nmcli connection show

```
$ nmcli connection show

NAME UUID TYPE DEVICE

ns33 26c54678-6784-47ba-8afc-ca9924ed63af 802-3-ethernet ens33
```

The command to add a new connection is: (line 9)

```
# ls /etc/sysconfig/network-scripts/
  ifcfg-ens33 ifdown-eth ifdown-post ifdown-Team ifup-aliases ifup-ipv6
   ifcfg-lo ifdown-ippp ifdown-ppp ifdown-TeamPort ifup-bnep
                                                            ifup-isdn
   ifdown ifdown-ipv6 ifdown-routes ifdown-tunnel ifup-eth
                                                           ifup-plip
   ifdown-bnep ifdown-isdn ifdown-sit ifup
                                               ifup-ippp
                                                           ifup-plusb
   # nmcli connection show
  ens33 26c54678-6784-47ba-8afc-ca9924ed63af 802-3-ethernet ens33
   # nmcli con add con-name testing ifname ens33 type ethernet ip4 10.0.0.15/24
  Connection 'testing' (8bc5959e-3d1e-4738-8fa6-b584e4ba4388) successfully added.
# nmcli connection show
12 NAME
         UUID
                                       TYPE
  ens33 26c54678-6784-47ba-8afc-ca9924ed63af 802-3-ethernet ens33
13
  testing 8bc5959e-3d1e-4738-8fa6-b584e4ba4388 802-3-ethernet --
14
   # ls /etc/sysconfig/network-scripts/
  ifcfg-ens33 ifdown-bnep ifdown-isdn ifdown-sit
                                                ifup
                                                             ifup-ippp
   ifcfg-lo ifdown-eth ifdown-post ifdown-Team
                                                ifup-aliases ifup-ipv6
   \hookrightarrow ifup-post ifup-Team init.ipv6-global
 ifcfg-testing ifdown-ippp ifdown-ppp ifdown-TeamPort ifup-bnep
                                                             ifup-isdn

→ ifup-ppp ifup-TeamPort network-functions
ifdown ifdown-ipv6 ifdown-routes ifdown-tunnel

                                                  ifup-eth
                                                             ifup-plip
   \hookrightarrow ifup-routes ifup-tunnel network-functions-ipv6
```

Note that upon creation of the new connection, the nmcli tool also creates a config file called /etc/sysconfig/network-scripts/ifcfg-testing (line 18) for the new connection called *testing*.

Switching Connections

The connection switching is as simple as bringing an interface down and bringing an alternative up. We do this using nmcli by:

```
# nmcli con show
NAME
        UIUITD
                                              TYPE
                                                             DEVICE
       26c54678-6784-47ba-8afc-ca9924ed63af 802-3-ethernet ens33
ens33
testing 8bc5959e-3d1e-4738-8fa6-b584e4ba4388 802-3-ethernet --
# nmcli con down ens33
Connection 'ens33' successfully deactivated (D-Bus active path:
 → /org/freedesktop/NetworkManager/ActiveConnection/11)
# nmcli con up testing
Connection successfully activated (D-Bus active path:
 → /org/freedesktop/NetworkManager/ActiveConnection/13)
# nmcli con show
                                                             DEVICE
NAME UUID
                                              TYPE
testing 8bc5959e-3d1e-4738-8fa6-b584e4ba4388 802-3-ethernet ens33
        26c54678-6784-47ba-8afc-ca9924ed63af 802-3-ethernet --
```

8.5.2 nmtui

This command provides a Text User Interface for the Network Manager.

On restarting the Network Manager, all the set connections become simultaneously activated. To avoid this, we would have to bring the connection down on restart either through the config files or the TUI.

```
# systemctl restart NetworkManager

# systemctl status -1 NetworkManager
```

8.6 Understanding Routing and DNS

8.6.1 Default route

To connect to another network (or the internet), the server needs to know an IP Address of another computer that can connect it to the desired network. This is called the **default route**. It must be present on the same network as the host.

If we consider in the diagram that the Computer with the IP address 192.168.1.19 is our host that needs a packet to reach another computer on the internet, then the default route for it would be 192.68.1.1 as it is the computer through which our server is connected to another network. Further, to pass along the packet to the receiver on the internet, the computer with IP 192.168.1.1 will have to go through another computer's IP as it's own default route that can connect it to the internet. Here, that is 10.0.0.1.

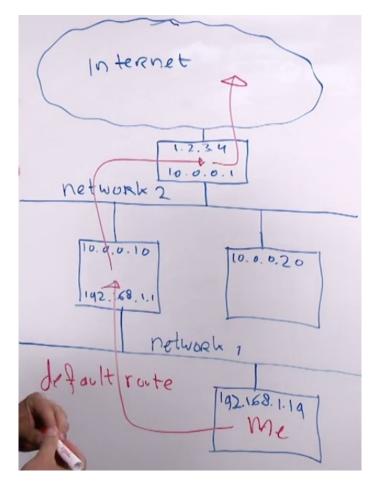


Figure 8.1: Default Route

Let us consider another scenario where the host 10.0.0.20 wants to send a packet to 192.168.1.19. Its default route will have to through 192.168.1.1.

Now, consider 10.0.0.20 needs to send a packet back to 192.168.1.19, but also needs to send packets to the internet. Then, the default route would be the IP address of the computer that can connect us to the internet (10.0.0.1). However, to eventually reach 192.168.1.19, the packets need a way to reach 192.168.1.1 first, given by 10.0.0.10. Thus, sometimes a computer needs to be configured for multiple routers.

8.6.2 DNS

A Domain Name System (DNS) server stores the domain names along with a list of their corresponding IP addresses, and when packets destined for a certain domain name are available, it provides the actual IP addresses for it. It translates the domain name to an IP address.

8.7 Configuring Routing and DNS

On a temporary basis, the ip route add command can add a new default route. The settings can be shown using ip route show. However, to make the settings permanent, we need to edit the file /etc/sysconfig/network-scripts/ifcfg-ens33 (where ens33)

is the name of our interface). Merely changing the value of the Gateway will suffice. After changing the value of the gateway, we need to bring the interface down and up again!

Likewise, the values for DNS Server(s) are also specified in the ifcfg-ens33 file. There can be multiple DNS servers, where the successive server(s) are contacted (in order) only if the preceding ones were down (or couldn't be contacted).

8.8 Understanding Network Analysis Tools

The following are a few network analysis tools that help diagnose problems with the network.

| Name | Description | | | | | | | | | |
|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| hostname | Shows current hostname and provides an option to change it. | | | | | | | | | |
| ping | Performs a connectivity test to know if another computer can be reached. | | | | | | | | | |
| traceroute | Provides specific information about the routing between the host and a destination computer. <i>NOTE</i> that many routers are configured nowadays to not display information about their operation, and thus information from traceroute may be inaccurate. | | | | | | | | | |
| dig | Shows DNS information and helps diagnose DNS related problems. | | | | | | | | | |
| nmap | Advanced and potentially dangerous tool to get information about remote service availability. Since a portscan can be performed to determine which services are provided by a server using it, this utility is considered hostile by many NetAdmins. | | | | | | | | | |
| | Command | Description | | | | | | | | |
| netscan | netstat -i netstat -tulpen | Packet information for network cards. Information about listening ports on a server: t - TCP u - UDP I - Listening p - Process Information e - Extended Information n - Names | | | | | | | | |

8.9 Using Network Analysis Tools

For troubleshooting network issues, we first check our own network information. We use ip addr show to ensure our IP address is correct. Then, we use ip route show to ensure that the default route is set to an IP that's in the same IP network as (one of) our own IP address. Next we check the DNS name resolution by printing /etc/resolv.conf.

```
# ip addr show
# ip route show
# cat /etc/resolv.conf
```

8.9.1 ping

If the problem still persists, further testing is required. First we ping the nearest router, then the one after that till we can reach the internet, unless there's an error, in which case we can know exactly which network has a problem.

```
# ping -c 1 192.168.0.1 # Pinging the default router by sending 1 packet.
```

ping flood test

This is a bandwidth test, instead of a connectivity test and tells us how many packets are being dropped on real time.

```
# ping -f cliServer
pING cliServer.somuVMnet.local (90.0.18.206) 56(84) bytes of data.

--- cliServer.somuVMnet.local ping statistics ---
5 5215 packets transmitted, 5215 received, 0% packet loss, time 3354ms
rtt min/avg/max/mdev = 0.140/0.381/6.757/0.516 ms, ipg/ewma 0.643/0.287 ms
```

It prints a . for every ECHO_REQUEST and prints a backspace for every reply. Thus, the frequency of appearance of .s on the screen represents the frequency of packet loss. Further, since an interval is not given, it sends the packets as soon as a reply is received, thus giving us a measure of the bandwidth of the line in use. NOTE that superuser privileges are required to flood ping without an interval.

8.9.2 traceroute

En-route to the destination server, the time it took to reach every router and the time taken is displayed by this command. If there is some kind of filtering enabled on the server, then the data is redacted with *s.

8.9.3 host

The host command returns the IP address of any domain name that the machine can resolve with the host-name resolution process. This means a result will be produced even if the host is merely added in the /etc/hosts file and not configured on the DNS server.

```
1  # host www.somusysadmin.com
2  www.somusysadmin.com has address 104.27.137.245
3  www.somusysadmin.com has address 104.27.136.245
4  www.somusysadmin.com has IPv6 address 2400:cb00:2048:1::681b:89f5
5  www.somusysadmin.com has IPv6 address 2400:cb00:2048:1::681b:88f5
```

8.9.4 dig

dig gives more in-depth information about the name lookup process through DNS. This means no information is provided if the destination machine is unknown to the DNS server.

```
# dig www.somusysadmin.com
    ; <>>> DiG 9.9.4-RedHat-9.9.4-51.el7 <>>> www.somusysadmin.com
    ;; global options: +cmd
    ;; Got answer:
    ;; ->>HEADER<<- opcode: QUERY, status: NOERROR, id: 65365
    ;; flags: qr rd ra; QUERY: 1, ANSWER: 2, AUTHORITY: 13, ADDITIONAL: 12
    ;; QUESTION SECTION:
    ;www.somusysadmin.com.
                                          IN
                                                    Α
10
11
    ;; ANSWER SECTION:
12
    www.somusysadmin.com.
                                            IN
                                                               104.27.136.245
                                 199
                                                      Α
13
    www.somusysadmin.com.
                                                              104.27.137.245
                                 199
                                            ΤN
                                                      Α
14
15
    ;; AUTHORITY SECTION:
16
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  a.gtld-servers.net.
17
    COM
                                100319
                                                        NS
18
    COM
                                              IN
                                                                  j.gtld-servers.net.
    com.
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  c.gtld-servers.net.
20
    com.
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  m.gtld-servers.net.
    com.
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  1.gtld-servers.net.
    com.
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                 h.gtld-servers.net.
23
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                 b.gtld-servers.net.
24
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                 d.gtld-servers.net.
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  i.gtld-servers.net.
26
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                 g.gtld-servers.net.
27
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  k.gtld-servers.net.
28
                                100319
                                              IN
                                                        NS
                                                                  f.gtld-servers.net.
    com.
                                100319
                                              IN
                                                                  e.gtld-servers.net.
29
30
   ;; ADDITIONAL SECTION:
31
   a.gtld-servers.net.
                               34680
                                            IN
                                                      Α
                                                               192.5.6.30
32
    j.gtld-servers.net.
                               97045
                                            IN
                                                      Α
                                                               192.48.79.30
33
   c.gtld-servers.net.
                               88438
                                            IN
                                                      Α
                                                               192.26.92.30
34
   m.gtld-servers.net.
                               88436
                                            IN
                                                              192.55.83.30
                                                      Α
35
   l.gtld-servers.net.
                               32537
                                            IN
                                                              192.41.162.30
                                                      Α
36
                               88436
                                            IN
                                                              192.54.112.30
   h.gtld-servers.net.
37
                                                     Α
                               88438
                                            IN
                                                              192.33.14.30
   b.gtld-servers.net.
38
                                                     Α
                               48310
                                           TN
                                                              192.31.80.30
39 d.gtld-servers.net.
                                                     Α
                               99400
                                            TN
                                                              192.43.172.30
40 i.gtld-servers.net.
                                                     Α
                                                             192.42.93.30
                                           TN
41 g.gtld-servers.net.
                               88436
                                                     Α
                                                    A
                                                             192.35.51.30
42 f.gtld-servers.net.
                               143261
                                           IN
   e.gtld-servers.net.
                               138671
                                           IN
                                                              192.12.94.30
45 ;; Query time: 766 msec
   ;; SERVER: 8.8.8.8#53(8.8.8.8)
```

```
47 ;; WHEN: Wed Nov 29 11:59:42 IST 2017
48 ;; MSG SIZE rcvd: 486
```

The status of NOERROR indicates the operation was successful. The question section containing www.somusysadmin.com. IN A indicates that an address for www.somusysadmin.com was queried and the A indicates an address was asked for.

The answer section is provided with the different IP Addresses for the domain name. At the bottom, the server that was queried and operation details are noted.

```
SERVER: 8.8.8.8#53(8.8.8.8).
```

To perform a bit of performance optimization, we can add our own name server before a public DNS if we want to directly fetch the data. To do this, simply add a new DNS in /etc/sysconfig/network-scripts/ifcfg-ens33. After this, a restart of the Network-Manager is required for the new configuration settings to take effect. f

```
# systemctl restart NetworkManager
```

When we try to dig a site that doesn't exist, the output is:

```
# dig siteDoesntExist.com
    ; <<>> DiG 9.9.4-RedHat-9.9.4-51.el7 <<>> siteDoesntExist.com
   ;; global options: +cmd
   ;; Got answer:
   ;; ->>HEADER<<- opcode: QUERY, status: NXDOMAIN, id: 22389
    ;; flags: qr rd ra; QUERY: 1, ANSWER: 0, AUTHORITY: 0, ADDITIONAL: 0
    ;; QUESTION SECTION:
   ;sitedoesntexist.com.
10
11
   ;; Query time: 2 msec
12
    ;; SERVER: 8.8.8.8#53(8.8.8.8)
13
    ;; WHEN: Wed Nov 29 12:27:15 IST 2017
14
    ;; MSG SIZE rcvd: 37
```

The NXDOMAIN status is indicative of the fact that the domain is non-existent.

8.9.5 Physical network problems

Sometimes there may be a physical problem in the network and not a problem with the configuration. In that case, the ip -s link command can give us a hint about the statistics of the interface and thus show us if packets are being dropped, etc.

```
11 22610122 182819 0 0
                             0
12 TX: bytes packets errors dropped carrier collsns
13 1686685 16970 0 0 0
3: virbr0: <NO-CARRIER, BROADCAST, MULTICAST, UP> mtu 1500 qdisc noqueue state DOWN mode
   → DEFAULT qlen 1000
15 link/ether 52:54:00:a5:7f:97 brd ff:ff:ff:ff:ff
16 RX: bytes packets errors dropped overrun mcast
  0 0 0 0
17
  TX: bytes packets errors dropped carrier collsns
19 0 0 0 0 0
20 4: virbr0-nic: <BROADCAST,MULTICAST> mtu 1500 qdisc pfifo_fast master virbr0 state DOWN
   \hookrightarrow mode DEFAULT qlen 1000
link/ether 52:54:00:a5:7f:97 brd ff:ff:ff:ff:ff
22 RX: bytes packets errors dropped overrun mcast
23 0 0 0 0 0 0
24 TX: bytes packets errors dropped carrier collsns
25 0 0 0 0 0
```

Part II Operating RHEL Servers

Chapter 9

Managing Processes

9.1 Understanding Jobs and Processes

During boot several services start up that in turn launch several processes that run in the background. They can be viewed by the ps aux command. Everything that's happening on a Linux system has a **process** behind it, which controls the actions. However, sometimes users launch a process from the shell - then it's called a **job**, related to that specific shell.

Let us consider a situation where a job keeps a shell busy. Consider the command is :

```
# dd if=/dev/zero of=/dev/null # Copies Nothing to Nowhere!
```

To stop the job from keeping the shell busy, we can move it to the background. The first step is to stop the job using *CTRL+Z*. Then, simply typing bg moves the job to the background!

9.1.1 jobs

The jobs command shows us an overview of all the jobs that are currently running.

Jobs are tied to the current shell and user account. Any user will only see the jobs that were launched using the present shell when the jobs command is used.

9.2 Managing Shell Jobs

Every command on the shell is considered a shell job. Many of them start and stop immediately (execute very fast) because they've completed their task.

```
1 $ ls
2 Desktop Downloads Pictures Public Videos
3 Documents Music Programs Templates
```

Other programs may need us to wait while they finish their jobs. In such cases, we can put them to work in the background and not have them obstruct our work.

```
$ cat test.sh
    #!/bin/bash
    echo "Starting"
3
    sleep 10
    echo "Completed!"
    $ ./test.sh
6
    Starting
    ^Z
    [1]+ Stopped
                                 ./test.sh
9
    $ jobs
10
   [1]+ Stopped
                                  ./test.sh
11
    $ bg
12
   [1]+ ./test.sh &
13
    $ Completed!
14
15
                                 ./test.sh
16
   [1]+ Done
   $ ./test.sh &
17
   [1] 39773
18
19
   Starting
20
   $ Completed!
21
   [1]+ Done
                                  ./test.sh
```

To directly start a job in the background, we need only suffix the command with a &. If we have multiple commands running in the background, we can put any one of them in the foreground using: fg <jobId>. Similarly, to kill a job, simply type: %<jobId>.

```
$ sleep 600 &
   [1] 41461
   $ dd if=/dev/zero of=/dev/null
   [2]+ Stopped
                              dd if=/dev/zero of=/dev/null
   $ jobs
                               sleep 600 &
   [1]- Running
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null
   [2]+ Stopped
   $ bg
   [2]+ dd if=/dev/zero of=/dev/null &
11 $ jobs
                             sleep 600 &
12 [1] - Running
                              dd if=/dev/zero of=/dev/null &
   [2]+ Running
   $ fg 1
14
   sleep 600
15
   ^C
16
17
   $ fg
   dd if=/dev/zero of=/dev/null
18
19
20 [2]+ Stopped
                              dd if=/dev/zero of=/dev/null
21 $ jobs
   [2]+ Stopped
                             dd if=/dev/zero of=/dev/null
22
   $ kill %2
23
   [2]+ Terminated
                              dd if=/dev/zero of=/dev/null
```

9.3 Getting process information with ps

- Shows a snapshot of all the running processes.
- ps shows only user's own processes.
- ps aux shows the processes of all users with the following details:

| Option | Description |
|--------|--|
| а | Show processes for all users |
| u | Display the process's user/owner |
| X | Also show processes not attached to a terminal |

To see only the first 10 processes, use:

| | | _ | | | | | | | | | | |
|----|-------------------|-----------------|-------|-------|------|----------|--------|-----------|------|----------|------|----------|
| 1 | | # ps aux | head | | | | | | | | | |
| 2 | | USER | PID | %CPU | %MEM | VSZ | RSS | TTY | STAT | START | TIME | COMMAND |
| 3 | | root | 1 | 0.0 | 0.3 | 128164 | 6852 | ? | Ss | Nov28 | 0:16 | |
| | \hookrightarrow | /usr/lib/system | md/sy | stemd | SW | ritched- | root - | -system - | dese | erialize | 21 | |
| 4 | | root | 2 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S | Nov28 | 0:00 | |
| | \hookrightarrow | [kthreadd] | | | | | | | | | | |
| 5 | | root | 3 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S | Nov28 | 0:09 | |
| | \hookrightarrow | [ksoftirqd/0] | | | | | | | | | | |
| 6 | | root | 5 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S< | Nov28 | 0:00 | |
| | \hookrightarrow | [kworker/0:0H] | | | | | | | | | | |
| 7 | | root | 7 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S | Nov28 | 0:00 | |
| | \hookrightarrow | [migration/0] | | | | | | | | | | |
| 8 | | root | 8 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S | Nov28 | 0:00 | [rcu_bh] |
| 9 | | root | 9 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | R | Nov28 | 0:42 | |
| | \hookrightarrow | [rcu_sched] | | | | | | | | | | |
| 10 | | root | 10 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S | Nov28 | 0:02 | |
| | \hookrightarrow | [watchdog/0] | | | | | | | | | | |
| 11 | | root | 12 | 0.0 | 0.0 | 0 | 0 | ? | S | Nov28 | 0:00 | |
| | \hookrightarrow | [kdevtmpfs] | | | | | | | | | | |
| | | 1 - | | | | | | | | | | |

- The PID is the Process ID assigned to each process automatically by the Kernel.
 The PID 1 process is Systemd, which is the first process started by the kernel, which in turn starts all other processes.
- %CPU and %MEM are the CPU and Memory usage stats. VSZ is the Virtual Memory (total memory that the process has access to) while Resident Set Size (RSS) refers to the Physical Memory being used by the process. Note that this includes the dynamic libraries, so if a library is used by a module multiple times, the memory used by the process will be smaller than the RSS.
- TTY represents the terminal number on which the process is running. For background process, the TTY will be shown as ?.
- **STAT** is the status of the process. *S* indicates the process is asleep.
- **TIME** is the total runtime of the process.
- **COMMAND** is the command that was executed.

Normally, we use ps aux to get the PID of a process. We can see the terminal grep itself is running on is set to pts/0, which is the gnome terminal.

9.3.1 Getting PID of a process

To see the PID of a particular process we simply grep some keyword related to the process, typically the process name.

The R status indicates that the command grep was running at the time.

w command

The $\ensuremath{\mathtt{w}}$ command shows all the logged in users, what they're doing and the consequent load on the system.

9.3.2 Seeing Parent and Child process relation

Sometimes we need to see the relation between the processes, because when we kill a parent process, the child processes are also killed automatically! For that we use the command ps fax.

```
1 # ps fax | tail
2 37204 ? S 0:00 \_ gnome-pty-helper
3 37205 pts/0 Ss 0:00 \_ bash
4 43222 pts/0 S 0:00 \_ su -
5 43230 pts/0 S 0:00
                         \_ -bash
6 43291 pts/0 S 0:00
                             \_ su - somu
7 43292 pts/0 S 0:00
                                \_ -bash
8 43465 pts/0 S 0:00
                                    \_ su
9 43471 pts/0 S 0:00
                                      \ bash
10 44146 pts/0 R+ 0:00
                                          \_ ps fax
11 44147 pts/0 D+ 0:00
                                          \_ [tail]
```

9.4 Understanding Memory Usage

To get an overview of the free memory available we use the command free -m where -m stands for Mega-Bytes. *Free* is the unused physical RAM. *Shared* refers to the memory used by shared libraries (shared by different programs). *buff/cache* is the combined Buffer and/or cache usage, where buffer is typically used when there's a large amount of data that needs to be committed to disk. *Available* is the amount of memory available for starting new applications without swapping.

```
# free -m
                                  shared buff/cache
                                                     available
total
            used
                        free
                                                 18
              1823
                          930
                                      198
                                                             694
                                                                         656
Mem:
              1907
                            0
                                     1907
Swap:
```

Swap contains the unused memory pages from the RAM that have been transferred to the Hard disk.

9.5 Understanding Performance Load

When a process is ready for execution, it's added to the runqueue, where it awaits evaluation by the scheduler to be assigned to a CPU. The amount of processes awaiting to be executed determines the performance load.

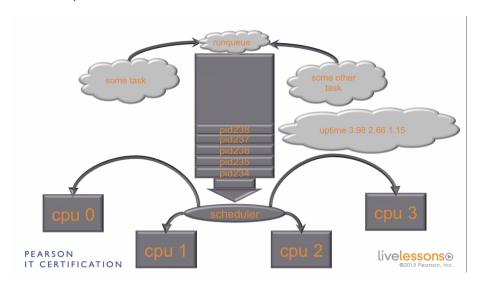


Figure 9.1: Performance Load

9.5.1 uptime Command

The uptime command shows us how long the system has been on, the number of users logged on and a snapshot of the current CPU demand for the last 1, 5 and 15 minutes, in that order. However, this number is represented for the total CPU resources being used, and not an average! Thus, for a single CPU system, uptime of 1 = 100% usage, while for a 4 CPU system, it means the CPU has been 75% idle.

The *System Load Average* is the number of processes in the runqueue that are either in runnable (ready to run/already running) state or in an interruptible state (e.g., waiting for I/O access).

```
# uptime
1 # uptime
2 11:59:13 up 2 days, 6:02, 2 users, load average: 0.00, 0.01, 0.05
```

The nproc command shows us the number of CPU cores available to us.

```
1 # nproc
2 1
```

9.6 Monitoring System Activity with top

top shows us the top active processes on the system in real-time.

```
1
   top - 12:24:09 up 2 days, 6:27, 2 users, load average: 0.15, 0.07, 0.06
   Tasks: 207 total, 2 running, 205 sleeping, 0 stopped, 0 zombie
   %Cpu(s): 3.9 us, 0.7 sy, 0.0 ni, 95.4 id, 0.0 wa, 0.0 hi, 0.0 si, 0.0 st
   KiB Mem : 1867024 total, 196468 free, 957244 used, 713312 buff/cache
   KiB Swap: 1953788 total, 1953788 free, 0 used. 667488 avail Mem
             PR NI VIRT
                                 SHR S %CPU %MEM
   PID USER
                             RES
                                                 TIME+ COMMAND
            20 0 1943348 246224 49292 S 5.3 13.2 61:53.62 gnome-shell
   2023 somu
   2250 somu
              20 0 525584 12240 5984 S 2.3 0.7 0:00.61 tracker-store
10
              20 0 291800 35340 10312 S 1.3 1.9 2:53.91 X
   1367 root
11
              20 0 157716 2284 1536 R 0.7 0.1 0:00.06 top
   48709 root
   764 root 20 0 305080 6140 4768 R 0.3 0.3 6:45.26 vmtoolsd
  2270 somu 20 0 385944 19688 15236 S 0.3 1.1 6:02.21 vmtoolsd
  2290 somu
              39 19 637720 11280 8036 S 0.3 0.6 0:00.52 tracker-miner-f
  48449 root
              20 0 0 0 S 0.3 0.0 0:00.80 kworker/0:0
17 1 root 20 0 128164 6852 4084 S 0.0 0.4 0:18.42 systemd
18 2 root
            20 0 0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.22 kthreadd
           20 0
                      0
                           0 0 S 0.0 0.0 0:11.45 ksoftirqd/0
19 3 root
            0 -20 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 kworker/0:0H
20 5 root
           rt 0 0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 migration/0 20 0 0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 rcu_bh 20 0 0 0 0 S 0.0 0.0 0:48.31 rcu_sched
21 7 root
22 8 root
23 9 root
24 10 root rt 0 0 0 0 S 0.0 0.0 0:02.52 watchdog/0
            20 0
                      0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 kdevtmpfs
25 12 root
                      0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 netns
26 13 root
             0 -20
                       0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.22 khungtaskd
            20 0
27 14 root
                      0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 writeback
             0 -20
  15 root
28
                       0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 kintegrityd
             0 -20
  16 root
29
                       0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 bioset
             0 -20
   17 root
30
                       0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 kblockd
             0 -20
  18 root
31
   19 root 0 -20 0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.00 md 25 root 20 0 0 0 0 S 0.0 0.0 0:00.20 kswapd0
32
   19 root
```

If we put 3 processes that all run dd if=/dev/zero of=/dev/null on the runqueue, and then execute the top command, and then press the 1 key, all the individual CPU loads are displayed. Since our VM has only one CPU, it shows up as *Cpu0*.

```
# top

...

%Cpu0 : 27.6 us, 72.4 sy, 0.0 ni, 0.0 id, 0.0 wa, 0.0 hi, 0.0 si, 0.0 st

...

PID USER PR NI VIRT RES SHR S %CPU %MEM TIME+ COMMAND

48739 root 20 0 107948 612 516 R 32.9 0.0 0:04.59 dd

48737 root 20 0 107948 612 516 R 32.2 0.0 0:06.47 dd

8 48738 root 20 0 107948 608 516 R 32.2 0.0 0:04.94 dd
```

The first line of the output of the top command is the same as that of the uptime command. The top command also shows the Free and available memory in both physical RAM as well as Swap.

Now since there is only one cpu available, the 3 busiest processes, (the dd commands) have evenly distributed the CPU cycles among them (assigned by the scheduler), nearly 33% each (the rest is overheads and cycles used by other processes).

```
%Cpu(s): 26.5 us, 73.5 sy, 0.0 ni, 0.0 id, 0.0 wa, 0.0 hi, 0.0 si, 0.0 st
```

The CPU line shows the CPU Usage stats in percentages. Here, we see the CPU usage summary [Cpu(s)], the *us* stands for user-space, or processes started by the user. The *sy* shows us the system space CPU Usage, and is typically programs that directly deal with hardware. Since we've used the dd command that's directly copying data from one device to another, we have a high system space CPU usage.

The *id* stands for idle and shows us the percentage of time the system is idle. The *wa* shows the percentage of time the system is waiting for I/O operation completion, such as a slow disk or network.

9.7 Sending Signals to processes

Signals are mandatory instructions that the process can't ignore. Some of the most common Signals are **SIGTERM** and **SIGKILL**. The SIGTERM signal asks a process to cease its activity. If the signal doesn't work, i.e., the process doesn't obey it, then we send the SIGKILL signal, which terminates the process.

We can send these signals by the use of the top command. While top is running, we have to press the k key to initiate signal sending via kill. To choose the appropriate process, we enter the PID. The default signal is SIGTERM (a.k.a. Signal 15). The process is terminated immediately on sending the signal.

When we send Signal 9 (SIGKILL) the process doesn't have time to save or clean up its work, and thus the execution stops instantaneously! This means if a process is working on an open file, the SIGKILL signal can cause irreparable damage to it.

9.7.1 kill command

To send a signal directly from the command line, we use the kill command. To send a SIGTERM signal, we merely provide the PID. To send a SIGKILL signal, we have to provide a signal number of 9.

To kill all processes matching a certain process using Signals uses:

```
1 # top
2 ...
3 PID USER PR NI VIRT RES SHR S %CPU %MEM TIME+ COMMAND
4 49747 root 20 0 107948 608 516 R 22.8 0.0 0:05.81 dd
5 49748 root 20 0 107948 612 516 R 22.5 0.0 0:05.30 dd
6 49749 root 20 0 107948 612 516 R 22.5 0.0 0:04.91 dd
7 49746 root 20 0 107948 612 516 R 22.2 0.0 0:06.60 dd
8 ...
9 # jobs
10 [1] Running dd if=/dev/zero of=/dev/null \&
```

```
dd if=/dev/zero of=/dev/null \&
   [2] Running
11
   [3] - Running
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null \&
   [4]+ Running
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null \&
   # killall dd
   # jobs
16 [1] Terminated
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null
17 [2]
        Terminated
18 [3] - Terminated
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null
19 [4]+ Terminated
                               dd if=/dev/zero of=/dev/null
```

9.8 Understanding Priorities and Niceness

Consider a hypothetical scenario where a bunch of people are standing in a queue to get movie tickets. There, everyone in the queue has the same priority. Now, if a lady comes along and skips the queue, we can fairly say she isn't nice. The same goes for processes in a Linux system.

The processes are born with the same priority, but their niceness can be adjusted. If the niceness is negative, the process is served first, and if positive, it lets the other processes (with lower niceness) be served before itself!

9.9 Changing Process Nice values

In the output of the top command, the *PR* column shows us the priority of each individual process. Normal processes are started with the same priority of **20**. There are certain real-time processes as well, that have a value of rt in their priority column.

In case we need to increase or decrease the priority of a process (e.g., higher priority to quickly complete a query, or free resources for other users by lowering priority) we adjust the niceness (NI) value of the process. This process is called *nicing* a process.

The niceness of a process can range from -20 to +19, and the consequent value of priority is related as :

$$PR = 20 + NI$$

Thus, the priority of a process can range from 0 (most aggressive) to 39 (nicest). We can adjust the niceness in small increments instead of huge jumps (setting niceness to -20) and see if that does our work. If not, we can change the niceness incrementally till our goals are met!

9.9.1 Chaning niceness from top

To renice a process from top, we can simply press r, then select the PID to renice and enter the new niceness value.

9.9.2 Changing Niceness from command line

We can also set the niceness from the command line, both while first running the process using the nice command, or change the nice value of a running process using the renice command.

```
# nice -n 10 dd if=/dev/zero of=/dev/null &
   # top | head
   top - 15:40:26 up 2 days, 9:44, 3 users, load average: 1.10, 0.70, 0.71
   Tasks: 215 total, 3 running, 212 sleeping, 0 stopped, 0 zombie
   %Cpu(s): 9.5 us, 71.4 sy, 19.0 ni, 0.0 id, 0.0 wa, 0.0 hi, 0.0 si, 0.0 st
6 KiB Mem : 1867024 total, 233356 free, 919716 used, 713952 buff/cache
   KiB Swap: 1953788 total, 1953788 free,
                                           0 used. 704744 avail Mem
              PR NI VIRT RES SHR S %CPU %MEM
9 PID USER
                                                    TIME+ COMMAND
10 51465 root 30 10 107948 612 516 R 75.0 0.0 2:00.96 dd
11 1367 root 20 0 290560 34108 10412 S 5.0 1.8 3:22.26 X
               20 0 1923992 226836 49300 S 5.0 12.1 66:10.12 gnome-shell
12 2023 somu
13 # renice -n -10 51465
14 51465 (process ID) old priority 10, new priority -10
15
   # top | head
16 top - 15:42:18 up 2 days, 9:45, 3 users, load average: 1.41, 0.92, 0.79
17 Tasks: 215 total, 2 running, 213 sleeping, 0 stopped, 0 zombie
18 %Cpu(s): 25.0 us, 75.0 sy, 0.0 ni, 0.0 id, 0.0 wa, 0.0 hi, 0.0 si, 0.0 st
19 KiB Mem: 1867024 total, 233440 free, 919632 used, 713952 buff/cache
20 KiB Swap: 1953788 total, 1953788 free,
                                            0 used. 704828 avail Mem
21
22 PID USER
              PR NI VIRT RES SHR S %CPU %MEM
                                                    TIME+ COMMAND
23 51465 root 10 -10 107948 612 516 R 64.0 0.0 3:47.16 dd
24 1 root 20 0 128164 6852 4084 S 0.0 0.4 0:19.34 systemd
            20 0 0
   2 root
                            0 0 S 0.0 0.0 0:00.23 kthreadd
```

If however we find that we have to renice processes all the time, we might want to move some resource-hungry processes to other server(s).

Chapter 10

Managing Software

10.1 Understanding Meta Package Handlers

In the old days, the rpm command was used to install packages, and it was incapable of resolving dependencies (i.e., auto-installing other packages/programs that were needed to make a package work). The syntax needed for rpm is : rpm -ivh packageName.rpm. (i=install, v=verbose, h=show hashes about progress).

Nowadays, due to the yum package installer, this is no longer an issue. It works with repositories, which are installation sources for a bunch of packages, and the command works by downloading indexes for the repositories. The yum meta-package handler needs only the rpm name to install it.

yum install blah.rpm

At this point the yum command searches the indexes for any dependencies. If any are found, they're downloaded from the repository as well, before the original package is installed.

10.2 Setting up Yum repositories

A standard RHEL installation is hooked up to RHN (Red Hat Network), the RedHat repository, and all patches and updates are downloaded from it. It's the installation source and primary repository for most packages available on RHEL.

10.2.1 yum repolist

This command shows us the list of repositories which our system is configured to use. Unless RHN is connected to, the RHEL 7 Server can't use this (and other) repo commands.

10.2.2 Custom Repository

To convert an existing folder to a yum repository, we need to first go to the /etc/yum.repos.d directory, and then create a file named: repoName.repo where repoName is the name of

our custom repository. It's critical that the file name ends with .repo as otherwise yum won't be able to recognize it. The contents of the repoName.repo file should be:

1 [repoName]
2 name=repoName
3 baseurl=file:///home/somu/repo
4 gpgcheck=0

The first line is called the label. The second line defines the name of the repository. The third line, defines the URI (Uniform Resource Identifier) where the repository is located. If it's on the internet, protocols such as ftp:// can be used, but in our case since it's on the local filesystem, we use the file:// protocol. Further, the path of the repository folder is /home/somu/repo, which is what the *baseurl* is set to. The fourth line turns off the GPG file integrity checking (not suggested for real environments).

createrepo

A final step is to generate the indexes required by yum to use the repository. For this, we use the createrepo command.

createrepo /downloads
Spawning worker 0 with 4 pkgs
Workers Finished
Saving Primary metadata
Saving file lists metadata
Saving other metadata
Generating sqlite DBs
Sqlite DBs complete

Next we can check if the repo was successfully added by running yum repolist.

```
# yum repolist
1
  Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
   repo id
                                     repo name
                                                                           status
   base/7/x86_64
                                      CentOS-7 - Base
                                                                           9,591
  extras/7/x86_64
                                      CentOS-7 - Extras
                                                                             283
  repoTestLabel
                                      repoTest
7 updates/7/x86_64
                                      CentOS-7 - Updates
                                                                           1,134
  repolist: 11,008
```

10.3 Using the yum command

The yum command is a package manager and a meta package handler. The following are some of the yum commands:

10.3.1 yum search

yum search searches the given repositories for a suitable package.

```
# yum search nmapLoaded plugins: fastestmirror, langpacks
```

10.3.2 yum install

yum install installs the package passed as argument to it, after installing all the required dependencies. When the -y option is used, Yum doesn't wait for a (Y/N) reply after showing the dependency list, and proceeds to download and install the package.

```
# yum install -y nmap
2 Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
3 Loading mirror speeds from cached hostfile
   * base: centos.excellmedia.net
* extras: centos.excellmedia.net
   * updates: centos.excellmedia.net
7 Resolving Dependencies
   --> Running transaction check
   ---> Package nmap.x86_64 2:6.40-7.el7 will be installed
   --> Finished Dependency Resolution
10
11
12
   Dependencies Resolved
13
14
           Arch Version
15
    _____
16
   Installing:
17
               x86_64
                              2:6.40-7.el7
                                                      base
18
19
   Transaction Summary
20
21
   Install 1 Package
22
23
   Total download size: 4.0 M
24
   Installed size: 16 M
25
26 Downloading packages:
No Presto metadata available for base
28 nmap-6.40-7.el7.x86_64.rpm
                                                       | 4.0 MB 06:38
29 Running transaction check
30 Running transaction test
31 Transaction test succeeded
32 Running transaction
                                                                    1/1
33 Installing: 2:nmap-6.40-7.el7.x86_64
34 Verifying : 2:nmap-6.40-7.el7.x86_64
                                                                    1/1
35
36 Installed:
37 nmap.x86_64 2:6.40-7.el7
39 Complete!
```

Some programs may have a script that needs to be run to setup and configure it. In such cases, yum does it for us.

10.3.3 yum list

The yum list command is used to list the packages installed on a system, filtered on a specific criteria.

| Options | Description |
|--|--|
| yum list all yum list installed yum list avialable | Lists all available and installed packages Only list the installed packages Only list the available packages |

10.3.4 yum provides

Sometimes we don't know which package to install. For example, if we want to install and use *semanage*, an important utility to set up SELinux, we have to use the yum search semanage command to find all the info about the packages that offer it.

```
# yum search semanage
2 Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
3 Loading mirror speeds from cached hostfile
4 * base: centos.excellmedia.net
  * extras: centos.excellmedia.net
* updates: centos.excellmedia.net
   8 libsemanage-python.x86_64 : semanage python bindings for libsemanage
9 libsemanage.i686 : SELinux binary policy manipulation library
10 libsemanage.x86_64 : SELinux binary policy manipulation library
11 libsemanage-devel.i686 : Header files and libraries used to build policy
: manipulation tools
13 libsemanage-devel.x86_64 : Header files and libraries used to build policy
14 : manipulation tools
15 libsemanage-static.i686 : Static library used to build policy manipulation tools
   libsemanage-static.x86_64 : Static library used to build policy manipulation
16
   : tools
17
   Name and summary matches only, use "search all" for everything.
```

The above are the results that contain the string 'semanage' in their names/descriptions, but may not contain the semanage binary that we require. For such cases, where we know the name of the binary utility, but don't know which package contains it, we use the yum provides command. The */semanage is used to indicate it needs to search some file pattern.

```
# yum provides */semanage
Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
Loading mirror speeds from cached hostfile

* base: centos.excellmedia.net

* extras: centos.excellmedia.net

* updates: centos.excellmedia.net

libsemanage-devel-2.5-8.el7.i686 : Header files and libraries used to build

policy manipulation tools

Repo : base
```

```
10 Matched from:
11 Filename : /usr/include/semanage
12
13 libsemanage-devel-2.5-8.el7.x86_64 : Header files and libraries used to build
14 : policy manipulation tools
15 Repo : base
16 Matched from:
17 Filename : /usr/include/semanage
policycoreutils-python-2.5-17.1.el7.x86_64 : SELinux policy core python
20 : utilities
21 Repo : base
22 Matched from:
23 Filename : /usr/sbin/semanage
24 Filename : /usr/share/bash-completion/completions/semanage
25
26 policycoreutils-python-2.5-17.1.el7.x86_64 : SELinux policy core python
27 : utilities
28 Repo : @anaconda
29 Matched from:
30 Filename : /usr/sbin/semanage
31 Filename : /usr/share/bash-completion/completions/semanage
```

10.3.5 yum remove

yum remove <packageName> checks the system to see if any installed packages are dependent upon the package we're trying to remove. If so, it removes the specified package and the dependent packages, unless one (or more) of them are protected. For example, yum remove bash fails as it'd have to remove Systemd and yum packages since they are heavily dependent on bash! Again, any yum remove command requires a prompt to be answered, which can be bypassed with yum remove -y.

```
# yum remove -y nmap
2 Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
3 Resolving Dependencies
4 --> Running transaction check
  ---> Package nmap.x86_64 2:6.40-7.el7 will be erased
  --> Finished Dependency Resolution
  Dependencies Resolved
  10
11 Package
           Arch
                  Version
                                      Repository
12
13 Removing:
           x86_64 2:6.40-7.el7 @base
                                                 16 M
15
16 Transaction Summary
17
18 Remove 1 Package
19
20 Installed size: 16 M
21 Downloading packages:
22 Running transaction check
23 Running transaction test
24 Transaction test succeeded
25 Running transaction
26 Erasing : 2:nmap-6.40-7.el7.x86_64
                                                  1/1
```

10.4 Using rpm queries

Any software installed on our RHEL Servers are tracked in an rpm database, which supports queries to find out status and other information about packages. Rpm queries are most useful for SysAdmins when we need to find out more information about a package or software. For example, if we need to find out how to configure a time synchronization service called chronyd, first we find out where it is located.

```
# which chronyd
2 /usr/sbin/chronyd
```

Now that we know where the binary for the chrony daemon is located, we perform an rpm query on it, to find out which package it comes from:

```
# rpm -qf /usr/sbin/chronyd # Query the package owning <file>
chrony-3.1-2.el7.centos.x86_64
```

Now that we know what package it comes from, we can list everything that the package chrony contains:

```
# rpm -ql chrony
                            # Query list
  /etc/NetworkManager/dispatcher.d/20-chrony
  /etc/chrony.conf
4 /etc/chrony.keys
  /etc/dhcp/dhclient.d/chrony.sh
  /etc/logrotate.d/chrony
7 /etc/sysconfig/chronyd
   /usr/bin/chronyc
   /usr/lib/systemd/ntp-units.d/50-chronyd.list
   /usr/lib/systemd/system/chrony-dnssrv@.service
10
   /usr/lib/systemd/system/chrony-dnssrv@.timer
11
    /usr/lib/systemd/system/chrony-wait.service
12
   /usr/lib/systemd/system/chronyd.service
13
    /usr/libexec/chrony-helper
14
    /usr/sbin/chronyd
15
   /usr/share/doc/chrony-3.1
    /usr/share/doc/chrony-3.1/COPYING
    /usr/share/doc/chrony-3.1/FAQ
    /usr/share/doc/chrony-3.1/NEWS
    /usr/share/doc/chrony-3.1/README
    /usr/share/man/man1/chronyc.1.gz
    /usr/share/man/man5/chrony.conf.5.gz
    /usr/share/man/man8/chronyd.8.gz
    /var/lib/chrony
    /var/lib/chrony/drift
    /var/lib/chrony/rtc
    /var/log/chrony
```

To see only the configuration files, instead of all files related to the package, we use:

```
# rpm -qc chrony # Query config

/etc/chrony.conf

/etc/chrony.keys

/etc/logrotate.d/chrony

/etc/sysconfig/chronyd
```

To find the documentation for the package, we use:

```
# rpm -qd chrony # Query documentation

vusr/share/doc/chrony-3.1/COPYING

vusr/share/doc/chrony-3.1/FAQ

usr/share/doc/chrony-3.1/NEWS

vusr/share/doc/chrony-3.1/README

vusr/share/man/man1/chronyc.1.gz

usr/share/man/man5/chrony.conf.5.gz

vusr/share/man/man8/chronyd.8.gz
```

To view all packages installed on our system, we can use:

```
1 # rpm -qa # Query all
```

This command is especially useful to find out which version of a package is installed.

```
# rpm -qa | grep openjdk
java-1.8.0-openjdk-headless-1.8.0.151-1.b12.e17_4.x86_64
java-1.8.0-openjdk-1.8.0.151-1.b12.e17_4.x86_64
```

Pre and Post install Scripts

Many packages include pre and post installation scripts that we may need to find out about. If that is the case, we can use:

```
# rpm -q --scripts java-1.8.0-openjdk
    postinstall scriptlet (using /bin/sh):
2
    update-desktop-database /usr/share/applications &> /dev/null || :
4
    /bin/touch --no-create /usr/share/icons/hicolor &>/dev/null || :
    postuninstall scriptlet (using /bin/sh):
    update-desktop-database /usr/share/applications &> /dev/null || :
    if [ $1 -eq 0 ] ; then
10
    /bin/touch --no-create /usr/share/icons/hicolor &>/dev/null
11
    /usr/bin/gtk-update-icon-cache /usr/share/icons/hicolor &>/dev/null || :
12
    fi
13
14
    posttrans scriptlet (using /bin/sh):
15
16
    /usr/bin/gtk-update-icon-cache /usr/share/icons/hicolor &>/dev/null || :
17
```

This step become critical when working on a production server, especially for security purposes since installing a package requires administrative (root) privileges. If the package is

from an unverified source, we should know what exactly the package installation script does before executing it.

For 3^{rd} party, downloaded packages, that we might not have installed yet, we need to use the rpm $\,$ -qp command instead. Thus, to list the contents of said 3rd party package, we use:

```
# rpm -qpl <packageName>.rpm
# rpm -qp --scripts <packageName>.rpm
```

The second line shows us the scripts (pre and post install) that'll be used by the downloaded (and NOT yet installed) package.

10.4.1 Installing a local rpm file

To perform the installation of an rpm file that we've downloaded from the internet, and it's not in a repository, we use yum localinstall.

To download said rpm, we can use a tool like wget <rpmURL>.

```
# ls -l
  total 4056
   -rw-r--r-. 1 root root 4152356 Nov 25 2015 nmap-6.40-7.el7.x86_64.rpm
  # yum localinstall nmap-6.40-7.el7.x86_64.rpm
  Loaded plugins: fastestmirror, langpacks
  Examining nmap-6.40-7.el7.x86_64.rpm: 2:nmap-6.40-7.el7.x86_64
7 Marking nmap-6.40-7.el7.x86_64.rpm to be installed
  Resolving Dependencies
  --> Running transaction check
  ---> Package nmap.x86_64 2:6.40-7.el7 will be installed
10
  --> Finished Dependency Resolution
11
12
13 Dependencies Resolved
14
   ______
15
          Arch Version Repository
16
  Package
   17
   Installing:
18
   nmap x86_64 2:6.40-7.el7 /nmap-6.40-7.el7.x86_64
19
20
   Transaction Summarv
   ______
   Install 1 Package
23
24
   Total size: 16 M
25
   Installed size: 16 M
26
   Is this ok [y/d/N]: y
27
   Downloading packages:
28
   Running transaction check
29
  Running transaction test
30
  Transaction test succeeded
31
  Running transaction
32
  Installing: 2:nmap-6.40-7.el7.x86_64
                                                            1/1
33
  Verifying : 2:nmap-6.40-7.el7.x86_64
                                                            1/1
34
35
36 Installed:
37 nmap.x86_64 2:6.40-7.el7
```

```
39 Comr
```

38

Complete!

10.4.2 repoquery

The repoquery is similar to the rpm query, but instead of querying an installed or not-yet-installed but locally available package, it directly queries the repositories, without even needing to download them! However, the --scripts option isn't yet supported by the command.

```
# repoquery -ql yp-tools
   /usr/bin/ypcat
   /usr/bin/ypchfn
   /usr/bin/ypchsh
5 /usr/bin/ypmatch
6 /usr/bin/yppasswd
7 /usr/bin/ypwhich
8 /usr/sbin/yppoll
9 /usr/sbin/ypset
10 /usr/sbin/yptest
11 /usr/share/doc/yp-tools-2.14
12 /usr/share/doc/yp-tools-2.14/AUTHORS
13 /usr/share/doc/yp-tools-2.14/COPYING
14 /usr/share/doc/yp-tools-2.14/ChangeLog
15 /usr/share/doc/yp-tools-2.14/NEWS
16 /usr/share/doc/yp-tools-2.14/README
  /usr/share/doc/yp-tools-2.14/THANKS
17
18 /usr/share/doc/yp-tools-2.14/TODO
   /usr/share/doc/yp-tools-2.14/nsswitch.conf
19
20 /usr/share/locale/de/LC_MESSAGES/yp-tools.mo
21 /usr/share/locale/sv/LC_MESSAGES/yp-tools.mo
22 /usr/share/man/man1/ypcat.1.gz
23 /usr/share/man/man1/ypchfn.1.gz
24 /usr/share/man/man1/ypchsh.1.gz
   /usr/share/man/man1/ypmatch.1.gz
25
   /usr/share/man/man1/yppasswd.1.gz
26
   /usr/share/man/man1/ypwhich.1.gz
27
   /usr/share/man/man5/nicknames.5.gz
   /usr/share/man/man8/yppoll.8.gz
   /usr/share/man/man8/ypset.8.gz
31
   /usr/share/man/man8/yptest.8.gz
    /var/yp/nicknames
```

10.4.3 Displaying information about a package

repoquery -qi <packageName> can display information about the package.

```
# repoquery -qi awesum

Name : awesum

Version : 0.6.0

Release : 1

Architecture: noarch

Size : 150637

Packager : Darren L. LaChausse <the_trapper@users.sourceforge.net>

Group : Applications/Security
```

10 URL : http://awesum.sf.net/

11 Repository : Ex11Repo

 $_{12}$ Summary $\,\,$: Awesum is an easy to use graphical checksum verifier.

13 Source : awesum-0.6.0-1.src.rpm

14 Description :

15 Awesum is a graphical checksum verification utility. It is written in Python

 $_{\rm 16}$ $\,$ and uses the PyGTK toolkit. Awesum is very easy to use and includes support

17 for both MD5 and SHA checksum algorithms. Unlike many checksum verification

18 utilities, Awesum features a progress bar which makes working with large files

19 (such as CD-ROM ISO images) much more bearable.

Chapter 11

Working with Virtual Machines

11.1 Introducing KVM Virtualization

There are some basic requirements for KVM Virtualization on a server:

11.1.1 CPU Virtualization Support

The CPU needs to be capable to support virtualization. This can be easily verified using the command:

```
# grep -E "vmx|svm" /proc/cpuinfo
```

The presence of the vmx flag is the indication that the CPU supports Intel's VT-x virtualization. However, for AMD processors, the equivalent is svm indicating the presence of AMD's SVM technology.

If the processor does in fact support virtualization, then the Linux Kernel can load the kvm and the kvm-intel or kvm-amd modules. On top of the kernel lies the **libvirtd** daemon, which allow us to manage the KVM virtualization. It can also communicate other virtualization as well, such as Linux containers.

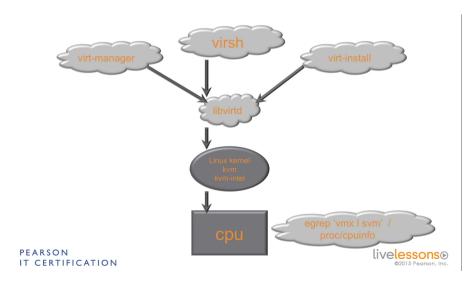


Figure 11.1: Virtualization

libvirtd only serves as a generic interface to virtualization that can be used by other management programs such as **virt-manager**, which is a GUI based VM management tool. There's also **virsh**, a shell-based VM manager, that is extremely useful to manage multiple VMs in an automated way!

There is also vert-install, a small installation interface that allow us to install VMs.

11.2 Managing Libvirt and KVM

First we need to verify that the required kernel modules for KVM are available. This can be done with:

```
# lsmod | grep kvm
kvm_intel 200704 0
kvm 585728 1 kvm_intel
irqbypass 16384 1 kvm
```

The lsmod command shows us the status of the Linux Kernel modules. The kvm module is the generic KVM support module, while the kvm-intel module provides platform specific support for KVM virtualization.

Finally, we check if the libvirtd daemon is up and running using:

```
# systemctl status libvirtd
   libvirtd.service - Virtualization daemon
   Loaded: loaded (/usr/lib/systemd/system/libvirtd.service; enabled; vendor pre
   Active: active (running) since Sat 2017-12-02 16:08:39 IST; 2h 43min ago
   Docs: man:libvirtd(8)
   http://libvirt.org
   Main PID: 945 (libvirtd)
    Tasks: 18 (limit: 32768)
    CGroup: /system.slice/libvirtd.service
    945 /usr/sbin/libvirtd
    1210 /usr/sbin/dnsmasq --conf-file=/var/lib/libvirt/dnsmasq/default
    1211 /usr/sbin/dnsmasq --conf-file=/var/lib/libvirt/dnsmasq/default
    Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq[1210]: compile time options: IPv6 GNU-getopt
    Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq-dhcp[1210]: DHCP, IP range 192.168.124.2 -- 1
    Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq-dhcp[1210]: DHCP, sockets bound exclusively t
    Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq[1210]: no servers found in /etc/resolv.conf,
    Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq[1210]: read /etc/hosts - 2 addresses
    Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq[1210]: read /var/lib/libvirt/dnsmasq/default.
   Dec 02 16:08:55 lappyPrime dnsmasq-dhcp[1210]: read /var/lib/libvirt/dnsmasq/def
   Dec 02 16:09:37 lappyPrime dnsmasq[1210]: reading /etc/resolv.conf
   Dec 02 16:09:37 lappyPrime dnsmasq[1210]: using nameserver 8.8.8.8#53
23 Dec 02 16:09:37 lappyPrime dnsmasq[1210]: using nameserver 202.38.180.7#53
```

Thus, this machine is completely ready for virtualization! If we run the ip link show command, we can also find a virtual bridge called virbr0, which is provided courtesy of KVM. This network acts as if it's connected to a virtual switch and provides inter-VM bridged networking support.

```
1 # ip link show
2 1: lo: <LOOPBACK,UP,LOWER_UP> mtu 65536 qdisc noqueue state UNKNOWN mode DEFAULT group

→ default qlen 1000
3 link/loopback 00:00:00:00:00:00:00:00:00:00:00
```

```
4 2: enp1s0: <NO-CARRIER,BROADCAST,MULTICAST,UP> mtu 1500 qdisc fq_codel state DOWN mode

→ DEFAULT group default qlen 1000

5 link/ether 3c:52:82:b9:05:5f brd ff:ff:ff:ff:

6 3: wlo1: <BROADCAST,MULTICAST,UP,LOWER_UP> mtu 1500 qdisc mq state UP mode DORMANT group

→ default qlen 1000

7 link/ether 3c:95:09:de:4e:8d brd ff:ff:ff:ff:

8 4: virbr0: <NO-CARRIER,BROADCAST,MULTICAST,UP> mtu 1500 qdisc noqueue state DOWN mode

→ DEFAULT group default qlen 1000

9 link/ether 52:54:00:62:77:f7 brd ff:ff:ff:ff:

10 5: virbr0-nic: <BROADCAST,MULTICAST> mtu 1500 qdisc fq_codel master virbr0 state DOWN
```

link/ether 52:54:00:62:77:f7 brd ff:ff:ff:ff:ff

→ mode DEFAULT group default glen 1000

11.3 Using virsh

KVM requires a 64-bit architecture host. This can be verified by using:

```
1 # arch
2 x86_64
```

The x86_64 output tells us that the installed OS is 64-bit. The Virtualization shell is opened by simply typing virsh which in turn supports a lot of commands.

```
# virsh
Welcome to virsh, the virtualization interactive terminal.

Type: 'help' for help with commands
'quit' to quit

virsh #
```

11.3.1 Virsh commands

virsh list

The following are the virsh list commands. They need to be run from the CLI directly. If the commands are being run from within the sub-shell provided by virsh then only the second command onward suffices (i.e., virsh need not be retyped).

| Command | Description |
|---------------------------------|--|
| virsh list virsh list all | Shows all the virtual machines that are currently running Shows all virtual machines that exist |
| virsh destroy <vmname></vmname> | Merely pulls the plug on the VM, i.e., immediately terminates the running VM. Starts the VM. |
| virsh start <vmname></vmname> | |

Each virtual machine on the system has a configuration file that defines what the VM consists of. The /etc/libvirt/ folder is related to the configuration of the libvirtd daemon that acts as a common interface for all KVM managers. Inside it is a directory called qemu. qemu is an old emulator that has been adapted for use in the KVM environment. The qemu configuration files are stored in this /etc/libvirt/qemu directory in XML format. This file is auto-generated by virsh, and thus should only be edited with virsh edit <vmName>. This has the benefit of ensuring nothing else is concurrently editing the file.

11.4 Using virt-manager

The virt-manager is a GUI interface for the control of VMs. It can be started by:

virt-manager

Note that to control VMs made using virt-manager from within virsh, we need to be logged in under the same user when starting these utilities. They use the same libvirt database of VMs, but the user context can cause the VMs to be unavailable to some users!

Chapter 12

Scheduling Tasks

12.1 Cron vs at

Both cron and at enable us to perform a task in the future. However, cron lets us perform a job on a regular basis, while if we only need to perform a task once in the future, we use at.

12.1.1 Cron

Cron uses the crond service which is started by default and in turn used by many services. The configuration files for cron reside in various locations, and this allows RPMs to drop shell scripts in cron without any interruption or change of config. It also allows users to create their own cron jobs.

12.1.2 at

at which uses the atd daemon runs tasks only once in the future at a pre-scheduled time. The at command is used to add jobs.

12.2 Understanding Cron Configuration files and Execution times

The main configuration file for cron is located at /etc/crontab. The default contents of the file is:

```
1 SHELL=/bin/bash
2 PATH=/sbin:/usr/sbin:/usr/bin
3 MAILTO=root
4
5 # For details see man 4 crontabs
6
7 # Example of job definition:
8 # .----- minute (0 - 59)
9 # | .----- hour (0 - 23)
10 # | | .----- day of month (1 - 31)
```

```
11 # | | | .----- month (1 - 12) OR jan,feb,mar,apr ...
12 # | | | | .---- day of week (0 - 6) (Sunday=0 or 7) OR sun,mon,tue,wed,thu,fri,sat
13 # | | | | |
14 # * * * * * user-name command to be executed
```

This config file lists the meaning of the time specifications for setting up a cronjob. We shouldn't modify this file as it'll be over-written every time the software is updated.

12.2.1 crontab -e

One of the recommended ways to create a new cronjob is to use the command crontab -e. Each user has his own *crontab* that contains instructions to the cron daemon to execute certain tasks at a certain time. The crontab -e command opens the user's crontab in editor mode and creates a cron config file for the present user.

12.2.2 Other cron config files

Many other cron config files are located in the /etc directory.

```
1 $ ls -ld cron*
2 drwxr-xr-x. 2 root root 54 Nov 25 08:59 cron.d
3 drwxr-xr-x. 2 root root 57 Nov 25 08:59 cron.daily
4 -rw-----. 1 root root 0 Aug 3 21:03 cron.deny
5 drwxr-xr-x. 2 root root 41 Nov 25 08:59 cron.hourly
6 drwxr-xr-x. 2 root root 6 Jun 10 2014 cron.monthly
7 -rw-r----. 1 root root 451 Jun 10 2014 cron.weekly
```

Each of the folders named *cron.hourly*, *cron.daily*, *cron.weekly* and *cron.monthly* are used by RPMs to drop shell scripts that the cron daemon automatically executes on an appropriate schedule.

For example, the /etc/cron.daily has a file called man-db.cron. The mandb command (executed appropriately by this file) has to be executed periodically to rebuild the index that the man pages that we search using man - k. The file contains:

```
$ cat man-db.cron
   #!/bin/bash
   if [ -e /etc/sysconfig/man-db ]; then
   . /etc/sysconfig/man-db
   if [ "$CRON" = "no" ]; then
9
   exit 0
10
11
renice +19 -p $$ >/dev/null 2>&1
   ionice -c3 -p $$ >/dev/null 2>&1
13
14
   LOCKFILE=/var/lock/man-db.lock
15
16
   # the lockfile is not meant to be perfect, it's just in case the
17
   # two man-db cron scripts get run close to each other to keep
18
    # them from stepping on each other's toes. The worst that will
```

```
# happen is that they will temporarily corrupt the database
[[ -f $LOCKFILE ]] && exit 0

trap "{ rm -f $LOCKFILE ; exit 0; }" EXIT

touch $LOCKFILE

# create/update the mandb database
mandb $OPTS

exit 0
```

The file is *not* a typical cronjob since we don't need to tell the cron daemon when to execute it. It knows that the given shell script has to be executed once daily. There is no fixed time for the cron job to run, and thus, even if the system goes down during a certain period of time, the cron daemon will execute the job at a later time.

12.2.3 cron.d

The files in this directory look a lot more like the crontab files. Some of the contents of this directory are:

```
$ ls -l /etc/cron.d

total 12

-rw-r--r-. 1 root root 128 Aug 3 21:03 Ohourly

-rw-r--r-. 1 root root 108 Jun 13 19:38 raid-check

-rw-----. 1 root root 235 Aug 3 15:00 sysstat
```

The contents of the sysstat file is:

```
$ sudo cat sysstat
# Run system activity accounting tool every 10 minutes

*/10 * * * * root /usr/lib64/sa/sa1 1 1
# 0 * * * root /usr/lib64/sa/sa1 600 6 8
# Generate a daily summary of process accounting at 23:53
6 53 23 * * root /usr/lib64/sa/sa2 -A
```

The format followed is: time specification, name of the user under which the command has to be executed, followed by the command to be executed.

Thus, if a cronjob has to be run as an administrator, we should put it in a cron file in the /etc/cron.d directory. If however, a user-specific cron file has to be executed, then it's better to use the crontab -e command to generate and store the cronjobs for that user.

12.3 Scheduling with cron

One of the best ways to run cronjobs is to become the user that we want to run the cronjob as and then open their crontab, using the crontab -e command.

Let us consider a hypothetical scenario where we want to run a specific set of commands at 2.30PM everyday. Now, we first write the minutes(30) followed by the hour in 24-hour format [military time](2PM=14). Next, we want the script to run everyday, so we mark the day of the month, the month and the day of the week with *s (everyday of the month, every month and everyday of the week). Let us consider we want the cronjob to write something to the syslog using the logger command. Then the entry in the crontab will look like:

```
30 14 * * * logger Hello
```

Typically, the anacron utility takes care of executing the shell scripts in the *cron.hourly, cron.daily, cron.weekly and cron.monthly* directories. It ensures that the commands will be executed at appropriate times (that cannot be controlled by the user) if the machine is down on the originally scheduled time.

12.4 Using at

Before using at, we need to ensure that the atd daemon is running:

```
$ systemctl status atd -l
atd.service - Job spooling tools
Loaded: loaded (/usr/lib/systemd/system/atd.service; enabled; vendor preset: enabled)
Active: active (running) since Sat 2017-12-02 15:26:18 IST; 1 day 8h ago
Main PID: 1224 (atd)
CGroup: /system.slice/atd.service
1224 /usr/sbin/atd -f

Dec 02 15:26:18 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Started Job spooling tools.
Dec 02 15:26:18 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Starting Job spooling tools.
```

12.4.1 Scheduling using at

The syntax for using at is simple: at <time>. This will open up the at prompt which takes as input the commands to be performed. We can escape the at prompt by sending an EOF signal using CTRL+D. We can schedule a message to be logged at 2:30PM using:

```
1 # at 1:17
2 at> logger Hello @ 02:30PM!
3 at> <EOT>
4 job 1 at Mon Dec 4 14:30:00 2017
```

Alternatively, the output of another command (or a shell script) can be piped to at.

12.4.2 atq

The atq command is used to see how many at jobs are waiting to be run.

```
$ echo 'echo "2mins after 1AM" >> time.log' | at 01:02
job 9 at Mon Dec 4 01:02:00 2017
3  $ echo 'echo "3mins after 1AM" >> time.log' | at 01:03
   job 10 at Mon Dec 4 01:03:00 2017
   $ ls -l
   total 0
   $ atq
           Mon Dec 4 01:02:00 2017 a somu
           Mon Dec 4 01:03:00 2017 a somu
10 $ date
11 Mon Dec 4 01:01:54 IST 2017
12 $ ls -l
13 total 0
14 $ date
15 Mon Dec 4 01:02:04 IST 2017
16 $ ls -l
17 total 4
   -rw-rw-r--. 1 somu somu 16 Dec 4 01:02 time.log
18
20 2mins after 1AM
21
   $ date
   Mon Dec 4 01:03:01 IST 2017
   $ cat time.log
   2mins after 1AM
   3mins after 1AM
```

12.4.3 Removing jobs from atq

The jobs scheduled by at can be removed by passing their job number to atrm command.

The at jobs are stored in a file in the /var/spool/at directory in a file with a system generated name.

The output of the logger command can be checked by using tail -f /var/log/messages.

```
1  # at 1:17
2  at> logger Hello @ 12:17AM!
3  at> <EOT>
4  job 15 at Mon Dec  4 01:17:00 2017
5  [root@vmPrime at]# atq
6  15  Mon Dec  4 01:17:00 2017 a root
```

7 # tail -f /var/log/messages

- 8 Dec $\,4$ 01:12:03 vmPrime dbus[702]: [system] Successfully activated service
 - $\hookrightarrow \quad \text{'org.freedesktop.problems'}$
- 9 Dec 4 01:12:03 vmPrime dbus-daemon: dbus[702]: [system] Successfully activated service
 - \hookrightarrow 'org.freedesktop.problems'
- 10 Dec 4 01:12:28 vmPrime journal: No devices in use, exit
- 11 Dec 4 01:17:00 vmPrime root: Hello @ 12:17AM!

Chapter 13

Configuring Logging

13.1 Understanding rsyslogd and journald logging

On RHEL 7 there are two systems responsible for logging : **rsyslogd** and **journald**. These two services together to handle logging system information.

It is up to the services (containing the logging information) to decide how and where the log files will be written to. It is possible to write directly to a log file anywhere (e.g., /somewhere/my.log). The service may also choose to pass over the information to systemctl as well. The systemctl utility is used to start the service and keep track of the actions of the service while it's starting. Anything that goes through systemd will be writing to journald, which is the systemd way of logging.

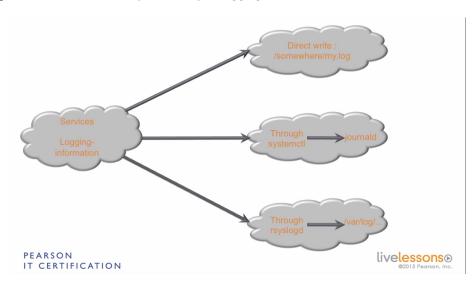


Figure 13.1: Logging Options

The classic way of logging is through the rsyslogd daemon, which typically writes information to the /var/log/ directory. Alternative locations can also be used.

Given the various ways to log information, it may also become challenging for a user to get that logged information. It can be through **journalctl** or rsyslog. It is possible to tie these two systems together.

13.1.1 Sharing logging information

To ensure that journalctl information is automatically logged to rsyslog, we need to add a couple of lines to /etc/rsyslog.conf and /etc/rsyslog.d/listend.conf:

| In /etc/rsyslog.conf: | In /etc/rsyslog.d/listend.conf: |
|--|---------------------------------|
| <pre>\$ModLoad imuxsock \$OmitLocalLogging off</pre> | \$SystemLogSocketName |

The above lines enable rsyslog to receive information logged by journald. To enable the logging of rsyslog information in journald, we only need to add in the /etc/rsyslog.conf:

```
$Modload omjournal *.* :omjournal:
```

The above lines specify that any information being logged should be sent to omjournal which is a part of journald. The information from there is available from journalctl.

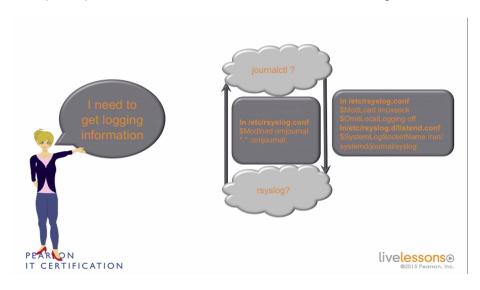


Figure 13.2: Sharing logging information between rsyslog and journald

13.2 Integrating rsyslogd and journald

Rsyslog is the old process of logging system information, and journald is the new process that's trying to do the same. Both of them are built to log process information.

13.2.1 rsyslog

Let us consider a process that's trying to write what it's doing in log files. It has two options: rsyslog and journald. If it writes to rsyslog, the advantage is that rsyslog is the system process that can handle logging for all processes. Some processes, however, just have some internal logging option (direct writes) thus bypassing rsyslog. A well known example of such a process is the *apache web server*. This is a disadvantage as if every process is doing its own logging, it's harder to manage the whole thing in a centralized way. These processes can however, be configured to write to rsyslog anyway!

13.2.2 journald

Journald is controlled by **systemd**, which takes care of starting services while booting. Systemd writes its own information to journald, and thus, if something goes wrong while starting a service, the information is available from *journald*.

For RHEL 7 in general, *journald* generally takes care of loggin the startup information logging while *rsyslog* takes care of logging current activity of processes.

13.3 Configuring rsyslog logging

[VIDEO TUTORIAL MISSING]

13.4 Working with journald

Everything that *journald* is doing is written to a binary file. The file can be explored using two methods: by using **systemctl** and **journalctl**. Journald integrates very well with systemctl and thus, systemctl commands can get information from journald and vice versa. Using systemctl status <serviceName> gives us the log information that systemctl receives from the journald environment.

13.4.1 journalctl

The journalctl command opens up the binary file that journald is writing to. Since it's a large file, there are several filtering options:

journalctl -b

The journal -b command only shows us the boot log.

```
# journalctl -b

-- Logs begin at Sat 2017-12-02 15:25:40 IST, end at Mon 2017-12-04 13:23:04 IST. --

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com systemd-journal[86]: Runtime journal is using 8.0M

-- (max allowed 289.5M, trying to leave 434.3M free of 2.

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com kernel: Initializing cgroup subsys cpuset

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com kernel: Initializing cgroup subsys cpu

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com kernel: Initializing cgroup subsys cpuacct

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com kernel: Linux version 3.10.0-693.5.2.el7.x86_64

-- (builder@kbuilder.dev.centos.org) (gcc version 4.8.5 2015

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com kernel: Command line:

-- BOOT_IMAGE=/vmlinuz-3.10.0-693.5.2.el7.x86_64 root=/dev/mapper/centos-root ro crash

Dec 02 15:25:40 vmPrime.somuVMnet.com kernel: Disabled fast string operations

...
```

One of the best features of journald is that systemd initiates it immediately during boot and thus logs about what happens even during the very first stages of RHEL boot is available.

journalctl -since=<time>

The journalctl has a method to filter all results to show us what has happened since a specified period where only the logs written after a certain period are show.

journald -u

The journal -u command shows us all the logs corresponding to a certain process.

```
# systemctl status atd -1
atd.service - Job spooling tools
Loaded: loaded (/usr/lib/systemd/system/atd.service; enabled; vendor preset: enabled)
Active: active (running) since Sat 2017-12-02 15:26:18 IST; 1 day 22h ago
Main PID: 1224 (atd)
CGroup: /system.slice/atd.service
1224 /usr/sbin/atd -f

Dec 02 15:26:18 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Started Job spooling tools.
Dec 02 15:26:18 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Starting Job spooling tools...
# journalctl -u atd
-- Logs begin at Sat 2017-12-02 15:25:40 IST, end at Mon 2017-12-04 13:37:28 IST. --
Dec 02 15:26:18 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Started Job spooling tools...
Dec 02 15:26:18 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Starting Job spooling tools...
```

Both systemctl and journald are intimately interconnected. Journald receives it's original logging information from systemctl, while the information displayed by the systemctl status command is derived from the information stored by journald. To see the information in even more detail, we use the command journalctl -u cprocessName -o verbose.

The above command gives us complete information about the environment of the process.

13.5 Understanding logrotate

Logrotate is a system that's used to ensure that logging doesn't fill the hard disk of the server. Logrotate ensures that after a specified amount of time, log files will be closed and new ones opened, and a backlog of a couple of log files will be kept. This is all done

based on the assumption that old logs are useless beyond a certain age. This has a stark disadvantage of erasing logging data that may become useful at a later date.

A solution to this problem is the use of a log server, with sufficient hard disk space to keep about a year's worth of logs. The client machines can have logrotate setup to keep only a couple of week's data since there will be a backup available on the log server.

13.6 Configuring logrotate

The configuration files for logrotate reside in the /etc directory. The generic logrotate configuration is stored in /etc/logrotate.conf while the directory /etc/logrotate.d contains include files that RPMs dump in it for package specific log rotation. Anything in the logrotate.d directory will always overwrite the settings in logrotate.conf. Typical contents of the logrotate.conf file is:

```
# see "man logrotate" for details
    # rotate log files weekly
    weekly
    # keep 4 weeks worth of backlogs
    # create new (empty) log files after rotating old ones
9
10
    # use date as a suffix of the rotated file
11
12
13
    # uncomment this if you want your log files compressed
14
15
    #compress
16
    # RPM packages drop log rotation information into this directory
17
    include /etc/logrotate.d
18
19
    # no packages own wtmp and btmp -- we'll rotate them here
20
21 /var/log/wtmp {
22 monthly
   create 0664 root utmp
24 minsize 1M
25 rotate 1
26
27
  /var/log/btmp {
28
29 missingok
30 monthly
31 create 0600 root utmp
   rotate 1
32
    }
33
```

The last two settings demonstrate how specific logrotation instructions can be given for specific files. For example, the /var/log/wtmp file has to be rotated monthly, and only 1 copy of the backlog is maintained.

Since logrotate doesn't need to run all the time, it doesn't itself run as a service, but as a cron job! The config file for logrotate cron job is /etc/cron.daily/logrotate.

13.6.1 Checking avialable hard disk space

The available hard disk space and the disk space occupied by a certain directory can be checked using these two commands:

```
# df -h
Filesystem Size Used Avail Use% Mounted on

/dev/mapper/centos-root 3.8G 3.4G 412M 90% /

devtmpfs 2.9G 0 2.9G 0% /dev

tmpfs 2.9G 0 2.9G 0% /dev/shm

tmpfs 2.9G 9.2M 2.9G 1% /run

tmpfs 2.9G 0 2.9G 0% /sys/fs/cgroup

/dev/mapper/centos-home 7.5G 65M 7.4G 1% /home

/dev/mapper/centos-var 1.9G 327M 1.6G 18% /var

/dev/sda2 485M 227M 258M 47% /boot

tmpfs 580M 4.0K 580M 1% /run/user/42

tmpfs 580M 28K 580M 1% /run/user/1000

/dev/sr0 8.1G 8.1G 0 100% /run/media/somu/CentOS 7 x86_64

tmpfs 580M 0 580M 0% /run/user/0

# du -hs /var/log

13M /var/log
```

Chapter 14

Managing Partitions

14.1 Understanding Disk Layout

There are two basic ways of organizing data on a hard disk: Partitions and LVM (Logical Volume Management). Some parts of a hard disk need to be configured with a fixed amount of storage. In such cases we use partitions. This is applicable for /boot and / in the figure. However, certain directories contain dynamic user data, and thus need to be able to grow to any size. In such cases, the partitions don't work and we need to use Logical Volumes. In the image below, sda1, sda2 & sda3 are all Physical Volume(PV)s or partitions. In linux, each partition needs to be connected to one or more directories in order to be used.

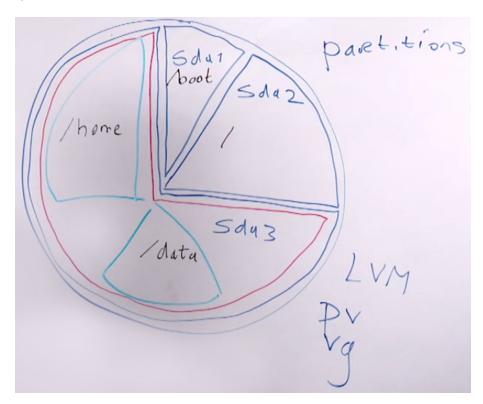


Figure 14.1: Disk Layout

In the case of Logical Volumes (LVs), just like partitions, there needs to be a Physical Volume (PV). This PV is then put in a Volume Group (Vg), represented by the red boundary

lines in the image above. From this volume group, we can create Logical Volumes (represented by the blue lines). The advantage of this method is the unused space between different LVs can be added to any of the LVs, and thus no disk space is wasted and no directory in the LV is going to be full while another is barely filled. In LVM it's very easy to grow a logical volume later!

14.2 Creating Partitions

To add a new disk to our OS, first we need to verify the storage disks that are available. For this we use the **proc** filesystem in /proc/. It acts as an interface to everything that's happening in the kernel. The /proc/partitions file contains a listing of all the disks and partitions that are currently existing.

```
$ cat /proc/partitions
   major minor #blocks name
           0 20971520 sda
           1
              2048 sda1
           2
               499712 sda2
           3 15634432 sda3
          16 10485760 sdb
   11
           0 8491008 sr0
            0 3903488 dm-0
10
             1 1953792 dm-1
11
             2 1953792 dm-2
12
                 7815168 dm-3
13
```

While *sda* is the first hard disk, the device *sdb* is a newly added one - the second hard disk avaiable in the computer. The partitions are marked by a number after the device name - *sda1*, *sda2* and *sda3*. The second hard disk doesn't have any partitions yet.

14.2.1 fdisk

fdisk is an old partitioning tool that has been revised for RHEL 7. Running the fdisk utility on /dev/sdb, the location which the OS uses to designate the second hard disk yeilds:

```
# fdisk /dev/sdb
Welcome to fdisk (util-linux 2.23.2).

Changes will remain in memory only, until you decide to write them.
Be careful before using the write command.

Device does not contain a recognized partition table
Building a new DOS disklabel with disk identifier Oxf11ab429.
```

It tells us that the disk doesn't contain any partitions (since it's brand new). The fdisk utility offers us a bunch of commands, among which we'll use:

| Options | Description |
|---------|----------------------------------|
| р | Print partition table |
| n | Add a new partition |
| W | Write the table to disk and exit |

p command

The p option gives us the current disk layout:

```
Command (m for help): p

Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors

Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes

Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes

I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes

Disk label type: dos

Disk identifier: Oxf11ab429

Device Boot Start End Blocks Id System

Command (m for help):
```

The device name is *sdb* and its size is 10.7GB. This gives it 20 Million sectors, since the size of each sector is 512B. Now we add a new partition on the disk:

```
Command (m for help): n

Partition type:

p primary (0 primary, 0 extended, 4 free)

e extended

Select (default p): p

Partition number (1-4, default 1):

First sector (2048-20971519, default 2048):

Using default value 2048

Last sector, +sectors or +size{K,M,G} (2048-20971519, default 20971519): +100M

Partition 1 of type Linux and of size 100 MiB is set

Command (m for help):
```

The default option at the prompt can be selected by simply pressing the enter key. Since there are no physical partitions already available, and since we should always choose the option to add physical partitions whenever possible, we add a new physical partition. It asks us for the starting sector, the default of which is 2048. The first 2MBs are used to store metadata. Next, we mark the end of the partition using a relative size: in this case, of 100MiB (1024^2B) . The size has to be specified with uppercase K/M/G to not be misconstrued to any other unit. Printing the partition table now shows:

```
        1
        Device Boot
        Start
        End
        Blocks
        Id
        System

        2
        /dev/sdb1
        2048
        206847
        102400
        83
        Linux
```

This new partition can then be written to the disk using $\[mu]$.

```
Command (m for help): w

The partition table has been altered!

Calling ioctl() to re-read partition table.

Syncing disks.
```

Now when we view the partitions in /proc/partitions we see:

```
# cat /proc/partitions
major minor #blocks name
```

```
0 20971520 sda
        1 2048 sda1
        2 499712 sda2
        3 15634432 sda3
  8
       16 10485760 sdb
  8
       17 102400 sdb1
        0 8491008 sr0
10 11
         0 3903488 dm-0
11 253
12 253
          1 1953792 dm-1
13 253
          2 1953792 dm-2
14 253
          3 7815168 dm-3
```

The disk now has a sdb1 partition of size 100MiB. This indicates that the disk is now ready to accept a filesystem. In case an error is show along the lines of "the device is busy", the system probably needs a restart.

14.3 Understanding File System Differences

For a RHEL 7 installation, there are several file system choices:

| File System | Description |
|-------------|---|
| XFS | The default file system for RHEL 7 and many others, built with scalability in mind. Based on a B-Tree database, which specializes in disk space allocation with high speed and makes looking up files really easy. It also has different tuning options for varying workloads. |
| Ext4 | This was the default filesystem till RHEL 6. It was based on 1993's Ext2 file system which was built to handle much smaller disks than our current needs. It uses H-Tree indexing, which is use of basic index files - suitable for thousands of files, but not practical or economical (in terms of time) for millions of files, which our systems demand. While it is not as scalable as XFS, it does provide backwards compatibility. Thus, for best performance, it shouldn't be used as a default file system. |
| Btrfs | This is a Copy-on-Write(CoW) file system, which means that before writing to a file, that file is copied somewhere else, thus making journaling unnecessary! Journalling is the system where the filesystem keeps track of the changes being made to the file to make rolling back possible. This also makes undelete operations unnecessary (which have never worked on Linux anyway). It even has added features like subvolumes. It wasn't however included in RHEL 7 First Customer Shipment (FCS). |
| vfat | Primarily for compatibility with other OSs, such as Windows. It is particularly useful for removable media such as USB sticks. This filesystem is not needed to be installed on the hard disk of the server however, even in cases where Samba provides access to files on the server (Samba handles the file system differences and translation itself). |
| GFS2 | For Active/Active High Availability (HA) Clustering Environments. Only needed when multiple nodes need to write to the same file system concurrently. For Active/Passive File HA Clusters, XFS/Ext4/etc. suffice. |
| Gluster | Gluster is a distributed file system. Thus, even though represented under the same hierarchy, it can reside on multiple servers. Storage is configured to be done in <i>bricks</i> that are spread over servers. Each brick uses XFS as their back-end file system. This is an important file system for cloud environments. |

14.4 Making the File System

Just after being created, a partition contains no file system, and thus no files can yet be stored on it. We have to create an appropriate file system using:

14.4.1 mkfs

This is actually a whole bunch of different utilities that are grouped together under the same command. They are:

```
mkfs mkfs.btrfs mkfs.cramfs mkfs.ext2 mkfs.ext3 mkfs.ext4 mkfs.fat

mkfs.minix mkfs.msdos mkfs.vfat mkfs.xfs
```

Since the default file system is XFS, mkfs.xfs is the default file system utility.

```
# mkfs.xfs --help
2 mkfs.xfs: invalid option -- '-'
3 unknown option --
4 Usage: mkfs.xfs
5 /* blocksize */
                              [-b log=n|size=num]
6 /* metadata */
                            [-m crc=0|1,finobt=0|1,uuid=xxx]
7 /* data subvol */ [-d agcount=n,agsize=n,file,name=xxx,size=num,
   (sunit=value, swidth=value|su=num, sw=num|noalign),
9 sectlog=n|sectsize=num
10 /* force overwrite */
                            [-f]
11 /* inode size */
                       [-i log=n|perblock=n|size=num,maxpct=n,attr=0|1|2,
12 projid32bit=0|1]
13 /* no discard */
                        [-K]
13 /* no discard */ L-NJ
14 /* log subvol */ [-l agnum=n,internal,size=num,logdev=xxx,version=n
sunit=value|su=num,sectlog=n|sectsize=num,
16 lazy-count=0|1]
17 /* label */
                          [-L label (maximum 12 characters)]
/* quiet */
                           [-q]
   /* realtime subvol */ [-r extsize=num,size=num,rtdev=xxx]
   /* sectorsize */ [-s log=n|size=num]
   /* version */
                         [-V]
24
   devicename
   <devicename> is required unless -d name=xxx is given.
   <num> is xxx (bytes), xxxs (sectors), xxxb (fs blocks), xxxk (xxx KiB),
   xxxm (xxx MiB), xxxg (xxx GiB), xxxt (xxx TiB) or xxxp (xxx PiB).
28
    <value> is xxx (512 byte blocks).
```

The **block size (-b)** should be larger when primarily dealing with large files. This way, lesser blocks are used, and the administration of large files becomes easier. The **inode size (-i)** should be larger if it is known beforehand that lots of advanced stuff that stores metadata in inodes will be used. The *label (-L)* sets the name for that filesystem. To actually create the file system, we use the command:

```
meta-data=/dev/sdb1 isize=512 agcount=4, agsize=65536 blks

2 = sectsz=512 attr=2, projid32bit=1

3 = crc=1 finobt=0, sparse=0

4 data = bsize=4096 blocks=262144, imaxpct=25
```

```
5=sunit=0swidth=0 blks6naming=version 2bsize=4096ascii-ci=0 ftype=17log=internal logbsize=4096blocks=2560, version=28=sectsz=512sunit=0 blks, lazy-count=19realtime=noneextsz=4096blocks=0, rtextents=0
```

14.5 Mounting the Partition Manually

The new partition is mounted using the mount command. For recurring mounting, it's advisable to create a permanent mounting directory. For temporary mounts, we can use /mnt. The mounting operation can be verified by typing the mount command. The command to mount the new partition sdb1 on the /mnt directory is:

Mounting means connecting some device or functionality to a particular directory. This not only includes removable media and peripheral device directories, but also many system settings (such as the /proc file system or the /sys file system).

To view only the devices that have been mounted, we can use:

```
# mount | grep ^/dev
dev/mapper/centos-root on / type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
dev/mapper/centos-home on /home type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sda2 on /boot type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/mapper/centos-var on /var type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sr0 on /run/media/somu/CentOS 7 x86_64 type iso9660

// (ro,nosuid,nodev,relatime,uid=1000,gid=1000,iocharset=utf8,mode=0400,dmode=0500,uhelper=udisks2)

/dev/sdb1 on /mnt type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
```

14.5.1 umount

The umount command is used to unmount a mounted directory. This is to ensure that no files are open and cannot be damaged by the sudden removal of the file system. The umount command takes as parameter either the device name or the directory where it is mounted. So, both /dev/sdb1 and /mnt are valid parameters to unmount the new partition.

```
# umount /dev/sdb1
# mount | grep ^/dev

/dev/mapper/centos-root on / type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/mapper/centos-home on /home type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sda2 on /boot type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/mapper/centos-var on /var type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sr0 on /run/media/somu/CentOS 7 x86_64 type iso9660

/ro,nosuid,nodev,relatime,uid=1000,gid=1000,iocharset=utf8,mode=0400,dmode=0500,uhelper=udisks2)
```

The device /dev/sdb1 is no longer mounted, as can be seen from the output. A major challenge that may be presented by this is the fact that the device names may change at any time! Today the device that's called /dev/sdb1 may change to /dev/sdc1 if the OS detects the devices (and names them) in another order, thus making our references to them useless. For this reason the *Universally Unique ID (UUID)* of a device can be used to refer to it. The UUID of all existing devices can be displayed using:

```
# blkid
/dev/sda2: UUID="1c55e935-8099-49c4-8c72-0bc1ff7c396a" TYPE="xfs"
/dev/sda3: UUID="DfepDW-igyh-eI6D-SgBB-3HV5-QTQT-EI3Pc2" TYPE="LVM2_member"
/dev/sdb1: LABEL="myfs" UUID="00a8c244-8781-492c-a6ad-85624780e1e8" TYPE="xfs"
/dev/sr0: UUID="2017-09-06-10-53-42-00" LABEL="Cent0S 7 x86_64" TYPE="iso9660"
→ PTTYPE="dos"
/dev/mapper/centos-root: UUID="d2fe3168-4eef-431b-9a8e-eb59dae10bcb" TYPE="xfs"
/dev/mapper/centos-swap: UUID="24b0103c-d574-4623-bc85-9255076e3b7d" TYPE="swap"
/dev/mapper/centos-var: UUID="ed13b5f3-1b26-48f7-81cb-03a2bad5fc61" TYPE="xfs"
/dev/mapper/centos-home: UUID="710a33e6-7e52-4c06-830d-e53ae0d58fed" TYPE="xfs"
```

As can be seen, the label for the file system is also shown using the blkid command. Both the UUID and the label for the file system can be used to reference the device while using the mount command:

14.6 Understanding /etc/fstab

The names of the devices in /etc/fstab are not based on their actual device names, but either the LVM volume names or their UUID. The typical /etc/fstab file looks like:

```
# cat fstab
1
2
3
   # /etc/fstab
4
   # Created by anaconda on Sat Nov 25 08:44:04 2017
    \# Accessible filesystems, by reference, are maintained under '/dev/disk'
    # See man pages fstab(5), findfs(8), mount(8) and/or blkid(8) for more info
9
    /dev/mapper/centos-root /
                                                    xfs
                                                            defaults
                                                                            0 0
10
    UUID=1c55e935-8099-49c4-8c72-0bc1ff7c396a /boot
                                                                      xfs
                                                                            defaults
    /dev/mapper/centos-home /home
                                                            defaults
                                                                            0 0
12
                                                                            0 0
    /dev/mapper/centos-var /var
                                                    xfs
                                                            defaults
                                                            defaults
                                                                            0 0
    /dev/mapper/centos-swap swap
                                                    swap
```

The first parameter is the UUID or the LVM volume name. The second is the directory in the FHS where the disk will be mounted. This is followed by the file system type and then the mount options. The first among the last two numbers is the option for backup support, specifically an old utility called dump-backup. Some enterprise backup utilities need dump

functionality provided by this option to operate, even though they don't really use the dump-backup program. The last number is fsck - file system check. The concept is to check the file system at boot time before it is mounted and data on it is accessed. There are three valid options: **0** (off), **1** (check the root [/] file system) and finally **2** (check non-root file system).

14.7 Mounting partitions via /etc/fstab

To automount the device /dev/sdb1, all we need to do is add the following line to /etc/fstab:

```
dev/sdb1 /data xfs defaults 1 2
```

Note however that the above won't guarantee that the *proper* file system will always be mounted as it's dependent on the order in which the OS detects the disks! So, it's better to use the UUIDs of the file systems to track them. We use the UUID to auto mount the file system with:

```
# /etc/fstab
    # Created by anaconda on Sat Nov 25 08:44:04 2017
    # Accessible filesystems, by reference, are maintained under '/dev/disk'
    # See man pages fstab(5), findfs(8), mount(8) and/or blkid(8) for more info
    /dev/mapper/centos-root /
                                                            defaults
                                                    xfs
    UUID=1c55e935-8099-49c4-8c72-0bc1ff7c396a /boot
                                                                     xfs
                                                                             defaults
                                                                            0 0
   /dev/mapper/centos-home /home
                                                            defaults
                                                    xfs
10
   /dev/mapper/centos-var /var
                                                                            0 0
                                                    xfs
                                                            defaults
11
                                                            defaults
                                                                            0 0
    /dev/mapper/centos-swap swap
                                                    swap
   UUID=00a8c244-8781-492c-a6ad-85624780e1e8 /data xfs
                                                            defaults
                                                                            1 2
```

To confirm the mount, we use the mount -a command, which tries to mount everything that hasn't been mounted yet.

```
# mount -a
mount: mount point /data does not exist
```

In this case, since the directory /data doesn't exist, the mounting failed. The mount system doesn't create a new directory (mounting location) if it doesn't yet exist. We remedy this by:

```
# ls

bin boot dev downloads etc home lib lib64 media mnt opt proc root run sbin

srv sys tmp usr var

# mkdir data

# mount -a

# mount | grep ^/dev/

dev/mapper/centos-root on / type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/mapper/centos-home on /home type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sda2 on /boot type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/mapper/centos-var on /var type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sr0 on /run/media/somu/Cent0S 7 x86_64 type iso9660

(ro,nosuid,nodev,relatime,uid=1000,gid=1000,iocharset=utf8,mode=0400,dmode=0500,uhelper=udisks2)

/dev/sdb1 on /mnt type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)

/dev/sdb1 on /data type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
```

As is evident from the last line of the output, the file system has been properly mounted and is ready for use. An alternative way to mount it using fstab would've been to use the label for the disk instead of the UUID, such as:

```
1 LABEL=myfs /data xfs defaults 1 2
```

14.7.1 Managing xfs file systems using xfs_commands

The new xfs file system provides a set of commands that start with $xfx_$ that help administer any xfs partition. They are:

```
xfs_admin xfs_copy xfs_estimate xfs_fsr xfs_info
xfs_logprint xfs_metadump xfs_ncheck xfs_repair xfs_bmap
xfs_db xfs_freeze xfs_growfs xfs_io xfs_mdrestore
xfs_mkfile xfs_quota xfs_rtcp
```

To add a new label to the boot device, we use xfs_{admin} command with the -L command. Let us say, we want to label the boot partition on our system. To find out which partition is mapped to /boot we use the lsblk command.

```
# lsblk
   NAME
                 MAJ:MIN RM SIZE RO TYPE MOUNTPOINT
                  8:0 0 20G 0 disk
                 8:1 0 2M 0 part
                 8:2 0 488M 0 part /boot
                8:3 0 14.9G 0 part
   centos-root 253:0 0 3.7G 0 lvm /
   centos-var 253:2 0 1.9G 0 lvm /var
   centos-home 253:3 0 7.5G 0 lvm /home
10
                  8:16 0 10G 0 disk
11
                8:17 0 1G 0 part /data
   sdb1
12
                         1 8.1G 0 rom /run/media/somu/CentOS 7 x86_64
   sr0
                  11:0
13
   # blkid
14
   /dev/sda2: UUID="1c55e935-8099-49c4-8c72-0bc1ff7c396a" TYPE="xfs"
15
   /dev/sda3: UUID="DfepDW-igyh-e16D-SgBB-3HV5-QTQT-E13Pc2" TYPE="LVM2_member"
   /dev/sdb1: LABEL="myfs" UUID="00a8c244-8781-492c-a6ad-85624780e1e8" TYPE="xfs"
   /dev/sr0: UUID="2017-09-06-10-53-42-00" LABEL="CentOS 7 x86_64" TYPE="iso9660"
    → PTTYPE="dos"
   /dev/mapper/centos-root: UUID="d2fe3168-4eef-431b-9a8e-eb59dae10bcb" TYPE="xfs"
    /dev/mapper/centos-swap: UUID="24b0103c-d574-4623-bc85-9255076e3b7d" TYPE="swap"
    /dev/mapper/centos-var: UUID="ed13b5f3-1b26-48f7-81cb-03a2bad5fc61" TYPE="xfs"
    /dev/mapper/centos-home: UUID="710a33e6-7e52-4c06-830d-e53ae0d58fed" TYPE="xfs"
    # xfs_admin -L bootdevice /dev/sda2
23
   xfs_admin: /dev/sda2 contains a mounted filesystem
24
25
   fatal error -- couldn't initialize XFS library
```

The /boot partition was auto-mounted at start up, and thus it needs to be unmounted first before it can be edited. So, we take the following steps:

```
# umount /boot

# xfs_admin -L bootdevice /dev/sda2

writing all SBs

new label = "bootdevice"
```

14.8 Understanding Encrypted Partitions

VIDEO TUTORIAL MISSING

14.9 Creating a LUKS Encrypted Partition

To create the encrypted partition, we once again use the fdisk utility. Since we want to put this partition on the /dev/sdb device, we use:

```
# fdisk /dev/sdb
   Welcome to fdisk (util-linux 2.23.2).
   Changes will remain in memory only, until you decide to write them.
   Be careful before using the write command.
   Command (m for help): p
10 Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
11 Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
12 Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
13 I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
14 Disk label type: dos
15 Disk identifier: Oxf11ab429
17 Device Boot
                 Start
                            End
                                       Blocks Id System
                  2048 2099199 1048576 83 Linux
18 /dev/sdb1
```

At first we ensure that sufficient disk space is available via printing the existing file system details on the disk. In this example, we can see that the number of available sectors on the disk is 20,971,520 while the End=2,099,199 tells us that only those sectors are used till now. Thus, we can add a new encrypted partition. The initial procedure is same as creating a normal partition:

```
Command (m for help): n

Partition type:

p primary (1 primary, 0 extended, 3 free)

e extended

Select (default p): p

Partition number (2-4, default 2):

First sector (2099200-20971519, default 2099200):
```

```
Using default value 2099200
    Last sector, +sectors or +size{K,M,G} (2099200-20971519, default 20971519): +100M ^{-1}
   Partition 2 of type Linux and of size 100 MiB is set
10
11
12 Command (m for help): p
13
14 Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
16 Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
17 I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
18 Disk label type: dos
19 Disk identifier: Oxf11ab429
20
                  Start
21 Device Boot
                              End Blocks Id System
22 /dev/sdb1 2048 2099199 1048576 83 Linux
23 /dev/sdb2 2099200 2303999 102400 83 Linux
24
25
   Command (m for help): w
   The partition table has been altered!
26
27
   Calling ioctl() to re-read partition table.
28
29
   WARNING: Re-reading the partition table failed with error 16: Device or resource busy.
30
    The kernel still uses the old table. The new table will be used at
31
    the next reboot or after you run partprobe(8) or kpartx(8)
32
    Syncing disks.
33
34
35
    # partprobe /dev/sdb
36
    # cat /proc/partitions
37
    major minor #blocks name
            0 20971520 sda
            1
                  2048 sda1
                499712 sda2
            2
41
            3 15634432 sda3
42
            16 10485760 sdb
43
           17
                1048576 sdb1
44
                 102400 sdb2
           18
45
                8491008 sr0
            0
46
    11
                3903488 dm-0
    253
            0
47
               1953792 dm-1
           1
    253
48
    253
            2 1953792 dm-2
49
    253
         3 7815168 dm-3
50
```

The partprobe /dev/sdb command updates the kernel parititon table, i.e., tells the kernel about the changes in the partition table on that device so that the kernel can provide the required functionality.

14.9.1 Formatting the new partition

To encrypt the new partition we use the cryptsetup command. An argument of luksFormat is required to specify the encryption formatting. We encrypt /dev/sdb2 by:

```
# cryptsetup luksFormat /dev/sdb2

WARNING!

=======

This will overwrite data on /dev/sdb2 irrevocably.
```

```
6
7 Are you sure? (Type uppercase yes): YES
8 Enter passphrase:
9 Verify passphrase:
10 #
```

Now that our encrypted partition has been created, we need to open it to use it. For this we can use a custom-made dedicated mount point such as /secret. Then, we have to open the partition using cryptsetup luskOpen before we can mount it. At this point, we also have to provide a name for the partition. Finally, we go to the /dev/mapper directory to ensure that the new partition has been successfully loaded.

```
# cryptsetup luksOpen /dev/sdb2 secret
Enter passphrase for /dev/sdb2:
[root@vmPrime /]# cd /dev/mapper
[root@vmPrime mapper]# ls
centos-home centos-root centos-swap centos-var control secret
```

Since we can see the required partition in the /dev/mapper directory, we can be sure that the partition was opened successfully! The complete path of our partition is /dev/mapper/secret. Now we can proceed to create a file system on it: (let's assume we want to format the disk as ext4)

```
# mkfs.ext4 /dev/mapper/secret
   mke2fs 1.42.9 (28-Dec-2013)
   Filesystem label=
4 OS type: Linux
5 Block size=1024 (log=0)
6 Fragment size=1024 (log=0)
7 Stride=0 blocks, Stripe width=0 blocks
   25168 inodes, 100352 blocks
   5017 blocks (5.00%) reserved for the super user
   First data block=1
   Maximum filesystem blocks=33685504
   13 block groups
   8192 blocks per group, 8192 fragments per group
    1936 inodes per group
15
    Superblock backups stored on blocks:
16
    8193, 24577, 40961, 57345, 73729
17
18
   Allocating group tables: done
19
    Writing inode tables: done
   Creating journal (4096 blocks): done
   Writing superblocks and filesystem accounting information: done
```

The encrypted partition is now ready to be mounted and used. We do this by:

```
# mkdir /secret
# mount /dev/mapper/secret /secret
# cd /secret
```

While we normally might never need to close the encrypted partition, if for example we have a partition that's stored on an external device, we first need to unmount it, followed by performing a cryptsetup luksClose.

```
[root@vmPrime ~] # umount /secret
[root@vmPrime ~] # cryptsetup luksClose /dev/mapper/secret
```

The folder /secret within /dev/mapper has disappeared as it's been saved to the original encrypted partition where no one can access the data without decryption.

Now, if we want to automount the partition, we need to add an entry for it in the /etc/fstab file:

| 1 | /dev/mapper/secret | /secret | ext4 | defaults | 1 2 |
|---|--------------------|---------|------|----------|-----|
| | | | | | |

However, the above code work since at the time the /etc/fstab file is processes, there is no /dev/mapper/secret directory during boot since the file system on the encrypted partition won't be open yet! To do this, we need to create/edit the /etc/crypttab file, with the following contents:

```
secret /dev/sda2 none
```

The first value in the file is the name that's to be assigned to the partition in the /dev/mapper/directory, the second is the device name, and the third, the name of password file to be used. Since we're not using a password file, we've left it as *none*. Thus, the system will prompt for the passphrase at boot to open and mount the LUKS encrypted device. Now, to confirm the auto mounting of the device, we need to reboot.

14.10 Dealing with "Enter root password for maintenance mode"

If there is an error within our /etc/fstab file, our OS will fail to boot. This puts us in emergency mode, which lets us log in as the root user to troubleshoot. Since it's a boottime error, a good idea is to use the journalctl -xb to view the journald logs, which may help us locate the problem.

If the error is along the line of "the device timed out", then there is probably a typo in the device name. We can then fix the error and reboot the server.

Chapter 15

Managing LVM Logical Volumes

15.1 Why use LVM

LVM provides a flexible approach to storage:

- Volumes can consist of more than one disk.
- Volumes can be made smaller or larger easily.
- It is easy to replace failing disks.
- Provides advanced options like working with snapshots a method by which backups can be made of files while they're open!
- It is easy to add many new volumes. While with partitions, there is a limit of 15 partitions, there can be as many as 256 logical volumes.

15.2 Understanding LVM Setup

When working with LVM, we always start with physical storage media such as a hard disk (*sda*). Typically, a partition on the hard disk is marked as the physical volume. Now, this physical volume is added to the **volume group** which is essentially an abstraction of all the storage available. Thus, all logical volumes are created from this volume group, and from their perspective, the physical volume that's acting as it's storage media isn't important.

Once the logical volume is made from the storage in the volume group, we get a device called /dev/vgroup/logvol. This is the device for the logical volume on which we create the file system. As long as there is space on the volume group, we can add new logical volumes on it. If there isn't we can also add a physical volume to the volume group, to increase its capacity.

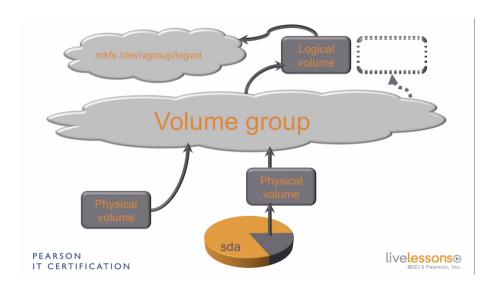


Figure 15.1: LVM Setup

15.3 Creating an LVM Logical Volume

To create a new LVM partition, first we need to make a partition like any other partition.

```
# fdisk /dev/sdb
   Welcome to fdisk (util-linux 2.23.2).
   Changes will remain in memory only, until you decide to write them.
    Be careful before using the write command.
   Command (m for help): p
   Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
   Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
   Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
12
   I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
13
   Disk label type: dos
14
   Disk identifier: 0xf11ab429
15
16
   Device Boot
                  Start
                               End
                                        Blocks Id System
17
                   2048 4196351 2097152 5 Extended
   /dev/sdb1
18
   /dev/sdb5
                      4096 2101247
                                          1048576 83 Linux
19
   /dev/sdb6
                   2103296
                             4196351
                                           1046528 83 Linux
20
21
22 Command (m for help): n
23 Partition type:
p primary (0 primary, 1 extended, 3 free)
25 l logical (numbered from 5)
26 Select (default p): p
Partition number (2-4, default 2):
28 First sector (4196352-20971519, default 4196352):
29 Using default value 4196352
30 Last sector, +sectors or +size{K,M,G} (4196352-20971519, default 20971519): +100M
31 Partition 2 of type Linux and of size 100 MiB is set
32
   Command (m for help): p
33
34
```

```
35 Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
36 Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
37 Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
   I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
38
   Disk label type: dos
39
   Disk identifier: 0xf11ab429
40
41
                             End Blocks Id System
42 Device Boot Start
43 /dev/sdb1
                 2048 4196351 2097152 5 Extended
                  4196352 4401151
                                        102400 83 Linux
44 /dev/sdb2
                  4096 2101247 1048576 83 Linux
45 /dev/sdb5
46 /dev/sdb6 2103296 4196351 1046528 83 Linux
47 # fdisk /dev/sdb
48 Welcome to fdisk (util-linux 2.23.2).
49
   Changes will remain in memory only, until you decide to write them.
50
   Be careful before using the write command.
51
52
53
54 Command (m for help): p
55
56 Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
57 Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
   Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
58
   I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
59
   Disk label type: dos
60
61 Disk identifier: 0xf11ab429
62
                 Start End Blocks Id System
63 Device Boot
              2048 4196351 2097152 5 Extend
4096 2101247 1048576 83 Linux
64
                                      2097152 5 Extended
   /dev/sdb1
   /dev/sdb5
65
   /dev/sdb6 2103296 4196351 1046528 83 Linux
66
   Command (m for help): n
68
69
   Partition type:
   p primary (0 primary, 1 extended, 3 free)
      logical (numbered from 5)
71
   Select (default p): p
72
   Partition number (2-4, default 2):
73
   First sector (4196352-20971519, default 4196352):
74
   Using default value 4196352
75
   Last sector, +sectors or +size{K,M,G} (4196352-20971519, default 20971519): +100M
76
   Partition 2 of type Linux and of size 100 MiB is set
77
78
79
   Command (m for help): p
80
   Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
81
   Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
   Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
   I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
   Disk label type: dos
86 Disk identifier: Oxf11ab429
88
  Device Boot
                 Start End Blocks Id System
  /dev/sdb1
                 2048 4196351 2097152 5 Extended
90 /dev/sdb2
                  4196352 4401151
                                        102400 83 Linux
91 /dev/sdb5
                  4096 2101247 1048576 83 Linux
92 /dev/sdb6
                  2103296 4196351 1046528 83 Linux
```

Now that we have specified the details of our new partition, we need to change one more before we can use the LVM partitions. We enter the command t to change the partition

type, and then show the overview of all the acceptable partition types using 1. From the command below, we can see that there is a partition type called **Linux LVM** which suits our requirements.

```
Command (m for help): t
   Partition number (1,2,5,6, default 6): 2
   Hex code (type L to list all codes): L
    0 Empty
                     24 NEC DOS
                                    81 Minix / old Lin bf Solaris
   1 FAT12
                   27 Hidden NTFS Win 82 Linux swap / So c1 DRDOS/sec (FAT-
   2 XENIX root 39 Plan 9 83 Linux c4 DRDOS/sec (FAT-
                   3c PartitionMagic 84 OS/2 hidden C: c6 DRDOS/sec (FAT-
   3 XENIX usr
   4 FAT16 <32M 40 Venix 80286 85 Linux extended c7 Syrinx
   5 Extended 41 PPC PReP Boot 86 NTFS volume set da Non-FS data 6 FAT16 42 SFS 87 NTFS volume set db CP/M / CTOS
10
   6 FAT16 42 SFS 87 NTFS volume set db CP/M / CTOS / .
7 HPFS/NTFS/exFAT 4d QNX4.x 88 Linux plaintext de Dell Utility
11
12
           4e QNX4.x 2nd part 8e Linux LVM df BootIt
13
   9 AIX bootable 4f QNX4.x 3rd part 93 Amoeba
                                                         e1 DOS access
14
   a OS/2 Boot Manag 50 OnTrack DM 94 Amoeba BBT e3 DOS R/O
b W95 FAT32 51 OnTrack DM6 Aux 9f BSD/OS e4 SpeedStor
15
16
   c W95 FAT32 (LBA) 52 CP/M aO IBM Thinkpad hi eb BeOS fs
17
   e W95 FAT16 (LBA) 53 OnTrack DM6 Aux a5 FreeBSD ee GPT
   f W95 Ext'd (LBA) 54 OnTrackDM6 a6 OpenBSD ef EFI (FAT-12/16/

10 OPUS 55 EZ-Drive a7 NeXTSTEP f0 Linux/PA-RISC 10

11 Hidden FAT12 56 Golden Bow a8 Darwin UFS f1 SpeedStor
19
                                                          fO Linux/PA-RISC b
20
21
   18 AST SmartSleep 65 Novell Netware b8 BSDI swap fd Linux raid auto
    1b Hidden W95 FAT3 70 DiskSecure Mult bb Boot Wizard hid fe LANstep
    1c Hidden W95 FAT3 75 PC/IX be Solaris boot ff BBT
    1e Hidden W95 FAT1 80 Old Minix
    Hex code (type L to list all codes): 8e
30
    Changed type of partition 'Linux' to 'Linux LVM'
31
32
   Command (m for help): p
33
34
   Disk /dev/sdb: 10.7 GB, 10737418240 bytes, 20971520 sectors
35
   Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
36
    Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
37
    I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
38
    Disk label type: dos
39
   Disk identifier: 0xf11ab429
40
41
   Device Boot
                 Start
                              End Blocks Id System
42
  /dev/sdb1
                  2048 4196351 2097152 5 Extended
   /dev/sdb2
                    4196352 4401151
                                          102400 8e Linux LVM
44
                    4096 2101247 1048576 83 Linux
   /dev/sdb5
45
                  2103296 4196351 1046528 83 Linux
   /dev/sdb6
47
   Command (m for help): w
   The partition table has been altered!
49
50
   Calling ioctl() to re-read partition table.
51
52
   WARNING: Re-reading the partition table failed with error 16: Device or resource busy.
53
   The kernel still uses the old table. The new table will be used at
54
   the next reboot or after you run partprobe(8) or kpartx(8)
55
    Syncing disks.
56
    # partprobe
```

We enter the value 8e since it's the code for the Linux LVM partition that we need. Finally, we use p to print the partition table and verify our partition, w to save the changes and partprobe to push the changes to the kernel.

15.3.1 Creating a Physical Volume

A physical volume is just a partition with the LVM metadata added to it. The volume groups built from the PVs are not possible to build without this metadata stored in the partitions. The physical volumes are created using pvcreate. We can show all physical volumes using pvs.

```
# pvcreate /dev/sdb2
Physical volume "/dev/sdb2" successfully created.

# pvs
PV VG Fmt Attr PSize PFree
/dev/sda3 centos lvm2 a-- <14.91g 4.00m
/dev/sdb2 lvm2 --- 100.00m 100.00m
```

The pvs command tells us that we have a physical volume called /dev/sdb2 which isn't in a volume group yet, has a LVM2 formatting, has a partition size of 100MB and has the same amount of free space.

15.3.2 Creating a Volume Group

Next, we create a new volume group using the vgcreate command. Again, we can check the volume groups on our system using the vgs command.

```
# vgcreate vgPrime /dev/sdb2
Volume group "vgPrime" successfully created
# vgs
VG #PV #LV #SN Attr VSize VFree
centos 1 4 0 wz--n- <14.91g 4.00m
vgPrime 1 0 0 wz--n- 96.00m 96.00m</pre>
```

The volume group *vgPrime* has 1 PV in it (/dev/sda2), no logical volumes, And has a Volume size of 96MB, all of which is free!

15.3.3 Creating a Logical Volume

The creating of a Logical Volume on a VG requires specifying the size of the logical volume. This can be done in two ways: by counting the number of extents (building blocks of LVM) [-1] or the actual size on disk (KB, MB, GB, TB, etc.)[-L]. Finally, we also can provide the name of the LV using the -n option.

```
1  # lvcreate -n lvPrime -L 96M vgPrime
2  Logical volume "lvPrime" created.
3  # lvs
4  LV  VG   Attr   LSize  Pool Origin Data%  Meta%  Move Log Cpy%Sync Convert
5  home    centos    -wi-ao----  7.45g
6  root    centos    -wi-ao----  3.72g
```

```
7 swap centos -wi-ao---- 1.86g
8 var centos -wi-ao---- 1.86g
9 lvPrime vgPrime -wi-a---- 96.00m
```

15.3.4 Creating a File system on the LV

Now, since the LV is ready, we can put a file system on it. We refer to the logical volume device by /dev/<volumeGroupName>/<logicalVolumeName>.

```
# mkfs.ext2 /dev/vgPrime/lvPrime
2 mke2fs 1.42.9 (28-Dec-2013)
3 Filesystem label=
4 OS type: Linux
5 Block size=1024 (log=0)
6 Fragment size=1024 (log=0)
7 Stride=0 blocks, Stripe width=0 blocks
   24576 inodes, 98304 blocks
   4915 blocks (5.00%) reserved for the super user
10 First data block=1
11 Maximum filesystem blocks=67371008
12 12 block groups
13 8192 blocks per group, 8192 fragments per group
14 2048 inodes per group
15 Superblock backups stored on blocks:
   8193, 24577, 40961, 57345, 73729
17
   Allocating group tables: done
18
   Writing inode tables: done
19
   Writing superblocks and filesystem accounting information: done
20
21
    # mount /dev/vgPrime/lvPrime /mnt
    # mount | grep ^/dev/
    /dev/mapper/centos-root on / type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
    /dev/sdb5 on /data type ext4 (rw,relatime,seclabel,data=ordered)
    /dev/mapper/centos-var on /var type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
    /dev/mapper/centos-home on /home type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
    /dev/sda2 on /boot type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
   /dev/sr0 on /run/media/somu/CentOS 7 x86_64 type iso9660
      \leftarrow \quad (\texttt{ro,nosuid,nodev,relatime,uid=1000,gid=1000,iocharset=utf8,mode=0400,dmode=0500,uhelper=udisks2)} 
    /dev/mapper/vgPrime-lvPrime on /mnt type ext2 (rw,relatime,seclabel)
```

Here, we can see that there is a strange behavior with the device that is mounted. While we issued the command to mount /dev/vgPrime/lvPrime, the device that was actually mounted is shown as /dev/mapper/vgPrime-lvPrime. This is because both those names are symlinks to the real name of the device (*dm-5*):

```
# ls -l /dev/mapper/vgPrime-lvPrime /dev/vgPrime/lvPrime

2 lrwxrwxrwx. 1 root root 7 Dec 11 15:13 /dev/mapper/vgPrime-lvPrime -> ../dm-5

3 lrwxrwxrwx. 1 root root 7 Dec 11 15:13 /dev/vgPrime/lvPrime -> ../dm-5
```

The device /dev/dm-5 is a Device Mapper device, which is the same as used in case of LUKS encrypted volumes.

15.4 Understanding Device Mapper and LVM Device Names

The device mapper is an abstraction layer that the kernel works with to communicate with certain types of storage devices. Both LUKS encrypted partitions and LVM use the device mapper. Other devices such as software RAID and multipath also have to communicate via the device mapper.

Contrastingly, the XFS, Ext4, etc file systems work with the help of the VFS (Virtual File System) layer (instead of the Device Mapper abstraction layer). The device mapper has the devices present as dm-* (dm-0, dm-1, etc.) but we shouldn't use them. The names are assigned during boot, and are subject to change at any time! This is why the device mapper provides a bunch of symlinks to the related devices in the /device/mapper directory. They are: /dev/mapper/vg-lv and /dev/vg/lv which are both symlinks to the same device.

15.5 Understanding LVM resize operations

The structure of LVMs are simple: the file system (FS) are installed on Logical Volumes (LV). These Logical Volumes get their disk space from Volume Groups (VG) which use several Physical Volumes (PV) that actually hold the data and provides the disk space.

15.5.1 Extending the File System

To expand the disk capacity of the file system, we need more space in the Logical volume. This means that (possibly) more space has to be added to the Volume Group itself, and thus, more physical volumes may need to be added.

So, first we need to create a new physical volume, and then assign it to the volume group. Then it is possible to grow the logical volume, and finally extend the file system.

15.5.2 Shrinking the File System

At first we have to reduce the size of the file system, and then reduce the size of the logical volume. If we don't there will be a file system with a bigger size than the logical partition it's residing on.

Thus, after reducing the file system size and then the logical volume size, we can then reduce the size of the volume group (if needed).

15.6 Growing an LVM Logical Volume

We can grow the LVM volume if we're running out of disk space and want to make it bigger. We typically check the amount of free space using df -h (disk free - human-readable) command:

```
2.9G 9.1M 2.9G 1%/run
6 tmpfs
7 tmpfs
                         2.9G 0 2.9G 0%/sys/fs/cgroup
   /dev/sdb5
                         976M 2.6M 907M 1% /data
                         1.9G 365M 1.5G 20%/var
  /dev/mapper/centos-var
10 /dev/mapper/centos-home 7.5G 68M 7.4G 1% /home
11 /dev/sda2
                          485M 266M 220M 55% /boot
12 tmpfs
                         580M 4.0K 580M 1% /run/user/42
                         580M 36K 580M 1% /run/user/1000
13 tmpfs
14 /dev/sr0
                         8.1G 8.1G 0 100% /run/media/somu/CentOS 7 x86_64
15 /dev/mapper/vgPrime-lvPrime 93M 1.6M 87M 2% /mnt
```

Now, since it's an LVM, the order in which we grow the different components matter. To make the filesystem bigger, first we check the LV size and then check to see if there's any free space in the VG:

```
# lvs

LV VG Attr LSize Pool Origin Data% Meta% Move Log Cpy%Sync

Convert

root centos_cliserver -wi-ao---- <17.00g

swap centos_cliserver -wi-ao---- 2.00g

lvCLI vgCLI -wi-a---- 100.00m

# vgs

VG #PV #LV #SN Attr VSize VFree

centos_cliserver 1 2 0 wz--n- <19.00g 0

vgCLI 2 1 0 wz-n- 192.00m 92.00m
```

From the last line of the command, we can see that vgPrime has 0 VFree (i.e., free space in the VG). Thus, we need to work bottom up and make it bigger before we can make the LV and the FS bigger. So, we run fdisk on /dev/sdb.

```
# fdisk /dev/sdb
    Welcome to fdisk (util-linux 2.23.2).
    Changes will remain in memory only, until you decide to write them.
    Be careful before using the write command.
8
    Command (m for help): p
10
    Disk /dev/sdb: 4294 MB, 4294967296 bytes, 8388608 sectors
11
    Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
    Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
    I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
    Disk label type: dos
14
    Disk identifier: 0x9287c46d
15
16
                                  End Blocks Id System
17 Device Boot Start
   /dev/sdb1
   /dev/sdb1 2048 206847 102400 83 Linux
/dev/sdb2 206848 411647 102400 83 Linux
/dev/sdb3 411648 821247 204800 83 Linux LVM
18
19
20
```

15.6.1 Creating a new logical volume in an extended partition to add to the VG

Now, we add a new partition. However, since on the given disk there's already 3 primary partitions, and there can only be a total of 4 partitions on a disk (max of 3 primary and 1

extended that can contain several logical partitions), the system defaults the last partition to be an extended one.

```
Command (m for help): n
1
    Partition type:
    p primary (3 primary, 0 extended, 1 free)
       extended
4
    Select (default e):
5
    Using default response e
    Selected partition 4
   First sector (821248-8388607, default 821248):
   Using default value 821248
   Last sector, +sectors or +size{K,M,G} (821248-8388607, default 8388607):
10
   Using default value 8388607
11
   Partition 4 of type Extended and of size 3.6 GiB is set
12
13
14
   Command (m for help): p
15
16 Disk /dev/sdb: 4294 MB, 4294967296 bytes, 8388608 sectors
Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
   Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
   I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
20 Disk label type: dos
Disk identifier: 0x9287c46d
22
23 Device Boot Start End Blocks Id System
24 /dev/sdb1
                  2048 206847 102400 83 Linux
                   206848 411647
                                         102400 83 Linux
25 /dev/sdb2
26 /dev/sdb3
27 /dev/sdb4
                   411648 821247
                                         204800 83 Linux LVM
                   821248 8388607 3783680 5 Extended
```

Typically, we want the extended partition to take whatever disk space is left, since otherwise the space is wasted and rendered unusable due to the MBR convention used by BIOS. However, if UEFI is used, the usage of GUID (Globally Unique ID) Partition Tables (GPT) which lifts this restriction.

Now, we have to add a logical partition on the disk. Since all 4 partitions are in use, the system defaults to adding a new logical partition on the extended partition automatically. We add the new partition and then change the partition type (using t) to *Linux LVM* by providing the code 8e.

```
Command (m for help): n
2 All primary partitions are in use
3 Adding logical partition 5
4 First sector (823296-8388607, default 823296):
5 Using default value 823296
   Last sector, +sectors or +size{K,M,G} (823296-8388607, default 8388607): +100M
   Partition 5 of type Linux and of size 100 MiB is set
   Command (m for help): t
10 Partition number (1-5, default 5):
11 Hex code (type L to list all codes): 8e
   Changed type of partition 'Linux' to 'Linux LVM'
12
13
14 Command (m for help): p
15
16 Disk /dev/sdb: 4294 MB, 4294967296 bytes, 8388608 sectors
17 Units = sectors of 1 * 512 = 512 bytes
18 Sector size (logical/physical): 512 bytes / 512 bytes
   I/O size (minimum/optimal): 512 bytes / 512 bytes
```

```
20 Disk label type: dos
  Disk identifier: 0x9287c46d
21
22
                        End
                               Blocks Id System
23 Device Boot Start
24 /dev/sdb1
              2048 206847 102400 83 Linux
                                 102400 83 Linux
25 /dev/sdb2
                206848
                        411647
26 /dev/sdb3
               411648
                        821247
                                 204800 83 Linux LVM
27 /dev/sdb4
               821248 8388607 3783680 5 Extended
            823296 1028095 102400 8e Linux LVM
28 /dev/sdb5
```

Now we save the configuration and use the partprobe command to update the kernel's information about the available partitions.

```
Command (m for help): w
The partition table has been altered!

Calling ioctl() to re-read partition table.

Syncing disks.

# partprobe
```

15.6.2 Extending the Volume Group

Next let us consider we want to extend the existing LVM partition on /dev/sdb3. Then, we use the vgextend command to extend the LVM partition. It requires a Volume Group name, and a Physical device path, with the intention of adding the entire physical device to the VG. This is a shortcut since we don't have to create a PV on the device to be added (/dev/sdb5), as when all conditions are met, the vgextend command itself creates a PV on the disk, after which the disk is extended.

```
# vgextend vgCLI /dev/sdb5
Physical volume "/dev/sdb5" successfully created.
Volume group "vgCLI" successfully extended
```

Now, we can extend the logical volume to take up as much space on the VG as we want. We can confirm that our VG has been extended with the vgs command, and we can see which PVs are included in it (and confirm if /dev/sdb5 is present in it), using the pvs command.

```
1 # vgs
2 VG #PV #LV #SN Attr VSize VFree
3 centos_cliserver 1 2 0 wz--n- <19.00g 0
4 vgCLI 2 1 0 wz--n- 292.00m 192.00m
5 # pvs
6 PV VG Fmt Attr PSize PFree
7 /dev/sda2 centos_cliserver lvm2 a-- <19.00g 0
8 /dev/sdb2 lvm2 --- 100.00m 100.00m
9 /dev/sdb3 vgCLI lvm2 a-- 196.00m 96.00m
10 /dev/sdb5 vgCLI lvm2 a-- 96.00m 96.00m
```

15.6.3 Extending the LV and the File System

The LV is extended using the lvextend command, that takes as an argument:

| Options | Description | |
|---------|--|--|
| -L | Absolute size in KiB/MiB/GiB | |
| -1 | The number of logical extents OR a percentage of either the VG size, the LV/PV size or the free space available in the VG, etc. | |
| -r | Also resizes the file system on the LV, irrespective of file system. | |

The complete lvextend command then looks like:

```
# lvextend -l +100%FREE -r /dev/vgCLI/lvCLI
    Phase 1 - find and verify superblock...
   Phase 2 - using internal log
    - zero log...
    - scan filesystem freespace and inode maps...
    - found root inode chunk
   Phase 3 - for each AG...
    - scan (but don't clear) agi unlinked lists...
    - process known inodes and perform inode discovery...
10
    - agno = 0
11
    - agno = 1
    - agno = 2
12
    - agno = 3
13
    - process newly discovered inodes...
14
   Phase 4 - check for duplicate blocks...
    - setting up duplicate extent list...
    - check for inodes claiming duplicate blocks...
17
    - agno = 0
18
    - agno = 1
19
   - agno = 2
20
21
   - agno = 3
No modify flag set, skipping phase 5
23 Phase 6 - check inode connectivity...
24 - traversing filesystem ...
25 - traversal finished ...
   - moving disconnected inodes to lost+found ...
27 Phase 7 - verify link counts...
28 No modify flag set, skipping filesystem flush and exiting.
   Size of logical volume vgCLI/lvCLI changed from 100.00 MiB (25 extents) to 292.00 MiB (73
     \hookrightarrow extents).
   Logical volume vgCLI/lvCLI successfully resized.
30
    meta-data=/dev/mapper/vgCLI-lvCLI isize=512
                                                  agcount=4, agsize=6400 blks
31
                           sectsz=512 attr=2, projid32bit=1
32
                                    finobt=0 spinodes=0
                           crc=1
33
                                  bsize=4096 blocks=25600, imaxpct=25
    data
34
                           sunit=0 swidth=0 blks
35
                                  bsize=4096 ascii-ci=0 ftype=1
   naming =version 2
36
                                  bsize=4096 blocks=855, version=2
    log
            =internal
37
                           sectsz=512 sunit=0 blks, lazy-count=1
38
                                    extsz=4096 blocks=0, rtextents=0
   realtime =none
39
   data blocks changed from 25600 to 74752
```

The last few lines are the output from the mkfs.xfs command which is used to resize the file system on the disk. Had the filesystem been XFS, the resize2fs utility would've been used instead. The result of the operation can be verified using the df -h command and checking the file system size.

```
# df -h /dev/vgCLI/lvCLI
Filesystem Size Used Avail Use% Mounted on
Jev/mapper/vgCLI-lvCLI 289M 16M 274M 6% /LVM
```

15.7 Shrinking an LVM logical Volume

The shrinking operation of an LVM needs to be supported by the file system on board the LV. This is not the case for XFS as it doesn't support shrinking. **To shrink a LV, the file system on it must be unmounted first!** The size of the FS then must be reduced before shrinking the LV. To resize the Ext4 FS, we use resize2fs utility, which is the xt2/Ext3/Ext4 File System Resizer.

If we directly try to run the resize2fs on the disk, we'll be advised to run e2fsck utility to check file system consistency, i.e., if the file system has any problems with it. So, the commands to reduce the LV are:

```
# e2fsck -f /dev/mapper/vgCLI-lvCLI
   e2fsck 1.42.9 (28-Dec-2013)
   Pass 1: Checking inodes, blocks, and sizes
   Pass 2: Checking directory structure
   Pass 3: Checking directory connectivity
   Pass 4: Checking reference counts
    Pass 5: Checking group summary information
   lvCLI: 11/25688 files (9.1% non-contiguous), 8896/102400 blocks
    # resize2fs /dev/mapper/vgCLI-lvCLI 50M
    resize2fs 1.42.9 (28-Dec-2013)
    Resizing the filesystem on /dev/mapper/vgCLI-lvCLI to 51200 (1k) blocks.
    The filesystem on /dev/mapper/vgCLI-lvCLI is now 51200 blocks long.
    # lvreduce -L 50M /dev/mapper/vgCLI-lvCLI
    Rounding size to boundary between physical extents: 52.00 MiB.
    WARNING: Reducing active logical volume to 52.00 MiB.
    THIS MAY DESTROY YOUR DATA (filesystem etc.)
   Do you really want to reduce vgCLI/lvCLI? [y/n]: y
18 Size of logical volume vgCLI/lvCLI changed from 100.00 MiB (25 extents) to 52.00 MiB (13

→ extents).

19 Logical volume vgCLI/lvCLI successfully resized.
```

Now, if there weren't any errors, we should be able to mount the file system on board the LV.

In the last line we see that the file system size has been properly reduced.

15.7.1 Reduce both File system and LV in a single step

It is possible to shrink the LV and the on-board FS in a single command: (*The -r option automatically resizes the FS before shrinking the LV*).

```
# umount /LVM
# lvreduce -L 35M -r /dev/vgCLI/lvCLI
```

```
_{\rm 3} \, Rounding size to boundary between physical extents: 36.00 MiB.
4 fsck from util-linux 2.23.2
5 lvCLI: 11/13832 files (18.2% non-contiguous), 6886/51200 blocks
6 resize2fs 1.42.9 (28-Dec-2013)
7 Resizing the filesystem on /dev/mapper/vgCLI-lvCLI to 36864 (1k) blocks.
8 \, The filesystem on /dev/mapper/vgCLI-lvCLI is now 36864 blocks long.
_{10} Size of logical volume vgCLI/lvCLI changed from 52.00 MiB (13 extents) to 36.00 MiB (9
    \hookrightarrow extents).
11 Logical volume vgCLI/lvCLI successfully resized.
# mount /dev/mapper/vgCLI-lvCLI /LVM
# mount | grep ^/dev
14 /dev/mapper/centos_cliserver-root on / type xfs
    15 /dev/sda1 on /boot type xfs (rw,relatime,seclabel,attr2,inode64,noquota)
16 /dev/mapper/vgCLI-lvCLI on /LVM type ext4 (rw,relatime,seclabel,data=ordered)
# df -h /dev/mapper/vgCLI-lvCLI
                          Size Used Avail Use% Mounted on
18 Filesystem
19 /dev/mapper/vgCLI-lvCLI 31M 783K 28M 3% /LVM
```

Note however, that this method won't work all the time on all file systems, due to the fact that the target FS must also support reduction via lvreduce -r. Thus, while the -r won't work on XFS, it works just fine on Ext4.

Part III

Performing Advanced System Administration Tasks

Chapter 16

Managing the Kernel

16.1 Understanding the Modular Structure of the Kernel

The primary responsibility of the Linux Kernel is addressing the hardware and managing it. By default the kernel contains every functionality required to address the available hardware.

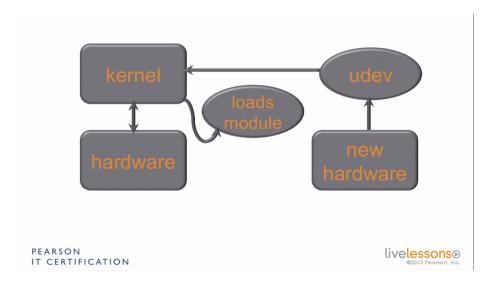


Figure 16.1: Modular structure of the Kernel

When a new hardware is added, the **udev** process is awoken to initialize the new hardware by communicating with the kernel and providing it with all the necessary information about the device. In turn, the kernel will load the module specific to that new hardware and initialize it so that the user can start using it.

16.2 Working with Kernel Modules

The linux kernel works with modules to only load those modules which provided a required functionality. Thus, these kernels are very lean since only the functionalities being used are kept.

16.2.1 Viewling loaded Kernel Modules

The 1smod command shows us all the kernel module that have been loaded.

```
# lsmod
   Module
                       Size Used by
2
  nls_utf8
                      12557 1
                      39844 1
                      91874 3
  xt_CHECKSUM
                      12549 1
  ipt_MASQUERADE
                      12678 3
  dm_region_hash
                      20813 1 dm_mirror
10 dm_log
                      18411 2 dm_region_hash,dm_mirror
   dm_mod
                      123303 14 dm_log,dm_mirror
11
```

The provided data is the name and size of the module followed by the number of programs currently using the module. In older versions of linux it was required to manually load modules to access certain functionalities. Modern linux distros don't require this. The **udev** process takes care of loading modules automatically. The activity of this process can be monitored using the udevadm monitor command.

```
monitor will print the received events for:

UDEV - the event which udev sends out after rule processing

KERNEL - the kernel uevent
```

Now if we were to attach a pen drive (and then remove it) then that'd trigger the following:

```
KERNEL[15445.778458] add
                                 /devices/pci0000:00/0000:00:11.0/0000:02:03.0/usb1/1-1
    KERNEL[15445.786957] add
    \  \, \rightarrow \  \, / devices/pci0000:00/0000:00:11.0/0000:02:03.0/usb1/1-1/1-1:1.0 \ (usb)
    UDEV [15445.830980] add
                              /devices/pci0000:00/0000:00:11.0/0000:02:03.0/usb1/1-1
    \hookrightarrow (usb)
    KERNEL[15445.851667] add
                                 /module/usb_storage (module)
    UDEV [15445.877116] add
                                 /module/usb_storage (module)
    KERNEL[15893.875998] add
                                 /module/fat (module)
9
    KERNEL[15893.876022] add
                                 /kernel/slab/fat_cache (slab)
    KERNEL[15893.876030] add
                                 /kernel/slab/fat_inode_cache (slab)
10
    KERNEL[15893.876037] add
                                 /module/vfat (module)
11
                               /module/fat (module)
    UDEV [15893.878942] add
12
                               /kernel/slab/fat_cache (slab)
    UDEV [15893.878962] add
13
                               /kernel/slab/fat_inode_cache (slab)
    UDEV [15893.878969] add
14
    UDEV [15893.879002] add
                                 /module/vfat (module)
15
16
17
   UDEV [15462.218411] remove
                                /devices/pci0000:00/0000:00:11.0/0000:02:03.0/usb1/1-1
    19
   KERNEL[15462.232117] remove /host3/target3:0:0 (scsi)
    UDEV [15462.232957] remove /host3/target3:0:0 (scsi)
```

The moment new hardware is detected, it generates an event which is then received by udev to respond appropriately. The insertion of the pen drive (usb key) into the usb slot triggered the udev process to load the *fat* and *vfat* modules [Lines 8-15].

However, when the USB key is detached, the modules aren't unloaded. This can be verified by the presence of both fat & vfat modules in the output of:

```
1 # 1smod | grep fat
2 vfat 17461 0
3 fat 65950 1 vfat
```

16.2.2 Modprobe

The modprobe command is used to load kernel modules manually. With the -r option, the command modprobe -r can also be used to unload kernel modules. We can remove the vfat module by:

```
# modprobe -r vfat
# lsmod | grep fat
# modprobe -r vfat
```

Note that the *fat* kernel module was loaded while loading the *vfat* kernel module and when the *vfat* module was unloaded by modprobe, it's dependency, *fat* module was also unloaded. Thus, modprobe also manages loading and unloading the dependencies. To load the *vfat* module again, we use:

```
# modprobe vfat

# lsmod | grep fat

vfat 17461 0

fat 65950 1 vfat
```

Normally, this is something we have to rarely do, since the udev process does its work so well once the kernel has detected the hardware. However, this is extremely useful for situations where the kernel module has been edited/updated manually and needs to be reloaded.

16.3 Modifying the Kernel module behavior through modprobe

The information about any specific kernel module can be obtained through the modinfo command.

```
# modinfo e1000
     \rightarrow \hspace*{-3mm} / lib/modules/3.10.0-693.11.1.el7.x86\_64/kernel/drivers/net/ethernet/intel/e1000/e1000.ko.xz
    version:
                7.3.21-k8-NAPI
                    GPL
    license:
                    Intel(R) PRO/1000 Network Driver
    description:
                    Intel Corporation, <linux.nics@intel.com>
    rhelversion:
    srcversion:
                    9E0A112E5D47C996E7C4A58
   alias:
                   pci:v00008086d00002E6Esv*sd*bc*sc*i*
10
                  pci:v00008086d00001001sv*sd*bc*sc*i*
11 alias:
                    pci:v00008086d00001000sv*sd*bc*sc*i*
12 alias:
13 depends:
14 intree:
                    3.10.0-693.11.1.el7.x86_64 SMP mod_unload modversions
15 vermagic:
```

```
16 signer:
                  CentOS Linux kernel signing key
                  61:B8:E8:7B:84:11:84:F6:2F:80:D6:07:79:AB:69:2A:49:D8:3B:AF
17 sig_key:
18 sig_hashalgo: sha256
                  TxDescriptors:Number of transmit descriptors (array of int)
19 parm:
                  RxDescriptors:Number of receive descriptors (array of int)
20 parm:
                  Speed: Speed setting (array of int)
21 parm:
                 Duplex:Duplex setting (array of int)
22 parm:
                 AutoNeg:Advertised auto-negotiation setting (array of int)
23 parm:
24
25 parm:
                  copybreak: Maximum size of packet that is copied to a new buffer on

→ receive (uint)

                  debug:Debug level (0=none,...,16=all) (int)
```

What's really useful for us is the *parm* information towards the end of the kernel module. While not every kernel module has them, many kernel module do provide the option to set parameters. Thus, the modinfo command gives us a list of all the parameters that can be set for a kernel module.

Now, we can see the information about the parameters that are available for the *cdrom* module:

```
# modinfo cdrom
   filename: /lib/modules/3.10.0-693.11.1.el7.x86_64/kernel/drivers/cdrom/cdrom.ko.xz
   license:
   rhelversion:
                 7.4
   srcversion: BE3BD0D17D080229D55B173
   depends:
   intree:
                 3.10.0-693.11.1.el7.x86_64 SMP mod_unload modversions
   vermagic:
   signer:
                 CentOS Linux kernel signing key
                 61:B8:E8:7B:84:11:84:F6:2F:80:D6:07:79:AB:69:2A:49:D8:3B:AF
10 sig_key:
11 sig_hashalgo: sha256
                 debug:bool
12 parm:
                 autoclose:bool
13 parm:
                 autoeject:bool
14 parm:
15 parm:
                lockdoor:bool
16 parm:
                check_media_type:bool
17 parm:
                mrw_format_restart:bool
```

An interesting example of a parameter is the *lockdoor* parameter, which when enabled locks the cd tray when the device is mounted. In case of these boolean variables, the value 0 = false; 1 = true. If however, we try to remove a kernel module that's being used, we get the message:

```
1  # modprobe -r cdrom
2  modprobe: FATAL: Module cdrom is in use.
```

If the cdrom weren't in use, the command to set the parameter (stop locking the disk tray when the cdrom is mounted) would be:

```
1 # modprobe cdrom lockdoor=0
```

16.3.1 Setting kernel module parameters on older Linux versions

There was only one entry point for setting the kernel module parameters on older versions of Linux: /etc/modprobe.conf. However, RHEL 7 onwards, this is no longer the case. There are a couple of extra locations for modifying the kernel module parameters.

The folder /lib/modprobe.d contains many configuration files. These files contain the default settings for their respective kernel modules. The files are dropped here by the RPMs during installation. Typically, we should avoid any modification in this folder.

To modify the kernel parameters we should choose a different directory: /etc/modprobe.d. There is an excellent manpage for the modprobe.d directory, which contains the format for specifying the parameters:

```
options modulename option...
```

Thus, to set the kernel parameter for the lockdoor on cdrom to false, we need to make a file: /etc/modprobe.d/cdrom.conf which contains just one line:

```
options cdrom lockdoor=0
```

Since in our case, we can't reload the kernel module since it's in use, the only way to ensure that it works is by rebooting the server with reboot now. Finding out if it worked might be problematic on a live system.

For certain modules, we can go to the <code>/sys/module</code> directory which contains a sub-directory for every kernel module that's currently loaded. We would want to look for a file called <code>parameters</code> that sits in the directory for that module name, and check to see what value is set. However, the cdrom module has no such file.

Next, we can check the wih the dmesg command, after filtering it appropriately. Then we filter out the irrelevant stuff with the grep command. The grep command can be provided an option -A which is followed immediately by the number of lines starting from the matching line should be printed.

16.4 Tuning kernel behavior through proc

The Linux kernel provides an easy to use interface to optimize kernel parameters, called **proc**. To use it, we have to go to the /proc file system. In there we can find current status information about the kernel, and also a /proc/sys directory that helps us optimize kernel parameters.

There are several files that convey kernel status information, such as the /proc/cpuinfo file that helped us detect if the virtualization flag (vmx) was set for the processor. There is also the /proc/partitions file that shows us the kernel partition table contents. The /proc/meminfo file gives us detailed information about the memory.

In the /proc/sys directory, there is a subdirectory for every interface offered by the kernel. Some of the most important ones are : **kernel** - to optimize core kernel functionality, **net** - for networking and **vm** - concerning virtual memory management.

If the module has to be loaded, then the parameters should be edited with /etc/modprobe.d/<moduleName>.com: However, if they're a part of the main kernel, then there's a chance that there's a sysctl setting available for it. In that case, it can be edited via the proc file system. All sysctl settings are available under /proc/sys directory.

If we go to the /proc/sys/kernel folder, we can see that there are a lot of parameters that the kernel is using. While some of the parameters are quite advanced, some are simple and provide useful information such as the *osrelease* and *hostname* files.

```
# cat /proc/sys/kernel/osrelease
3.10.0-693.11.1.el7.x86_64
# cat /proc/sys/kernel/hostname
wmPrime.somuVMnet.local
```

We can also change the parameters here. For example, in the /proc/sys/net/ipv4 directory, there is a file for a parameter called *ip forward*.

```
# cat ip_forward
1 # cat ip_forward
```

This means that the system is configured to forward packets, i.e., the system is configured as a router. If we want to change this behavior, and want to turn that parameter off, we just use the command echo $0 > ip_forward$. Note that changing parameters this way is not persistent.

In the /proc/sys/vm directory, there is a file for the swappiness parameter, i.e., the willingness to swap or store a file on the hard disk from the RAM when it's no longer needed. This parameter accepts values between 0 to 100 and if we increase the swappiness, we make the kernel swap out data to disk faster.

An important point of note is that the system parameters in this directory are really advanced, and we should only change the values here if we know exactly what we're doing. This is not a place for *experimentation*, as it may even cause boot to fail.

16.5 Using sysctl

To make the changes that we've made persistent, we have to tune sysctl.

16.5.1 sysctl command

The sysctl command is used to configure the kernel parameters at runtime. The sysctl -a command gives us a list of all the tunable options that are currently set.

```
# sysctl -a
abi.vsyscall32 = 1
crypto.fips_enabled = 0
debug.exception-trace = 1
debug.kprobes-optimization = 1
debug.panic_on_rcu_stall = 0
dev.cdrom.autoclose = 1
dev.cdrom.autoclose = 1
vm.vfs_cache_pressure = 100
vm.zone_reclaim_mode = 0
```

This list is also greppable, and thus, we can easily find the parameter we're looking for.

```
# sysctl -a | grep ip_forward
sysctl: reading key "net.ipv6.conf.all.stable_secret"
sysctl: reading key "net.ipv6.conf.default.stable_secret"
sysctl: reading key "net.ipv6.conf.ens33.stable_secret"
sysctl: reading key "net.ipv6.conf.lo.stable_secret"
sysctl: reading key "net.ipv6.conf.virbr0.stable_secret"
sysctl: reading key "net.ipv6.conf.virbr0-nic.stable_secret"
net.ipv4.ip_forward = 0
net.ipv4.ip_forward_use_pmtu = 0
```

The names of the parameters shown here correspond to a file of the same name in the /proc/sys/ directory. Thus, the net.ipv4.ip_forward parameter can be set using the file /proc/sys/net/ipv4/ip_forward file.

Upon booting the sysctl process reads a bunch of configuration files to appropriately set the kernel parameters. In earlier versions, there used to be only one config file: /etc/sysctl.conf, but on RHEL 7 it's empty. For custom settings, the /etc/sysctl.d/<name>.conf files should be used. The default sysctl config is loaded from the /usr/lib/sysctl.d/ files. The contents of that directory is:

```
# ls /usr/lib/sysctl.d/
O0-system.conf 10-default-yama-scope.conf 50-default.conf 60-libvirtd.conf
```

The numbers in front of the file names just ensure that the config settings are read from the files in order. So, 00-system.conf will be read before 60-libvirtd.conf. This gives a cascading effect, and if a setting is saved in multiple files then the last file to be read contains the value that'll be used.

Now, if we want our computer to be able to forward IP packets like a router, we edit the file /etc/sysctl.d/50-ipforward.conf:

```
net.ipv4.ip_forward = 1
```

After the next reboot, the system will be able to route ip packets. There are certain tools that can write directly to the sysctl config files, but they should be avoided, since to verify that these work, we have to echo their values from the /proc file system. Then all we need to do is restart the system, and since the tunable is a part of sysctl system, the parameters will be applied at next boot.

16.6 Updating the kernel

The command to update the kernel is:

```
# yum update kernel
```

If the kernel has already been downloaded, we could use either of the commands below:

```
# yum localinstall <kernelName>.rpm

# rpm -Uvh <kernelName>.rpm
```

In any case, the old kernel is not overwritten during the update, and thus it can still be booted, as both are added to grub.

Chapter 17

Using Kickstart

17.1 Understanding Kickstart Usage

The purpose of using kickstart is to automatically provide the settings we'd normally provide manually to the OS during installation. Now, to use kickstart, we need to provide the kickstart file (which contains the settings) at a place available to the installer.

Let us consider a minimal installation using boot.iso. Also, let us assume the kickstart file is named myks.cfg. Either USB keys (or any other storage media) or a server could host the file and provide it to the installer. It doesn't matter whether the installation is from a local media (e.g., usb key/ DVD) or a repository server. Once the installation starts, there is nothing more to do for the SysAdmin to do but to wait for it to finish, and the kickstart installation needs no manual intervention whatsoever!

17.2 Creating a Kickstart file

If the goal is to install just one server, it is easier to just install it manually, but for a number of servers (with the same configuration), using kickstart is much better. The kickstart file is passed to the installer.

The home directory or user root contains two kickstart files:

```
1 # ls -l /root
2 total 8
3 -rw-----. 1 root root 2183 Nov 25 09:09 anaconda-ks.cfg
4 -rw-r---. 1 root root 2214 Nov 25 09:47 initial-setup-ks.cfg
```

To use kickstart with only minor variaitons of the given configuraiton in either of those files, we could make a copy of the file and edit the attributes till they meet our requirements. However, a custom installation by creating a new kickstar file is also possible. For this, we need the system-config-kickstart utility (isn't installed by default).

The system-config-kickstart command launches the GUI tool that creates the required kickstart files. This GUI has the ability to ask for all the options asked during boot. However, some essential options like the option to create LVM is missing from the kickstart configuration. When done, the options can be saved to the file system.

17.2.1 Installation Scripts

The real power of kickstart comes from the fact that it is capable of running pre-installation and post-installatin scripts.

17.3 Using the Kickstart file for Automatic installations

For network booting using a kickstart file, first we copy the kickstart file to a FTP server.

```
# scp -P 22 automate-install-ks.cfg somu@infraServer.somuVMnet.com:
# ssh -p 22 root@infraServer.somuVMnet.com
# cp automate-install-ks.cfg /var/ftp/pub
# cd /var/ftp/pub
# chmod 644 automate-install-ks.cfg # Others need read access to be able to use the
# kickstart file.
# systemctl status vsftpd # Checking if the FTP server is functioning correctly!
```

Now on the machine where the OS is being installed, when the installer has fully loaded and provides the option to either directly install the OS, or test installation media and then install the OS, we need to press tab to set the installation options.

There, at the end, we need to type provide the location of the kickstart file on the network:

```
ks=ftp://infraServer.somuVMnet.com/ftp/pub/automated-install-ks.cfg
```

Then depending on which options were not given in the kickstart file, the installer may ask for some options, but if all the necessary details are given, then no manual intervention will be required at all!

In cases of data-centers and places where a large number of servers need to be installed, the use of a DVD is impractical and a installation server should be set up.

17.4 Using Kickstart files in fully automated data-centers

There are two servers here - one on the left on which the OS will be installed, and the other on the right, the installation server, which contains the boot image and installer. The server on which the OS will be installed performs a PXE boot (read as *pixie* boot), which is essentially booting from an installation image on the network through the NIC, while a server (installation server) is waiting for it.

On the installation server there is a **DHCP** (Dynamic Host Configuration Protocol) server and a **TFTP** (Trivial File Transfer Protocol). The DHCP server hands out IP addresses and the TFTP server makes the boot image available for download and installation. This boot image is received on the server on which the OS will be installed, and the installer is loaded. On a normal network installation this is where the network's role would end.

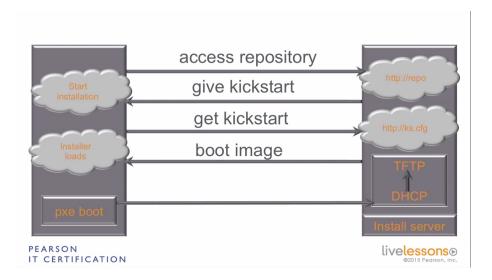


Figure 17.1: PXE (Network) boot with Kickstart

However, since here the OS is installed using a Kickstart file, the client sends a request to receive a copy of the kickstart file from the web/FTP server on the installation server. Upon receiving the kickstart file, finally the installation begins. Finally, the installation needs access to the repository on the installation server for the rpm files that the installer will install (since the installation server is also the installation source). The repository needs to be pre-configured on the installation server as well.

Chapter 18

Managing and Understanding the Boot Procedure

18.1 Boot Procedure Generic Overview

On starting up, the computer perform a "Power On Self Test" (POST). During this, the computer checks all the connected hardware and finds the boot device, which is typically a hard disk / solid state drive (HDD/SSD). On the boot device, the computer access Grub 2, the boot loader, that loads the **kernel** and **initrd**.

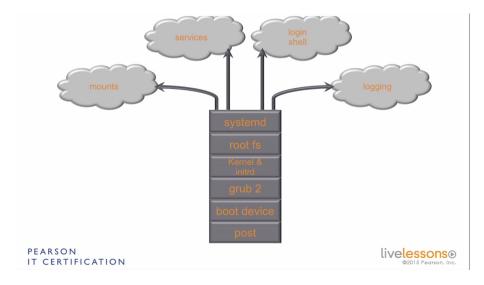


Figure 18.1: Boot Procedure

Next, the root file system is mounted (by the kernel) and then, **systemd** is started. Once systemd has started, everything else can begin, such as: logging, mounting the other file systems, starting all services and preparing the login shell.

18.2 Understanding Grub2

The very first thing from the linux perspective (i.e., the first thing that's executed) when a computer boots is Grub2 (Grand Unified Boot-loader).

The /etc/default/grub is the most important configuration file for Grub2. Most of the customizations/modifications by an user is done to this file. There are also additional configuration files in the /etc/grub.d directory. If any of the configuration files have been updated, the boot loader needs to be updated as well, by using the grub2-mkconfig command. This updates the data in the Master Boot Record (MBR) and the metadata in the first few sectors of our hard drives.

Once the computer boots, we can access the Grub boot menu by pressing the *escape* key. When this is done, we can enter special boot instructions on it.

18.2.1 Booting in emergency mode

On the boot menu, we need to enter systemd.unit=emergency.target as a boot option to start up the computer in emergency mode, which is used in case the computer can't boot normally.

The diagram below explains the entire boot procedure. Once the power is supplied to the computer, it performs the Power On Self Test and then loads the boot loader from the MBR. Now, we have the option to enter the boot menu by pressing the escape key, and enter the boot options, like booting in emergency mode.

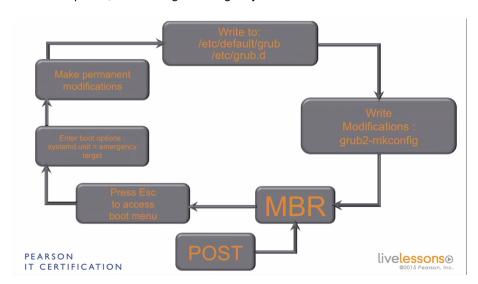


Figure 18.2: Booting in emergency mode

In case there's something wrong with the bootloader itself, we can make permanent modifications by editing the files: /etc/default/grub and the config files in /etc/grub.d directory. Once these modifications have been written, the boot loader needs to be updated using grub2-mkconfig command. This ensures that the next time the MBR will be read, the edited grub2 configuration files will be used.

18.3 Modifying Grub2 Parameters

The primary grub configuration file is /etc/default/grub. The default contents of it look like:

```
GRUB_TIMEOUT=5
```

² GRUB_DISTRIBUTOR="\$(sed 's, release .*\$,,g' /etc/system-release)"

The GRUB_TIMEOUT parameter defines the amount of time the system waits in the Grub boot menu for user input. The most important parameter is GRUB_CMDLINE_LINUX which defines which arguments are passed on to the linux kernel when the system is booting. The last portion of this parameter, rhgb quiet stops Grub from showing us what it's doing during boot. To enable this feature, we need to delete those arguments.

Next, we take a look at the /etc/grub.d directory. The files in here are shell scripts that aren't meant to be changed normally, and help with the boot process.

After making all changes, we need to execute the grub2-mkconfig command to update the changes to the Grub2 boot-loader. The command reads (and compiles) every grub related config file. This generates a grub configuration file (to send to the boot loader).

To see all these changes, we need to reboot our computer. To verify that the changes have been applied correctly, we can enter the Grub menu using the *Escape* key. In there, we can find the kernel line with all the options that are used. A *CTRL+X* at this point causes a reboot with the new parameters passed to the kernel.

18.4 Understanding Systemd

Systemd is a major new feature added in RHEL 7. It is a new init system that starts things - it both bootstraps the current user-space as well as manage the system processes after booting.

During startup, right after the loading of the kernel, systemd is started, and systemd in turn takes care of starting everything else. Unlike the older *runlevel* system, where only services were started, systemd takes care of services, mounting partitions, auto mounting file systems, and much more.

18.4.1 Unit file

A **unit** file is the replacement of the old init script. Init scripts were relatively more difficult to understand. The unit files have greater readability.

This unit file defines how to start services and everything else systemd can do, as well as define the relation between all those things. Systemd has two different locations for the storing of scripts - the default scripts are stored in /usr/lib/systemd and the administrator's custom scripts reside in the /etc/systemd directory.

18.5 Managing Services in a systemd Environment

To get a task done in Linux, we need services, which are started using systemd. The directory /usr/lib/systemd/system contains many service scripts (among other files). This directory is for the default services that are installed by the RPMs. Thus, we shouldn't edit the files in this directory.

For our own system service management needs, we go to the /etc/systemd/system folder. This has two advantages: i) updates to the RPMs that dropped the service scripts in /usr/lib/systemd/system won't overwrite our scripts, and ii) Our scripts in /etc/systemd/system will overwrite those in the other folder.

18.5.1 Service files

The services form the basic unit of management in systemd is a service. The service files contain all the information required to start a service.

Let us consider the /usr/lib/systemd/system/httpd.service file:

```
[Unit]
    Description=The Apache HTTP Server
    After=network.target remote-fs.target nss-lookup.target
    Documentation=man:httpd(8)
    Documentation=man:apachectl(8)
    [Service]
    Type=notify
    EnvironmentFile=/etc/sysconfig/httpd
10
    ExecStart=/usr/sbin/httpd $OPTIONS -DFOREGROUND
    ExecReload=/usr/sbin/httpd $OPTIONS -k graceful
11
    ExecStop=/bin/kill -WINCH ${MAINPID}
12
    # We want systemd to give httpd some time to finish gracefully, but still want
13
    # it to kill httpd after TimeoutStopSec if something went wrong during the
14
    # graceful stop. Normally, Systemd sends SIGTERM signal right after the
    # ExecStop, which would kill httpd. We are sending useless SIGCONT here to give
    # httpd time to finish.
17
18 KillSignal=SIGCONT
   PrivateTmp=true
19
20
21 [Install]
22 WantedBy=multi-user.target
```

Due to the usage of systemd, a service in RHEL 7 is much more powerful than a service in previous versions. It is possible to basically turn everything into a service and control it using systemd.

The [Install] section of the file defines how the service should be started. The WantedBy parameter is defined to set this. Here, the service must be started by a *target*. Services are assigned to targets and the targets take care of starting up the services.

Next, we take a look at the service definition. In earlier versions of RHEL, this section was implemented by the help of large shell scripts. Now, only a few lines of configuration settings are needed. This section defines what should be started and how.

18.5.2 systemctl

Services are managed using the systemctl command. For example, to see the status of a service, we write:

```
Active: active (running) since Sat 2017-12-16 09:31:03 IST; 3s ago
5 Docs: man:httpd(8)
   man:apachect1(8)
7 Main PID: 5831 (httpd)
   Status: "Processing requests..."
   CGroup: /system.slice/httpd.service
    -5831 /usr/sbin/httpd -DFOREGROUND
10
    -5840 /usr/sbin/httpd -DFOREGROUND
11
    -5842 /usr/sbin/httpd -DFOREGROUND
   -5843 /usr/sbin/httpd -DFOREGROUND
     -5844 /usr/sbin/httpd -DFOREGROUND
    -5845 /usr/sbin/httpd -DFOREGROUND
17 Dec 16 09:31:01 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Starting The Apache HTTP Server...
  Dec 16 09:31:03 vmPrime.somuVMnet.local systemd[1]: Started The Apache HTTP Server.
        To start a service we use:
    # systemctl start httpd
       To stop it we use:
    # systemctl stop httpd
        To permanently remove the service from the startup procedure of our OS, we use:
    # systemctl disable httpd
    Removed symlink /etc/systemd/system/multi-user.target.wants/httpd.service.
        To enable the service again:
    # systemctl enable httpd
    Created symlink from /etc/systemd/system/multi-user.target.wants/httpd.service to
     → /usr/lib/systemd/system/httpd.service.
```

18.5.3 Targets

Our systems can enter different states called **targets**, which are also defined in /usr/lib/systemd/system and /etc/systemd/system. Targets act as a collection of services, and we can specify dependency relations within the target file. Two of the most important targets are: multi-user.target and graphical.target, both present in /usr/lib/systemd/system directory.

The *graphical.target* is started as the default environment when a GUI is running. Contrastingly, the *multi-user.target* is used as a default environment on servers where a GUI isn't present.

18.5.4 Wants

In order to put services in a specific target, we create a *wants* directory for that target and put a symbolic link to that service in that directory. Services belong to a specific

target. When a service is enabled, a symbolic link is created in some *Wants* directory. Each target has its own wants directory that ends with the name of the target followed by a .wants. For example, the multi-user.target has a corresponding directory called multi-user.target.wants in the same folder.

These directories only contain symbolic links to services that should be available at all times in that particular target. For example, the multi-user.target.wants contains:

```
# ls -l /usr/lib/systemd/system/multi-user.target.wants/
total O
lrwxrwxrwx. 1 root root 16 Nov 25 08:50 brandbot.path -> ../brandbot.path
lrwxrwxrwx. 1 root root 15 Nov 25 08:50 dbus.service -> ../dbus.service
lrwxrwxrwx. 1 root root 15 Nov 25 10:14 getty.target -> ../getty.target
lrwxrwxrwx. 1 root root 24 Nov 25 08:50 plymouth-quit.service -> ../plymouth-quit.service
lrwxrwxrwx. 1 root root 29 Nov 25 08:50 plymouth-quit-wait.service ->
 lrwxrwxrwx. 1 root root 33 Nov 25 10:14 systemd-ask-password-wall.path ->
 \hookrightarrow ../systemd-ask-password-wall.path
lrwxrwxrwx. 1 root root 25 Nov 25 10:14 systemd-logind.service ->
lrwxrwxrwx. 1 root root 39 Nov 25 10:14 systemd-update-utmp-runlevel.service ->
lrwxrwxrwx. 1 root root 32 Nov 25 10:14 systemd-user-sessions.service ->
```

Further, there are also the services resident in /etc/systemd/system/multi-user.target.wants which will also be included:

```
# ls -l /etc/systemd/system/multi-user.target.wants/
   total 0
3 lrwxrwxrwx. 1 root root 41 Nov 25 08:51 abrt-ccpp.service ->
    \rightarrow /usr/lib/systemd/system/abrt-ccpp.service
  lrwxrwxrwx. 1 root root 37 Nov 25 08:50 abrtd.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/abrtd.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 41 Nov 25 08:50 abrt-oops.service ->

    /usr/lib/systemd/system/abrt-oops.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 43 Nov 25 08:51 abrt-vmcore.service ->
    \rightarrow /usr/lib/systemd/system/abrt-vmcore.service
   lrwxrwxrwx. 1 root root 41 Nov 25 08:50 abrt-xorg.service ->

    /usr/lib/systemd/system/abrt-xorg.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 35 Nov 25 08:59 atd.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/atd.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 38 Nov 25 08:51 auditd.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/auditd.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 44 Nov 25 08:59 avahi-daemon.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/avahi-daemon.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 39 Nov 25 08:51 chronvd.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/chronyd.service

12 lrwxrwxrwx. 1 root root 37 Nov 25 08:50 crond.service ->
    13 lrwxrwxrwx. 1 root root 33 Nov 25 08:55 cups.path -> /usr/lib/systemd/system/cups.path
   lrwxrwxrwx. 1 root root 36 Nov 25 08:55 cups.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/cups.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 41 Nov 25 08:51 firewalld.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/firewalld.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 37 Dec 16 11:32 httpd.service ->

    /usr/lib/systemd/system/httpd.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 42 Nov 25 08:59 irqbalance.service ->

    /usr/lib/systemd/system/irqbalance.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 37 Nov 25 08:51 kdump.service ->

    /usr/lib/systemd/system/kdump.service
```

```
lrwxrwxrwx. 1 root root 35 Nov 25 08:51 ksm.service ->
    → /usr/lib/systemd/system/ksm.service
20 lrwxrwxrwx. 1 root root 40 Nov 25 08:51 ksmtuned.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/ksmtuned.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 46 Nov 25 08:50 libstoragemgmt.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/libstoragemgmt.service

22 lrwxrwxrwx. 1 root root 40 Nov 25 08:52 libvirtd.service ->
    \hookrightarrow /usr/lib/systemd/system/libvirtd.service
  lrwxrwxrwx. 1 root root 38 Nov 25 08:59 mcelog.service ->
    → /usr/lib/systemd/system/mcelog.service
  lrwxrwxrwx. 1 root root 41 Nov 25 08:51 mdmonitor.service ->

    /usr/lib/systemd/system/mdmonitor.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 44 Nov 25 08:59 ModemManager.service ->

    /usr/lib/systemd/system/ModemManager.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 46 Nov 25 08:50 NetworkManager.service ->
    → /usr/lib/systemd/system/NetworkManager.service
  lrwxrwxrwx. 1 root root 41 Nov 25 08:52 nfs-client.target ->
    lrwxrwxrwx. 1 root root 39 Nov 25 08:59 postfix.service ->
    lrwxrwxrwx. 1 root root 40 Nov 25 08:50 remote-fs.target ->
    → /usr/lib/systemd/system/remote-fs.target
  lrwxrwxrwx. 1 root root 36 Nov 25 08:59 rngd.service ->

    /usr/lib/systemd/system/rngd.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 39 Nov 25 08:59 rsyslog.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/rsyslog.service

  lrwxrwxrwx. 1 root root 38 Nov 25 08:59 smartd.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/smartd.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 36 Nov 25 08:59 sshd.service ->

→ /usr/lib/systemd/system/sshd.service

   lrwxrwxrwx. 1 root root 39 Nov 25 08:59 sysstat.service ->
    → /usr/lib/systemd/system/sysstat.service
   lrwxrwxrwx. 1 root root 37 Nov 25 08:59 tuned.service ->
    \hookrightarrow /usr/lib/systemd/system/tuned.service
    lrwxrwxrwx. 1 root root 40 Nov 25 08:51 vmtoolsd.service ->
    → /usr/lib/systemd/system/vmtoolsd.service
```

Now, the /etc/systemd/system/default.target defines which target (graphical or multiuser) is set as the default environment post-boot for the users.

```
# ls -l /etc/systemd/system/default.target

lrwxrwxrwx. 1 root root 36 Nov 25 09:08 /etc/systemd/system/default.target ->

//lib/systemd/system/graphical.target
```

Above, we can see that the graphical.target is set as the default. If we want to change that, we just change the link to point to /lib/systemd/system/multi-user.target to operate in a CLI by default.

18.5.5 Viewing Currently Loaded Targets

To view the currently loaded targets we use:

```
# systemctl list-units --type=target
UNIT LOAD ACTIVE SUB DESCRIPTION
basic.target loaded active active Basic System
bluetooth.target loaded active active Bluetooth
cryptsetup.target loaded active active Encrypted Volumes
```

```
6 getty.target
                        loaded active active Login Prompts
7 graphical.target
                        loaded active active Graphical Interface
   local-fs-pre.target loaded active active Local File Systems (Pre)
9 local-fs.target loaded active active Local File Systems
10 multi-user.target loaded active active Multi-User System
11 network-online.target loaded active active Network is Online
12 network-pre.target loaded active active Network (Pre)
15 nss-user-lookup.target loaded active active User and Group Name Lookups
16 paths.target loaded active active Paths
17 remote-fs-pre.target loaded active active Remote File Systems (Pre)
18 remote-fs.target
                       loaded active active Remote File Systems
19 slices.target
                       loaded active active Slices
20 sockets.target
                      loaded active active Sockets
21 sound.target
                       loaded active active Sound Card
22 swap.target
                       loaded active active Swap
23 sysinit.target loaded active active System Initialization
24 timers.target loaded active active Timers
25
26 LOAD = Reflects whether the unit definition was properly loaded.
27 ACTIVE = The high-level unit activation state, i.e. generalization of SUB.
   SUB = The low-level unit activation state, values depend on unit type.
28
29
30 22 loaded units listed. Pass --all to see loaded but inactive units, too.
   To show all installed unit files use 'systemctl list-unit-files'.
```

The services provided by our entire OS are not packed together into one monolithic target, but broken down into several targets that concurrently active, as can be seen above. How these targets are supposed to work together is also defined in the target files. For example, in the /usr/lib/systemd/system/multi-user.target file:

```
[Unit]
Description=Multi-User System
Documentation=man:systemd.special(7)
Requires=basic.target
Conflicts=rescue.service rescue.target
After=basic.target rescue.service rescue.target
AllowIsolate=yes
```

In this, we can see that the multi-user.target requires the *basic.target* to be loaded. It conflicts with *rescue.target* and it has to be loaded only after the *basic.target* is loaded.

Thus, when systemd will try to load the *multi-user.target*, it'll first check the dependencies of the target, which is *basic.target*. If it's not currently loaded, systemd attempts to start the *basic.target* after resolving all of its dependencies, and so on.

18.6 Understanding systemd Targets

Unit files are everything that can be started by systemd. A category of unit files are *targets*. Systemd targets are a collection of unit files that are meant to work together to let the system enter a specific state. Some of these targets are the equivalent of runlevels in the previous versions of RHEL. For example:

| Options | Description | |
|-------------------|--|--|
| poweroff.target | weroff.target State that shuts down the computer. | |
| rescue.target | Lets the system enter a troubleshooting mode. | |
| multi-user.target | Fully operational server with a command line, but without a GUI. | |
| graphical.target | Fully operational server with a GUI. | |
| reboot.target | State that causes the computer to reboot. | |
| emergency.target | Minimalistic rescue mode, to be used when rescue mode fails. | |

18.6.1 Services related to targets

The services need to know which target they belong to, and the targets themselves need to know about the ordering. By the use of *wants*, every service knows by which target it is wanted. For example, every service has an Install section containing the name of the target that wants it. The sshd.service has:

```
I [Install]
WantedBy=multi-user.target
```

Ordering

The order between targets is defined in targets. For example, the *multi-user.target* file contains:

```
[Unit]
Description=Multi-User System
Documentation=man:systemd.special(7)
Requires=basic.target
Conflicts=rescue.service rescue.target
After=basic.target rescue.service rescue.target
AllowIsolate=yes
```

Here, we see that the target (and consequently, the services in it) can only be loaded if the basic.target is already loaded (since it's required). Further, systemd may only attempt to start the services in this target *after* the basic.target has been loaded, and the conflicted *rescue.target* was ordered to load (but didn't). The AllowIsolate=yes signifies whether the system can jump from another target to this target to change it's state.

18.7 Switching between systemd Targets

While changing from one system state to another, only certain targets may switch to another one from an operational environment, but in may cases, we can't. For example, it is possible to go from an operational environment to a minimal environment such as the rescue mode.

However, any target can be booted to from the Grub boot menu. The currently active targets can be listed with:

```
# systemctl list-units --type=target
UNIT LOAD ACTIVE SUB DESCRIPTION
basic.target loaded active active Basic System
bluetooth.target loaded active active Bluetooth
cryptsetup.target loaded active active Encrypted Volumes
```

```
6 getty.target
                        loaded active active Login Prompts
7 graphical.target
                        loaded active active Graphical Interface
   local-fs-pre.target loaded active active Local File Systems (Pre)
9 local-fs.target loaded active active Local File Systems
                       loaded active active Multi-User System
10 multi-user.target
11 network-online.target loaded active active Network is Online
12 network-pre.target loaded active active Network (Pre)
15 nss-user-lookup.target loaded active active User and Group Name Lookups
16 paths.target loaded active active Paths
17 remote-fs-pre.target loaded active active Remote File Systems (Pre)
18 remote-fs.target
                       loaded active active Remote File Systems
19 slices.target
                       loaded active active Slices
20 sockets.target
                       loaded active active Sockets
21 sound.target
                       loaded active active Sound Card
22 swap.target
                       loaded active active Swap
23 sysinit.target loaded active active System Initialization
24 timers.target loaded active active Timers
25
26 LOAD = Reflects whether the unit definition was properly loaded.
   ACTIVE = The high-level unit activation state, i.e. generalization of SUB.
27
   SUB = The low-level unit activation state, values depend on unit type.
28
29
30 22 loaded units listed. Pass --all to see loaded but inactive units, too.
31 To show all installed unit files use 'systemctl list-unit-files'.
```

18.7.1 Switching to another target from an operational environment

Working environments consist of multiple targets, some of which are listed above. To change to another target (mode), we use the systemctl isolate command:

```
# systemctl isolate rescue.target
Give root password for maintenance
(or type Control-D to continue):
```

To exit rescue mode, we must just type exit and let the computer reboot, since it's not possible to easily switch from the rescue mode to any other mode.

18.7.2 Selecting target from Grub Boot menu

When the grub boot menu is displayed, and the available kernels are shown, we can press the e key to enter boot options. In here, we have to go down to the line that starts with linux16 and at the very end, we type: systemd.unit=<targetName>.target to boot into it. For example, to boot into the rescue mode during boot, we use:

```
systemd.unit=rescue.target
```

Then, we have to press *CTRL+X* to execute. This will directly boot us into the rescue mode. In this mode, the systemctl list-units --type=target returns only a few targets, which proves that this mode is indeed minimalistic, but also the loaded targets (i.e., the services loaded by them) are essential for proper functioning of the computer.

18.7.3 Emergency mode

To boot into the emergency mode we need to use systemctl.unit=emergency.target. In this mode, systemctl list-units --type=targets doesn't return anything. We can use systemctl default to start the default target.

Chapter 19

Applying Essential Troubleshooting Skills